PRESS राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Raashtriya Mukhyadhaaraa
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, मंगलवार
2.12.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 43

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

संसद राष्ट्र निर्माण का मंच, न कि पराजय-विजय की राजनीति का अखाड़ा : प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए विपक्ष और सत्ता पक्ष- दोनों से आग्रह किया कि यह सत्र न तो पराजय की बौखलाहट का मैदान बने और न ही विजय के अहंकार का मंच। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और अर्थतंत्र की मजबूती को आज दुनिया बड़ी बारीकी से देख रही है, ऐसे में संसद का हर क्षण राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोग होना चाहिए, न कि राजनीतिक नकारात्मकता में व्यर्थ जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संसद देश को प्रगति की नई गति देने और भविष्य की दिशा तय करने का अहम माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संसद का शीतकालीन सत्र भी देश की विकास यात्रा में नई ऊर्जा भरेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने लोकतंत्र को जिया है। लोकतंत्र की उमंग और उत्साह को समय-समय पर इस तरह प्रकट किया है कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास और मजबूत होता रहता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मतदान का जो आंकड़ा आया है, वह लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का प्रमाण है। विशेष रूप से माताओं-बहनों की बढ़ती भागीदारी को उन्होंने देश की बदलती सोच और बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल ऐसे हैं जो अपने पराजय भाव को पचा नहीं पाते। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि बिहार के नतीजों के बाद समय के साथ सब संभल जाएंगे, लेकिन हाल की बयानबाजी से यह स्पष्ट है कि पराजय की पीड़ा अभी भी उन्हें विचलित कर रही है। यह दुखद है कि इस निराशा को वे संसद में लेकर आते हैं। उन्होंने बिना किसी दल का नाम लिए कहा कि संसद देश की नीतियों और भविष्य पर केंद्रित होनी चाहिए, न कि किसी राज्य की राजनीति का मंच बने। उन्होंने इस प्रवृत्ति को देश के लिए अस्वस्थ परंपरा करार दिया। मोदी ने कहा कि कुछ समय से संसद या तो चुनावों के लिए वार्म-अप अखाड़ा बन जाती है या फिर चुनावी हार के बाद गुस्सा निकालने का स्थल। यह परंपरा बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "नेगेटिविटी की राजनीति की कुछ उपयोगिता हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अनिवार्य है। आइए, नकारात्मकता को सीमित रखें और अपना ध्यान राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित करें। प्रधानमंत्री ने युवा सांसदों को अधिक अवसर देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संसद में नई पीढ़ी के प्रतिनिधि नए विचारों और ताजगी भरे दृष्टिकोण के साथ आते हैं।

सामान्य परिवार से उपराष्ट्रपति पद तक का सफर लोकतंत्र की असली ताकत : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राज्यसभा में नव-निर्वाचित सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए उन्हें भारतीय लोकतंत्र की सशक्त मिसाल बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामान्य पृष्ठभूमि से राजनीतिक और सामाजिक जीवन के लंबे संघर्षों के बाद उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति और उसकी समान अवसर देने की क्षमता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कहा कि सभापति के रूप में सी.पी. राधाकृष्णन का सदन का नेतृत्व करना सभी सदस्यों के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने कहा, "आपके मार्गदर्शन में देश को प्रगति की राह पर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, निर्णय और आपकी अमूल्य दिशा-ये सब हम सभी के लिए बहुत बड़ा अवसर है। सदन की ओर से और व्यक्तिगत रूप से मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सदन के सभी सदस्य उच्च सदन की गरिमा और सभापति के पद की मर्यादा को सदैव बनाए रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने राधाकृष्णन के सामाजिक और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि वे एक किसान परिवार और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं। समाज सेवा उनके जीवन की मूल भावना रही है और राजनीति उसमें एक पहलू मात्र रही। उन्होंने कहा कि युवावस्था से लेकर आज तक सभापति का समाज के प्रति समर्पण उन सभी के लिए प्रेरणा है जो सेवा कार्यों से जुड़े हैं। मोदी ने कहा, "सामान्य परिवार और समाज से आपकी यात्रा यहां तक पहुंची है। यह हम सभी को मार्गदर्शन देती है और भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत को प्रकट करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राधाकृष्णन ने कभी आसान रास्ता नहीं चुना। आपातकाल के दौरान उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए साहस और दृढ़ता के साथ संघर्ष किया।

सांसदों को जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारी: जेपी नड्डा

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि सभापति राधाकृष्णन ने सत्य को समझा है और जीवन का मार्ग चुनने की कला को अपने जीवन में अपनाया है। नड्डा ने कहा, "मल्लिकार्जुन खरगे साहब कह रहे थे कि आप कांग्रेस के घराने से आते हैं। मैं इसे दूसरे तरीके से देखता हूं। कांग्रेस घराने से आते थे और संघ की शाखा से जुड़े। आपके बड़ों ने तकरीर भी की, ये भी कहा कि ये गैर राष्ट्रवादी हैं, आपका जवाब था कि मैंने उनको देखा-परखा है, साथ काम किया है और वह राष्ट्रवादी हैं और सही राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि सभापति कभी दवाब में नहीं आए। स्वचेतना से आपने अपने जीवन की विचारधारा की राह तय की। सारा जीवन सामाजिक कार्यों में गया। आपका काम करने का तरीका समाज के प्रति समर्पण हमेशा दिखता रहा। भले ही सभापति का अनुभव राजनीतिक क्षेत्र में रहा है, लेकिन वे सदैव सामाजिक मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं। उन्होंने राधाकृष्णन द्वारा निभाई गई भूमिकाओं का उल्लेख किया— दो बार सांसद, अहम कमेटियों में रहे और महाराष्ट्र व झारखंड के राज्यपाल के रूप में सेवा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधाकृष्णन समर्पण के साथ राज्यसभा का नेतृत्व करेंगे। नड्डा ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें संसद का जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारी। इससे पहले सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपराष्ट्रपति एवं नवनियुक्त सभापति राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि सदन की निष्पक्ष एवं सुचारु कार्यवाही में विपक्ष पूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के सदस्यों को समान अवसर मिलना चाहिए। खरगे ने अपने पूर्व सभापति के "अप्रत्याशित और अचानक" इस्तीफे का उल्लेख किया और कहा कि राज्यसभा पूरे सदन की संरक्षक है, यह जितनी सरकार की है उतनी ही विपक्ष की भी है। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। खरगे ने कहा कि उन्हें अफसोस है कि सदन को पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ को विदाई देने का अवसर नहीं मिला। खरगे के इस बयान पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शोरगुल के बीच कहा कि सदन में विपक्ष के नेता का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें इस मौके पर पूर्व सभापति का जिक्र नहीं करना चाहिए था। कांग्रेस ने दो बार उनके खिलाफ पद से हटाने का नोटिस दिया था और उसकी कॉपी भी मौजूद है। उन्होंने उनका अपमान किया और आज इस पवित्र मौके पर सदन को ज्ञान दे रहे हैं। इस पर जेपी नड्डा ने हस्तक्षेप करते हुए इस मुद्दे को अप्रासांगिक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही पूर्व सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले कर आई थी। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदन के बाहर अपना वक्तव्य दिया। बिहार, हरियाण की हार ने कांग्रेस को तकलीफ पहुंचाई है। उस तकलीफ को डॉक्टरों के सामने बोलना चाहिए। फिलहाल सभापति का अभिनंदन चल रहा है तो सभी सदस्य उसी पर केंद्रित रहें तो अच्छा रहेगा। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्राइन, डीएमके के त्रिची शिवा, आरपीआई(ए) के रामदास आठवले सहित सभी दलों के नेताओं ने उनका स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

मसाला बॉन्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री विजयन, पूर्व मंत्री इसाक को ईडी का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) मसाला बॉन्ड से संबंधित मामले में 466 करोड़ रुपये का फेमा नोटिस भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ईडी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के द्वारा जारी 'मसाला बॉन्ड' से जुड़े कथित उल्लंघन के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री टी.एम. थॉमस इसाक और केआईआईएफबी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के.एम. अब्राहम को भी ईडी से नोटिस मिला है। ईडी की ये जांच केआईआईएफबी द्वारा मसाला बॉन्ड के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने और फेमा मानदंडों के अनुपालन से संबंधित है। केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड बड़ी और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राज्य सरकार की प्राथमिक एजेंसी है।

तूफान दित्वा ने बदला रुख, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान दित्वा जो वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर केंद्रित है, पिछले छह घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ गया है। आईएमडी के मुताबिक यह सोमवार सुबह 5:30 बजे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर केंद्रित था। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर बना गहरा दबाव पिछले 6 घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों से चक्रवात दित्वा के अवशेषों के केंद्र की न्यूनतम दूरी करीब 40 किमी है। मौसम संगठन ने भविष्यवाणी की है कि गहरा अवदाब संभवतः उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के समानांतर उत्तर की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा और अगले 12 घंटों में एक अवदाब में कमजोर हो जाएगा। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों से गहरे अवदाब के केंद्र की न्यूनतम दूरी करीब 40 किमी है। इसके अगले 12 घंटों में उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के समानांतर उत्तर की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ने और एक अवदाब में कमजोर होने की संभावना है।

स्कूल पाठ्यक्रम में अभी भी शामिल है डार्विन का विकासवाद का सिद्धांत : प्रधान

एजेंसी। नई दिल्ली

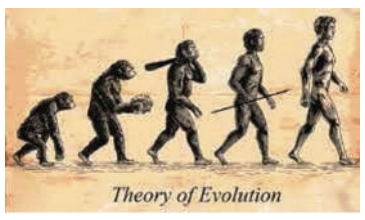

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में स्पष्ट किया कि चार्ल्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को स्कूल के विज्ञान पाठ्यक्रम से हटाया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि विज्ञान में शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया मध्य कक्षाओं से लेकर माध्यमिक स्तर तक एक सतत क्रम है और डार्विन का सिद्धांत स्कूल साइंस करिकुलम का हिस्सा बना हुआ है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने डीएमके सांसद डॉ. कलानिधि वीरास्वामी द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि कोविड-19 और उसके बाद की अवधि में पाठ्यक्रम के बोझ को कम करने के संबंध में विभिन्न पक्षों- जैसे संसदीय स्थायी समिति, सीबीएसई, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों आदि ने सुझाव दिए थे। इन बहु-स्तरीय सुझावों के आधार पर एनसीईआरटी ने छात्रों व शिक्षकों के हित में पाठ्य पुस्तकों का युक्तिकरण किया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया व्यापक विशेषज्ञ परामर्श के बाद अपनाई गई थी और इसका उद्देश्य छात्रों पर अतिरिक्त भार घटाना था। शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार वैज्ञानिक समुदाय, शिक्षाविदों और नागरिक समाज द्वारा उठाई गई चिंताओं से अवगत है।

फुटवियर व्यवसाय के विस्तार से छात्र बनेंगे उद्यमी: राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि वैश्विक बाजार में पैठ मजबूत करने के लिए फुटवियर व्यवसाय का विस्तार जरूरी है, जो सीधे छात्रों के लिए उद्यमिता और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुर्मु ने आज नई दिल्ली में फुटवियर डिजाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा, "आज भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है तथा वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी आर्थिक भूमिका का और अधिक विस्तार करने में सक्षम है। राष्ट्रपति ने बताया कि देश फुटवियर उत्पादन और खपत के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत का फुटवियर निर्यात 250 करोड़ डॉलर से थोड़ा अधिक था जबकि हमारा आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। इस प्रकार भारत का फुटवियर निर्यात आयात से लगभग चार गुना है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में फुटवियर का एक प्रमुख निर्यातक है लेकिन निर्यात को और बढ़ाने के लिए फुटवियर कारोबार का विस्तार करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत हमारे सहयोग के गहराने का एक और आयाम है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समझौता ज्ञापन में टिकाऊ सामग्री और चक्रीय अर्थव्यवस्था की पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया है, जो दोनों देशों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनका काम केवल डिज़ाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के लिए बहुआयामी होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि वे अपने फुटवियर डिजाइन को स्वास्थ्य और आजीविका का माध्यम बनाएं, रोजगार सृजन करें, आर्थिक असमानता को दूर करने में सहायक बनें, भारतीय निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं और गुणवत्ता के बल पर वैश्विक बाजार में भारत का प्रतिनिधित्व करें। इस प्रकार वे 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सीधे तौर पर भागीदार बनेंगे। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत फुटवियर क्षेत्र को 'चैंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है।

वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार का उल्लंघन हो गया

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी आदेश पर आपत्ति जाहिर की हैं, जिसमें सदन में वंदे मातरम और जय हिंद सहित विभिन्न नारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की सलाह दी गई थी। राज्यसभा सांसद चतुर्वेदी ने बताया कि इन नारों परप्रतिबंध लगाना ब्रिटिश काल के शासन जैसा है और उनकी पार्टी मामले पर सचिवालय से जवाब मांगेगी। हमारी पार्टी का मुख्य एजेंडा राज्यसभा सचिवालय और केंद्र से जवाब मांगना है कि वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार और नियमों का उल्लंघन हो गया। यह ब्रिटिश काल की शासन-व्यवस्था जैसा है। राज्यसभा सचिवालय के नोटिस को राष्ट्र-विरोधी बताकर उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वंदे मातरम और जय हिंद हमारे देश और इसके स्वतंत्रता संग्राम के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये नारे लगाना देश प्रेम के कारण है, लेकिन अब वे जो कर रहे हैं, वहां राष्ट्र-विरोधी है। केंद्र को राज्यसभा में जय हिंदी और वंदे मातरम के लिए जारी किया नोटिस वापस लेना चाहिए।

कोलंबो में फंसे भारतीयों को लेकर वायु सेना का विमान पहुंचा तिरुवनंतपुरम

नई दिल्ली। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वा' से हुई तबाही के बाद ऑपरेशन 'सागर बंधु' के तहत भारत की ओर से वायु सेना और नौसेना श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ मिलकर सहायता पहुंचा रही हैं। बाढ़ में फंसे भारतीयों समेत अन्य विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकालकर कोलंबो पहुंचाया गया है। कोलंबो के भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों का आखिरी जत्था लेकर वायु सेना का विमान तिरुवनंतपुरम पहुंचा है। बचाए गए लोगों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर वायु योद्धाओं का अभिवादन किया। कोलंबो के भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों के एक जत्थे को हाई कमिश्नर संझा ने तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना किया। विमान में चढ़ने से

पूर्व यात्रियों ने 'भारत माता की जय' का उद्घोष किया। रविवार की रात 8 बजे तक 300 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को एयरलिफ्ट करके भारत वापस लाया गया। वायु सेना ने श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ मिलकर लैंडस्लाइड से प्रभावित कोटमाले इलाके में बड़े रेस्क्यू और लोगों को निकालने के मिशन चलाए, जो सड़क पर रुकावट की वजह से पूरी तरह से अलग-थलग है। पूरे दिन वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने 45 फंसे हुए लोगों को निकालकर सुरक्षित कोलंबो पहुंचाया, जिनमें 6 गंभीर रूप से घायल लोग और 4 बच्चे शामिल थे।

नई दौड़ और मल्टीपोलर दुनिया में भारत संतुलित व शक्तिशाली खिलाड़ी बना?

एजेंसी। कोलकाता

भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका जो दशकों तक वैश्विक व्यवस्था को चलाता था, अब नई शर्तों पर इंगेजमेंट कर रहा है। ग्लोबलाइजेशन के टूटने से लेकर चीन की मोनोपॉली, एनर्जी जियोपॉलिटिक्स, एफटीए की नई दौड़ और मल्टीपोलर दुनिया में भारत सबसे संतुलित और सबसे शक्तिशाली खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। जयशंकर ने मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल पर कोलकाता में कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका और चीन दोनों ही अन्य देशों के सामने कठिन विकल्प खड़ा करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब नए नियमों और शर्तों के तहत देशों से जुड़ रहा है और एक समय में एक ही देश के साथ डील कर रहा है। दूसरी ओर, चीन हमेशा अपने तय नियमों के तहत काम करता रहा है। अब उसमें और इजाफा ही हुआ है। इस स्थिति ने दुनिया के कई देशों को दुविधा में डाल दिया है। वे समझ नहीं पा रहे कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देना चाहिए या उन सौदों पर, जो इसी प्रतिस्पर्धा की आड़ में खामोशी से आकार ले रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर ने कहा कि ग्लोबलाइजेशन के दबाव, सप्लाई चेन की अस्थिरता और बढ़ते जोखिमों ने देशों को ऐसी रणनीतियां अपनाने पर मजबूर कर दिया है, जिनसे वे हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। यही कारण है कि देश एक ओर अमेरिका और चीन से सीधे संवाद बनाए हुए हैं, तो दूसरी ओर वे एक-दूसरे के साथ भी नए विकल्प और साझेदारियां तलाश रहे हैं। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स को लेकर देशों की बढ़ती दिलचस्पी इसी प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है। जयशंकर ने इसे हेजिंग की नीति बताया।

दिल्ली ही नहीं अब आर्थिक नगरी मुंबई भी प्रदूषण की चपेट में, ग्रैप-4 लागू

एजेंसी। मुंबई

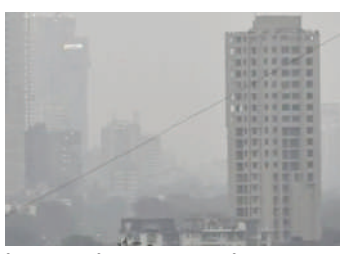

देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या सालों से चली आ रही है, लेकिन मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे अन्य महानगरों में कमोबेश राहत है। अब यह समस्या मुंबई में भी दिखाई देने लगी है। आर्थिक नगरी में प्रदूषण का लेवल बढ़ने और हवा खराब होने के चलते पाबंदियां लगा दी गई हैं। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू की गई हैं ताकि प्रदूषण को कंट्रोल किया जा सके। इस तरह मुंबई भी अब प्रदूषण मामले में दिल्ली की कतार में खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई के कई इलाकों की हवा खराब और अत्यंत खराब की श्रेणी में आ गई है। इन इलाकों में मडगांव, देवनार, मलाड, बोरिवली ईस्ट, चकाला-अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पोवई और मुलुंड शामिल हैं। इसके चलते बीएमसी ने सभी निर्माण कार्यों और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है, जिनसे धूल उड़ती है। इसके अलावा दर्जनों साइट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। करीब 50 निर्माण स्थलों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का पालन ना होने पर उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जा सकता है। यही नहीं बीएमसी ने हर वार्ड में फ्लाइंग स्क्वॉड की भी नियुक्ति की है ताकि धूल पर नियंत्रण किया जाए और प्रदूषण की निगरानी रख सकें। समुद्र किनारे होने और हवा की रफ्तार अमूमन दिल्ली जैसे शहरों के मुकाबले तेज होने के चलते मुंबई में प्रदूषण कम रहा है, लेकिन वहां भी समस्या बढ़ने से चिंताएं पैदा हुई हैं। इन पाबंदियों को लागू करने के बाद भी मुंबई का एक्यूआई 187 है, जो अनहेल्दी कैटिगरी में आता है। वहीं बेंगलुरु का एक्यूआई 118 है और कोलकाता में तो यह काफी ज्यादा बढ़कर 236 पर पहुंच गया है। बता दें दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले 10 शहरों में तीन शहर भारत के हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

खिजरी विधानसभा में 4 को आयोजित होगा कांग्रेस का बीएलए सम्मेलन

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन सृजन के तहत बूथ लेवल पर प्रतिनिधियों की नियुक्ति जारी है। 15 दिसंबर तक सभी बूथों पर बीएलए की नियुक्ति करने का निर्देश जिला अध्यक्षों को दिया गया है।

उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने सोमवार को बताया कि संगठन सृजन के तहत प्रखंड पंचायत स्तर पर संगठन प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि बीएलए की नियुक्ति अभियान के तहत खिजरी विधानसभा के अंतर्गत पड़ने वाले अनगड़ा के 16 पंचायत, नामकुम के 22 पंचायत, नगड़ी के तीन पंचायतों के 630 पंचायत पदाधिकारी और बीएलए का सम्मेलन नामकुम प्रखंड के रामपुर पंचायत के लपंगटोली में 4 दिसंबर को आयोजित किया गया है।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और सह प्रभारी सीरीबेला प्रसाद उपस्थित रहेंगे।

कार–ट्रक में टक्कर ,दो घायल

बोकारो। पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेड़ानी मोड़ के पास सोमवार को एक कार और ट्रक की भीषण टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पिंड्राजोरा पुलिस ने दोनों घायलों को सदर अस्पताल, बोकारो में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है।

दुर्घटना में जमशेदपुर सोनारी निवासी कार सवार संजीव दत्ता (52) का हाथ टूट गया, जबकि शिव कुमार पांडेय (47) का पैर टूट गया है। दोनों बोकारो से अपनी कार (जेएच05 सीक्यू 0109) से जमशेदपुर जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बेड़ानी मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह धंस गया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को अपनी निगरानी में ले लिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है।

सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण पर कई दल फैला रहे भ्रम : कर्मकार

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहन कर्मकार ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण मुक्त शहर अभियान को लेकर कुछ राजनीतिक दल बिना तथ्यों को समझे भ्रम फैलाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से चलाया जा रहा अभियान पूरी तरह से उच्च न्यायालय के आदेश पर आधारित है और इसमें सरकार या मुख्यमंत्री की ओर से किसी भी प्रकार की मनमानी नहीं की गई है। ये बाते कर्मकार ने साकची स्थित पार्टी के जिला संपर्क कार्यालय में सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कही। मोहन कर्मकार ने पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगाए गए आरोपों को गैरजिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि झामुमो ने ही भुईयां को तीन बार विधायक और दो बार कैबिनेट मंत्री बनाया, लेकिन वे उसी पार्टी और उसके नेतृत्व पर अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को गलत ठहराने का यह प्रयास सिर्फ राजनीतिक हताशा का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने के दौरान कई बस्तीवासियों के घरों और दुकानों पर कार्रवाई जरूर हुई है, लेकिन इसके बदले उनके लिए पुनर्वास और आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता रही है। पीएम आवास योजना बंद होने के बाद राज्य सरकार की ओर से शुरू की गई आबुआ आवास योजना पर झूठ फैलाना सरासर जनता को गुमराह करने जैसा है।

डीपीएस चास बना जम्प रोप का ओवरऑल चैंपियन, 63 पदकों पर किया कब्जा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीपीएस चास में आयोजित प्रथम बोकारो जिला अंतर-विद्यालयी जम्प रोप/रोप स्किपिंग चैंपियनशिप 2025 युवा प्रतिभा और खेल उत्कृष्टता का एक शानदार उत्सव बन गया। इस रोमांचक चैंपियनशिप में डीपीएस चास को सर्वश्रेष्ठ घोषित करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब दिया गया।

डीपीएस चास के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट टीम भावना और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए 20 स्वर्ण, 24 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 63 पदक जीतकर प्रथम स्थान पर अपना दबदबा कायम किया।

चैंपियनशिप में डीएवी सेक्टर-4 ने दूसरा और डीएवी इस्पात विद्यालय, सेक्टर 9 ई ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में डीएवी सेक्टर-4, डीएवी सेक्टर-9ई, आदर्श विद्या मंदिर चास, बोकारो पब्लिक स्कूल, एमजीएम बोकारो, जीजीपीएस बोकारो, केवीएस चंद्रपुरा, केवीएस नंबर 3 बोकारो और केवीएस बीटीपीएस के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय वॉलीबॉल टीम 2023 के मुख्य प्रशिक्षक और ओलंपिक शिक्षक डॉ. जयदीप सरकार थे। कार्यक्रम में बोकारो जिला रोप स्किपिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय भारती (अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर) और झारखंड जंप रोप एसोसिएशन के तकनीकी निदेशक समीर सिंह भी उपस्थित थे। डीपीएस चास की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, यह चैंपियनशिप एकाग्रता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का उत्सव है। रस्सी कूदना भले ही सरल लगे, लेकिन यह ताकत, सहनशक्ति और आत्मविश्वास का निर्माण करता है। कार्यक्रम को मुख्य प्रशिक्षक डॉ. जयदीप सरकार ने भी संबोधित किया। **डीपीएस चास के प्रमुख विजेता**–डीपीएस, चास के विजेताओं में शिवांशी, कुमारी आकृति, वंशिका सुमन, नायरा कश्यप, कृतिका यादव, अनिमेष बाउरी, मुबारक अंसारी, रिषु, टियारा, अनुश्री जेना, कनिष्का सिंह, जोया सिद्दीकी, अमन, कौशलेंद्र, रमण सिंह, स्वतंत्र, रेहान सिद्दीकी, अमिनेष, प्रशांत, मो. शाद, श्वेता, रायना ठाकुर, प्रियदर्शनी, कायरा अग्रवाल, परी कुमारी, आदित्य प्रताप सिंह, आरोही, सोनी, कृदय, प्रिंस, निश्चल दुबे, विंध्याचल, आसना सरोज, अन्निका, रणवीर गोस्वामी, आकृति एवं श्रद्धा के नाम शामिल हैं।

विश्व एड्स दिवस पर स्वास्थ्य विभाग और मंथन संस्था द्वारा किया गया जागरुकता कार्यक्रम।

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः विश्व एड्स दिवस पर पुराना सदर अस्पताल के प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग व मंथन संस्था की ओर से सोमबार को जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे आईसीटीसी के बसंत महतो ने बताया कि एड्स कोई छुआछूत बीमारी नहीं है। एक साथ खाने-पीने या एक-दूसरे का कपड़े पहने से या एक ही शौचालय का उपयोग करने से किसी को एड्स नहीं होता है। यह असुरक्षित यौन संबंध बनाने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को होता है।

यह बीमारी एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के रक्त का प्रयोग करने, एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने, एचआईवी सुई का प्रयोग करने से एड्स होने की संभावना रहती है। मौके पर आईसीटीसी लैब टेक्नीशियन श्वेतांबर सिंहा, एआरटी से सपना कुमारी मंथन के प्रोग्राम मैनेजर अपूर्व महतो, नवीन कुमार, सुमन कुमारी, नाहिद परवीन, आदि मौजूद थे।

कायो आशिकान कराटे डो नीमडीह के छात्र ने दो गोल्ड व तीन ब्रॉन्ज मेडल जीता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : झारखंड शोरेन रियो कराटे डो एसोसिएशन द्वारा जमशेदपुर में आयोजित 6 ठा नेशनल शोरेन रियो ओपन कराटे चैम्पियनशिप 2025 में सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत नीमडीह प्रखंड के तीन छात्रों ने 5 मेडल जीता। प्रतियोगिता में ओड़िशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं झारखंड के कुल 100 प्रतिभागी शामिल हुए। नीमडीह प्रखंड के मुरू गांव निवासी प्रदीप कुमार महतो ने काता एवं कुमिते में एक - एक गोल्ड, रघुनाथपुर निवासी अभिषेक पाल ने काता व कुमिते में एक - एक ब्रॉन्ज तथा सीमा गांव निवासी सुमन प्रमाणिक ने काता में एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। कायो आशिकान कराटे डो के निदेशक शिहान गोपाल कृष्ण बनर्जी के नेतृत्व में एवं नीमडीह के सह मुख्य प्रशिक्षक सेंसाईं पशुपति महतो के देखरेख में छात्र प्रतियोगिता में शामिल हुए।

मौके पर चीफ एंड डाइरेक्टर गोपाल कृष्ण बनर्जी ने कहा कि मार्शल आर्ट शारीरिक शिक्षा का एक अध्याय है। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट के माध्यम से कराटे एक व्यापक प्रशिक्षण व्यवस्था प्रदान करता है जो शरीर के लचीलेपन, मानसिक शक्ति, संतुलन और ध्यान को लक्षित करता है। मीना बनर्जी ने कहा कि वर्तमान समय में कुछ मानव के मन में दानव की सोच होता है और बेटी बहनों के साथ गलत हरकत करने का प्रयास करता है। इसलिए विशेष रूप से बेटियों को आत्मारक्षा हेतु कराटे का प्रशिक्षण लेना अति आवश्यक है। नीमडीह इकाई के असिस्टेंट चीफ इंस्ट्रक्टर सैकेंड डॉन ब्लैक बेल्ट पशुपति महतो ने कहा कि बेटियों को निजी सुरक्षा बहुत जरूरी है, इसके लिए मार्शल आर्ट जैसे कराटे, कुंफु आदि सीखना आवश्यक है। निजी सुरक्षा हेतु बेटियों को तन मन से सशक्त बनाने के लिए यह महाभियान शुरू किया गया।

रजरप्पा स्थित पठवा हनुमान मंदिर के 40वें स्थापना दिवस पर भक्ति जागरण का आयोजन

» भक्ति गीतों पर देर रात तक झूमने पर विवश हुए लोग, विधायक ममता देवी हुई शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रजरप्पा। सीसीएल रजरप्पा कोयलांचल के आवासीय कॉलोनी स्थित श्रीश्री पठवा हनुमान मंदिर का 40वां स्थापना दिवस शनिवार को काफी धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शाम में अटूट भंडारा और रात्रि में भक्ति जागरण का भी आयोजन हुआ। भंडारा में आवासीय कॉलोनी सहित आसपास क्षेत्र से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने खीर-पूड़ी, सब्जी, खिचड़ी बुंदिया आदि प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। जबकि बाहर से आए जागरण मंडली के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत और आकर्षक झांकी प्रस्तुत कर देर रात तक लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक ममता देवी शामिल हुई। विधायक ने सभी भक्तों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रार्थना की कि हनुमान जी सभी भक्तों पर अपनी कृपा एवं आशीर्वाद बनाए रखें। इससे पूर्व पठवा हनुमान मंदिर के अध्यक्ष एवं सेवई उत्तरी पंचायत के मुखिया कुलदीप सिंह ने स्मृति चिह्न देकर विधायक का स्वागत किया। इस अवसर पर रजरप्पा जीएम राजीव सिंह, हजारीबाग जीएम कल्याणजी प्रसाद, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, सांसद प्रतिनिधि धनंजय पुटुश, मुखिया किरण कुमारी, अधिवक्ता डॉ. राजेंद्र कुमार, चंद्रशेखर पटवा, चंदेश्वर सिंह, राजेंद्रनाथ चौधरी, दीपक सिंह, मंदिर के संरक्षक उमेश महतो, विजय ठाकुर, नवीन कुमार, टीके महादानी, प्रकाश यादव, सुनील कुमार, अमित कुमार तांती, बबलू सिंह, पांथो नंदी, तारा प्रसाद, मेनन चौधरी, महेंद्र मिस्त्री, सुरेश राम, नकुल महतो, गौरीशंकर महतो, माणिक पटेल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

नारी शक्ति को समर्पित मनोज कुमार शर्मा की चर्चित पुस्तक से बनी हिंदी फिल्म 'मी नो पाउज़ मी प्ले'

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : मनोज कुमार शर्मा द्वारा लिखित एवं निर्मित 'मी नो पाउज मी प्ले' हिंदी सिनेमा नारी शक्ति को समर्पित है। यदि किसी भी नारी में दृढ़ संकल्प, इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास है तो वे मौत को भी पराजित कर सकता है और सफलता के मंजिल तक पहुंच सकता है। दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति मानव जीवन की दो महत्वपूर्ण गुण है। बिना इनके इंसान चाहें जितनी भी कोशिश कर लें, सफलता प्राप्त नहीं कर सकते है। विश्व के महान दार्शनिक प्लेटो ने अपने एक पुस्तक में लिखा है कि जीवन में सफलता के लिए आत्मविश्वास बहुत आवश्यक है।

यह आत्मविश्वास केवल दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति से प्राप्त होती है। यदि किसी भी महिला एवं पुरुष के पास ये दोनों गुण है तो अपने लक्ष्य के रूप में जो भी तय किया है तो उस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास ही जीवन एवं कार्यों में सफलता के लिए इंसान को आवश्यक मजबूती प्रदान करता है। केवल इतना ही नहीं बल्कि अपने सामने आने वाली प्रत्येक बाधाओं पर काबू पाने के लिए अपने आत्मविश्वास को महसूस करते है। यदि पर्याप्त इच्छा शक्ति है तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

'मी नो पाउज मी प्ले' हिंदी सिनेमा में महिलाओं की दृढ़ संकल्प से मृत्यु को पराजित कर मिनी मैराथन में सफल होने की कहानी को प्रस्तुत किया गया है। सिनेमा मेंनिर्माता मनोज कुमार शर्मा ने एक सफल व्यापारी रजत खन्ना का किरदार निभाया है। हिंदी सिने जगत की मशहूर अभिनेत्री काव्या पंजाबी ने डोली एवं दीपशिखा नागपाल ने डॉ. जशमोना के चरित्र में दमदार अभिनय किया। काव्या पंजाबी (डोली) को मनोपोज बीमारी होती है।

जिसके कारण वे पैरालाज भी हो जाती है। जिस अस्पताल में डोली का इलाज चल रहा था इत्तेफाक से उस अस्पताल में दीपशिखा नागपाल (डॉ. जशमोना) एम डी बनकर आती है। डॉ. जशमोना रजत खन्ना की पुरानी प्रेमिका रही और उनके लिए वे चिर कुंवारी रही। रजत खन्ना ने जशमोना का शादी भंग कर दिया था। जिसके बाद दोनों की दूरियां बढ़ गई थी। कहते है न सच्चा प्यार अमर होता है। रजत के साथ दिल की दूरी को भूलकर डॉ. जशमोना ने डोली को सभी तरह से सहायता कर रोग मुक्त किया और मुंबई का मिनी मेराथन मी नो पाउज मी प्ले में प्रथम स्थान दिलाने में मिसाल प्रस्तुत किया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ः सोमवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी सिदार्थ शंकर चौधरी के द्वारा उपायुक्त एवं समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी देने के क्रम में बताया गया की पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 24880 छात्र-छात्राओं ने ई कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण किया है वहीं आईएनओ द्वारा 23984 छात्र-छात्राओं के आवेदनों को सत्यापित किया गया है पूर्व में 4676 बच्चों को छात्रवृत्ति हेतु अनुमोदन दिया जा चुका है। वर्तमान में पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत अध्यनरत 15505 विद्यार्थियों को अनुमोदन दिया जाना है।वही राज्य के बाहर अध्यनरत 63 छात्र-छात्राओं को अनुमोदन दिया जाना है। बैठक के दौरान उपायुक्त ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ देने हेतु आवेदनों को स्वीकृति देने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, जिला कोषागार पदाधिकारी, एडीईओ मनीष चहार, सहित अन्य उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा वाहन जांच में 19 गाड़ी जप्त कर27500 का जुर्माना वसूला गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : जिला के परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान जिरवावाडी थाना समीप किया गया जिसमें सभी छोटे बड़े वाहनोंऔर ई रिक्शा का जांच किया गया विशेष कर सड़क सुरक्षा को लेकर अभियान चलाया गया एवं ऐसे वाहन चालक जो बिना हेलमेट, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस जैसे चालकों को मोटर वाहन अधिनियम के तहत जुर्माना किया गया। साथ ही सभी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा मानक को अपनाकर एवं ओवर स्पीडिंग ना कर यातायात करने को कहा गया। जिसमें 40 को वाहनों का जांच किया गया जिसमें कुल 19 वाहनो का मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया गया। जिसमें कुल वाहनों से 27500/– रुपए का जुर्माना वसूला गया। मौके पर मौजूद जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, एवं पुलिस बल भी शामिल थे।

"Voice of the Nation" पुस्तक का भव्य विमोचन, लोकतंत्र पर गंभीर सवाल उठाती है सामग्री

राष्ट्रीय मुख्यधारा

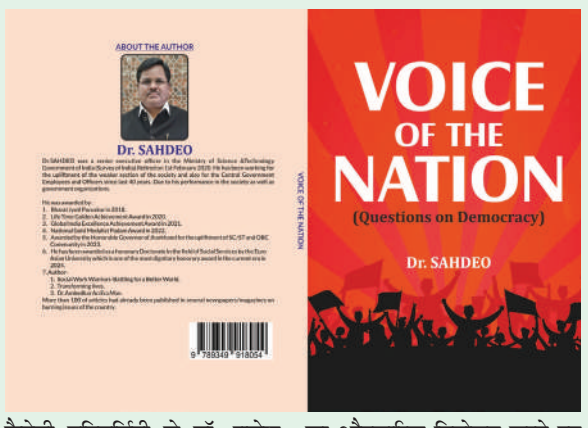

रांची। डॉ. सहदेव द्वारा लिखित चर्चित पुस्तक "Voice of the Nation (राष्ट्र की आवाज)" का विमोचन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवी मुंबई स्थित अरोली स्पोर्ट्स एसोसिएशन के क्लब हॉल में संपन्न हुआ। यह उनकी चौथी पुस्तक है, जिसे देशभर में राजनीतिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक विमर्श के नए आयाम के रूप में देखा जा रहा है।

विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल डॉ. श्रीपाल, मुंबई के अपर पुलिस महानिदेशक क्वाशिर खालिद, ग्लोबल यूनिवर्सिटी यूएसए के प्रतिनिधि डॉ. राजेश सिंह, कैनेडी यूनिवर्सिटी से डॉ. राजेश सोनार तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े डॉ. प्रदीप जगताप शामिल हुए। सभी अतिथियों ने पुस्तकरण का औपचारिक विमोचन करते हुए लेखक के प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान लेखक डॉ. सहदेव ने कहा कि यह पुस्तक अपने आप में अनोखी है, क्योंकि इसमें पहली बार लोकतंत्र को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर स्पष्ट और साहसिक रूप से सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तक में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, असमानता, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिक तनाव, मतदाताओं को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रलोभन, ईवीएम पर उठते सवाल और अंधविश्वास जैसे विषयों को गंभीरता से उठाया गया है।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक देश के युवाओं की सोच को बदलने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका मानना है कि राष्ट्र तभी मजबूत होगा जब नागरिक जागरूक होंगे और प्रणाली की खामियों पर सवाल उठाएंगे।

कार्यक्रम का समापन अतिथियों के विचार-विमर्श और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पुस्तक विमोचन के बाद इसे बौद्धिक और सामाजिक वर्गों में विशेष रुचि से देखा जा रहा है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

कसमार : उत्पाद विभाग की छापेमारी में अवैध शराब बरामद

कसमार (बोकारो) : राज्य मुख्यालय रांची के अधीक्षक, उत्पाद ईआइबी, रांची के नेतृत्व में सोमवार को बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी की गयी। इस क्रम में टीम ने कंपोजिट शराब दुकान बहादुरपुर, कसमार रोड कसमार एवं खैराचात्तर में औचक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित दुकानों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उत्पाद अधीक्षक, ईआइबी रांची के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद विभाग की टीम ने इसके बाद पिरगुल और सिंहपुर में भी प्राप्त शिकायतों के आधार पर छापामारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान पिरगुल में किसी भी प्रकार की अवैध शराब नहीं मिली, वहीं सिंहपुर में एक किराना दुकान और उससे सटे घर में छापामारी करने पर विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब बरामद की गई। इस दौरान स्टर्लिंग बी सेवन ब्रांड के 9 बोतल,

मैकडॉवेल नम्बर वन ब्रांड के 9 बोतल, रॉयल स्टैग ब्रांड के 13 बोतल एवं गॉडफादर बीयर की एक केन बरामद की गयी है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद विदेशी शराब पर लगे होलोग्राम प्रथम दृष्ट्या नकली या अवैध प्रतीत हो रहे हैं। इसे देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। छापामारी के दौरान किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जिला उत्पाद विभाग को संबंधित आरोपी के खिलाफ अभियोग दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।

बोकारो थर्मल में रेलवे की जमीन पर चहारदीवारी निर्माण का काम तेज

बोकारो थर्मल : धनबाद रेल मंडल अंतर्गत बोकारो थर्मल क्षेत्र में रेलवे की जमीन को सुरक्षित करने का काम द्रुत गति से जारी है। डीआरएम धनबाद के निर्देश पर कोनार नदी छठ घाट के समीप से दावत रेस्टोरेंट होकर रेलवे स्टेशन होते हुए बिरसा नगर, सुभाष नगर कॉलोनी तक चहारदीवारी का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

कोनार नदी छठ घाट से बोकारो थर्मल पंच मंदिर के समीप रोड तक कार्य पूरा कर लिया गया है। निर्माण कार्य में संवेदक ने चार स्थानों पर घर बनाकर रहने वाले लोगों के आवागमन के लिए रास्ता छोड़ने का काम किया है।

सैकड़ों परिवारों पर संकट-सूत्रों का कहना है कि रेलवे चहारदीवारी का निर्माण कार्य पूरा कर लेने के बाद चहारदीवारी के अंदर रहने वाले लोगों से जमीन को खाली करवाने का कार्य आरंभ करेगा।

विदित हो कि बोकारो थर्मल में छठ घाट के समीप से सुभाष नगर तक रेलवे की जमीन पर सैकड़ों की संख्या में लोग वर्षों से घर बनाकर परिवार एवं बच्चों के साथ निवास कर रहें हैं। रेलवे प्रबंधन द्वारा ऐसा किया गया तो ऐसे सैकड़ों परिवारों को काफी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। रेलवे द्वारा यह कार्य अपनी भूमि को अतिक्रमण से बचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बोकारो एयरपोर्ट का किया निरीक्षण, दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

बोकारो : सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने सोमवार शाम बोकारो एयरपोर्ट का निरीक्षण कर एयरपोर्ट परिसर की तैयारियों, सुरक्षा प्रबंधों एवं स्वच्छता व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्काल उठाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने एयरपोर्ट परिसर में हाई मास्क लाइट के क्रय एवं शीघ्र अधिष्ठापन का निर्देश देते हुए कहा कि बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभागों को इस कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं करने की चेतावनी दी।

उन्होंने परिसर के अंदर एवं आसपास की झाड़ियों की समयबद्ध साफ-सफाई सुनिश्चित करने के भी स्पष्ट निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र की स्वच्छता, दृश्यता और सुरक्षा मानकों को उच्च स्तर पर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इस संबंध में उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) तथा बीएसएल प्रबंधन को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सिविल सर्जन डॉ ए बी प्रसाद, डीडीएमओ शक्ति कुमार, सीजीएम उन्नयन बीएसएल तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बोकारो प्रतिनिधि मौजूद थे।

उपायुक्त ने कहा कि बोकारो एयरपोर्ट को उत्कृष्ट सुविधाओं एवं सुरक्षित वातावरण के साथ विकसित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीसरी पुण्यतिथि पर बोकारो ने याद किया समरेश सिंह की राजनीति का स्वर्णिम अध्याय

विधायक श्वेता सिंह ने किया नमन, कहा- कमल निशान पर समरेश सिंह की अमिट छाप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो की राजनीति के निर्विवाद हस्ताक्षर समरेश सिंह, जिन्हें लोग स्नेह और सम्मान के साथ दादा कहकर पुकारते थे, उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि बोकारो की राजनीति का इतिहास जब-जब लिखा जाएगा, दादा का नाम एक स्वर्णिम अध्याय बनकर उभरेगा। उन्होंने लगभग चार से साढ़े चार दशक तक बोकारो की सियासत को अपने इर्द-गिर्द घुमाए रखा। तेज-तर्रार स्वभाव, स्पष्टवादिता और राजनीतिक साहस उनकी पहचान थे।

भाजपा के कमल पर दादा की अमिट छाप-विधायक ने समरेश सिंह के राजनीतिक प्रभाव का एक महत्वपूर्ण पहलू उजागर किया। उन्होंने कहा- 1977 में जब उन्होंने निर्दलीय के रूप में बोकारो विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा, तब चुनाव चिन्ह के रूप में उन्हें कमल मिला। उस दौर में भाजपा अस्तित्व में नहीं थी, लेकिन समरेश सिंह ने प्रचार के दौरान कमल को माँ लक्ष्मी और समृद्धि का प्रतीक बताकर व्यापक जनसमर्थन हासिल किया और पहली ही कोशिश में विधानसभा पहुंच गए।

वर्ष 1980 में मुंबई में आयोजित भाजपा के प्रथम अधिवेशन में उन्होंने ही कमल को पार्टी का चुनाव चिन्ह बनाने का सुझाव तत्कालीन शीर्ष नेता अटल बिहारी वाजपेयी को दिया था। राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने इस सुझाव का समर्थन किया और इसके बाद कमल भाजपा का स्थायी चुनाव चिन्ह बन गया।

पुराने भाजपा नेता आज भी मानते हैं कि कमल को चुनाव चिन्ह दिलाने में समरेश दादा की भूमिका निर्णायक रही थी।

निर्भीकता के साथ बने रहे जनता के ढाल-श्रीमती सिंह ने कहा- समरेश सिंह राजनीति में सिर्फ जीते नहीं, बल्कि लड़े, बोले और डटे रहे। उनकी बात चुभती भी थी और गूंजती भी थी। समर्थक उन्हें निर्भीक नेता कहते थे, और विरोधी भी उनके नेतृत्व व जनाधार को नकार नहीं पाते थे। 1980 के चुनाव में हार के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 1985 तथा 1990 में भाजपा के टिकट पर पुनः जीत हासिल की।

उनकी लोकप्रियता किसी दल से नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व से पैदा हुई थी। विधायक ने कहा, वह चाहे सत्ता में रहे हों या विपक्ष में, उनकी आवाज हमेशा जनता की रही। उन्हें मंत्री पद से अधिक अपने आत्मसम्मान और जनता के समर्थन पर भरोसा था। वह अपने समर्थकों के लिए एक ढाल की तरह खड़े रहते थे।

उन्होंने कहा- आज उनकी तीसरी पुण्यतिथि है। समय बीता है, पर उनकी स्मृति नहीं। बोकारो की जनता जब भी अपनी राजनीतिक यात्रा को याद करती है, दादा की मौजूदगी, संघर्ष और निर्भीकता का अध्याय अब भी सबसे चमकदार दिखाई देता है। दादा अमर हैं और बोकारो की राजनीति में उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित-बोकारो के पूर्व विधायक व राज्य सरकार के पूर्व मंत्री स्वर्गीय समरेश सिंह की याद में आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमाकांत रजक, बीडी मिश्रा, बी.सी. झा, मंटू यादव, बी.के. चौधरी, बी.डी. सिंह, मृत्युंजय शर्मा, जवाहर लाल महत्ता, मनीष कुमार सिंह, पवन झा, विश्वजीत सिंह, कुंज बिहारी पाठक, अशोक माहथा, रंजीत राय, मानिक राय, अशोक मिश्रा, ललन सिंह, विनायक चौबे, सौरव, शक्ति पद महता, अरुण सिंह, सज्जन अग्रवाल, आर डी उपाध्याय, एल के सिंह, आर एन मिश्रा, बिनोद घोषाल, नेहा यादव, ममता कुमारी, शिबू गोप, जोगेश्वर महतो, जयदेव दुबे, उत्तम गोप, राजेश महतो, अमित तिवारी, पूनम कुमारी, शम्भु डे, निरंजन मिश्रा, मयंक सिंह, सुजीत, राहुल चटर्जी, लालू सिंह कुशवाहा, शम्भू, विद्यासागर, मृगेंद्र प्रताप, अवधेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

बोकारो में दंपती की निर्मम हत्या, इलाके में दहशत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। जिले के हरला थाना क्षेत्र स्थित जोशी कॉलोनी में रविवार की देर रात एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां 65 वर्षीय महावीर साव और उनकी पत्नी 60 वर्षीय कौशल्या देवी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस वारदात से पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक दंपती मूल रूप से चिदरी, चतरोचट्टी के निवासी थे और वर्षों से गेट नंबर तीन, सेक्टर-9 जोशी कॉलोनी में रहकर राशन तथा चाय–पकौड़ी की दुकान चलाते थे।

सोमवार सुबह जब नियमित ग्राहक नाश्ता करने पहुंचे, तो दुकान बंद मिली। कई बार आवाज देने के बावजूद अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद दरवाजा धकेलकर खोला गया, जहां सामने खून से सना दिल दहला देने वाला दृश्य था। महावीर साव का शव जमीन पर पड़ा था, जबकि उनकी पत्नी का गला रेत दिया गया था।

घटना की सूचना मिलते ही हरला थाना पुलिस, सिटी डीएसपी आलोक रंजन, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि मामला गंभीर है और सभी एंगल से जांच की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही अपराधियों की पहचान कर मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

इस घटना से स्थानीय लोग दहशत में हैं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

धूमधाम से मना मां सरस्वती विद्या मंदिर का स्थापना दिवस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : वर्ष 1987 से तुपकाडीह में शिक्षा का अलख जगाने वाले मां सरस्वती विद्या मंदिर का 39वां स्थापना दिवस स्कूल के प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि मुखिया शांति देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। बाद में विद्यार्थियों ने कई आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबों की खूब वाहवाही बटोरी। इस दौरान नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे नशा मुक्ति, दहेज उत्पीड़न और सड़क दुर्घटना आदि की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि शांति देवी ने इस अवसर पर कहा कि एक दिव्यांग व्यक्ति ने 39 साल से

स्कूल चलाकर यह दिखा दिया कि हौसले बुलंद हों तो इंसान क्या नहीं कर सकता। प्राचार्य कामदेव महतो ने अपने संघर्ष की कहानी साझा करते हुए बताया कि जब कुछेक बच्चों को लेकर स्कूल की शुरुआत की गई थी, तब उन्हें कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। आज इस स्कूल से पढ़कर निकले कई विद्यार्थी अच्छे पदों पर हैं। अच्छी कला प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों और टीम को मेडल, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर राजेंद्र पांडेय, मनोज अग्रवाल, फुलेश्वर महतो, बीके सिंह, दीपक चौबे, नरेश कुमार, सागर, सुनील, बिनती कुमारी आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं व अभिभावक मौजूद रहे।

डीएवी सेक्टर-4 में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, नन्हें प्रतिभाओं ने बिखेरी रचनात्मकता की चमक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 में सोमवार को नर्सरी से कक्षा 2 तक के बच्चों के लिए रंगारंग फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और उल्लास के बीच किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य नन्हे बच्चों में आत्मविश्वास, सृजनशीलता एवं मंच अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों—कुंदन कुमार (सीजीएम, टीए डिपार्टमेंट बीएसएल), शक्ति कुमार (डीडीएमओ, बोकारो), बीएस जायसवाल (वाइस चेयरमैन, एलएमसी), अनुपाल सागर (प्रिंसिपल डीएवी इस्पात 8/बी) और ब्रह्मदेव जी (एलएमसी सदस्य)—द्वारा दीप प्रज्वलन और डीएवी गीत के साथ हुई। विद्यालय के प्राचार्य ने पुष्पगुच्छ, शॉल और मोमेंटो भेंट कर सभी अतिथियों का स्वागत किया।

करीब 400 बच्चों ने विभिन्न आकर्षक वेशभूषाओं में मंच पर अपनी प्रस्तुति दी। किसी ने स्वतंत्रता सेनानी का रूप धरा, तो किसी ने फल-सब्जी, पशु-पक्षी, कार्टून कैरेक्टर, अंतरिक्ष थीम, पौराणिक पात्र और पारंपरिक भारतीय परिधानों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बच्चों की भाव-भंगिमा, अभिनय और रंग-बिरंगे परिधानों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका सेहर बानो (प्रिंसिपल, लाइंस नर्सरी स्कूल), मानसी (प्रिंसिपल, रोटरी प्ले स्कूल) और मधुलिका (प्रिंसिपल, किरण प्ले ग्रुप) ने निभाई।

विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और कम उम्र में ही उन्हें आत्मविश्वास के साथ बोलने और प्रस्तुत होने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम का समापन विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने और सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर किया गया।

अभिभावक और शिक्षक आयोजन की सफलता पर उत्साहित नजर आए।

केंद्रीय विद्यालय बोकारो थर्मल में विश्व एड्स दिवस पर हुआ जागरुकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित केंद्रीय विद्यालय में सोमवार को विश्व एड्स दिवस स्कूली शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा सारगर्भित एवं जागरूकतापूर्ण तरीके से मनाया गया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बीआर डे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने विद्यार्थियों से सुरक्षित व्यवहार अपनाने, अफवाहों से दूर रहने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका सोनिया कर्ण ने छात्रों को एचआईवी/एड्स के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दीं। उन्होंने बताया कि जागरूकता, संवेदनशीलता और वैज्ञानिक जानकारी ही इस बीमारी से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार है।

कार्यक्रम का संचालन मो. इमरान ने किया। शिक्षिका विभा रानी श्रीवास्तव द्वारा सभी को शपथ दिलाई गई, जिसमें छात्रों ने एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने एवं भेदभाव न करने की शपथ ली। जागरूकता को लेकर प्राचार्य के नेतृत्व में स्कूली बच्चों ने रैली भी निकाली।

विभिन्न गतिविधियों में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का निर्देशन शशि भूषण पटेल ने किया, जबकि कक्षा पांचवी की छात्रा जानवी कुमारी ने काव्य पाठ प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। कार्यक्रम में प्रभात कुमार, राकेश पाठक एवं समस्त शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सेवानिवृत्त शिक्षक पंकज कुमार जायसवाल को दी गई सम्मान के साथ विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के पिरगुल स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को प्रधानाध्यापक पंकज कुमार जायसवाल के सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो एवं अन्य अतिथियों ने पंकज जायसवाल को बुके और उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ लंबोदर ने कहा कि एक शिक्षक केवल शिक्षा दान ही नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास और भविष्य का बीज बोता है। पंकज जायसवाल ने अपने कार्यकाल में जिस समर्पण और ईमानदारी से सेवा दी, वह आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेगी। अन्य अतिथियों ने भी उनके शिक्षण कार्यों, सरल व्यवहार और सामाजिक योगदान की सराहना की तथा उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह का सबसे भावुक पल तब देखने को मिला जब शिक्षक पंकज जायसवाल के विद्यालय पहुँचते ही गाजा–बाजा, पटाखों और नारेबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में डॉ जीतलाल महतो, अंबिका पब्लिक स्कूल जैनामोड़ के निदेशक दिनेश कुमार सिंह, सीआरपी राजाराम महतो, मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो, पंसस प्रतिनिधि वीरेंद्र मुंडा, सीताराम महतो, सुभाष कालिंदी, प्रेमा कुमारी, नीतू देवी, रूपा देवी, भुवनेश्वर महतो, चंद्रकला देवी, पूर्णिमा देवी, सुनीता जायसवाल, तुषार जायसवाल, नेहा प्रिया, सत्यम जायसवाल, उषा जायसवाल, शताक्षी प्रिया समेत अन्य कई शिक्षक मौजूद थे।

स्वदेशी संकल्प से ही आत्मनिर्भर बनेगा भारत : कुमार अमित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने कार्यकर्ताओं के साथ मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने सिटी सेंटर स्थित हर्षवर्धन प्लाजा में अनेक दुकानदारों को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलवाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने अनेक दुकानदारों से पार्टी के स्वदेशी संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर करवाया।

इस अवसर पर कुमार अमित ने दुकानदारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की अर्थव्यवस्था तीव्र गति से बढ़ रही है। उन्होंने जोर दिया कि अगर समाज स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे, तो देश शीघ्र ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ विश्व के विकसित राष्ट्र बन सकता है।

उन्होंने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रति प्रेरित और

प्रोत्साहित करें, जिससे लोगों में स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग का चलन बढ़ेगा और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों को पार्टी के आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए मोदी सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों से होने वाले फायदे की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर भाजपा बोकारो नगर मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती ममता गोस्वामी, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष अशोक कुमार, युवा मोर्चा महामंत्री लालबाबू, मिथिलेश कुमार, अरूण सिंह, विकास सिंह, विपुल सिंह, गुंजन दास, रमेश गुप्ता, शशि प्रकाश आदि के अलावा अनेक दुकानदार और ग्राहक भी मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

सब स्टेशन कर्मियों को बंधक बना 1.27 लाख के सामान की लूट

कतरास (धनबाद): बीते रात खरखरी ओपी क्षेत्र के बिराजपुर सब स्टेशन में अपराधियों ने धावा बोला और कर्मी जुगल महतो, धनंजय महतो को बंधक बनाकर मारपीट किया। दोनों के मोबाइल और मोटरसाइकिल की चाभी छीन ली। धमकी देकर दोनों को कमरे में बंद कर दिया गया और अपराधी इत्मिनान से ट्रांसफार्मर, ऑटो ट्रांसफार्मर, स्टार्टर, स्विच, केबल आदि सामान ले गए। ट्रांसफार्मर का तेल बहा दिया गया। लूटे गए सामान की कीमत करीब 1.27 लाख आंकी गई, जबकि तोड़फोड़ सहित सामग्री लूट से लगभग 15 लाख का नुकसान बताया गया है। इस वारदात के बाद विराजपुर और पंडुआभिठा बस्तियों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि अपराधी अब आवश्यक सेवाओं से जुड़े उपकरणों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं।

सेवानिवृत कर्मचारियों को डीआरएम कार्यालय में दी गई विदाई

धनबादः धनबाद रेल मंडल प्रबंधक कार्यालय में सोमवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान नवम्बर माह में सेवानिवृत हुए 29 कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान एवं सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएँ दी गयी।

धनबाद मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और उनके हितों की रक्षा हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा के लिए समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित बनाने की दिशा में मंडल द्वारा निरंतर सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

इंसानियत का धर्म निभाते चिन्मय विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, फुटपाथ पर बांटे कंबल

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो के पूर्व विद्यार्थियों का संगठन एलुमनी एसोसिएशन एक बार फिर सामाजिक सरोकार के लिए आगे आया है। भीषण ठंड को देखते हुए एसोसिएशन ने शनिवार की रात चास-बोकारो के विभिन्न स्थानों पर फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के बीच कंबल वितरण किया। विद्यालय के सभी पूर्व छात्रों ने इस नेक कार्य में अपना सहयोग दिया।

चिन्मय विद्यालय हमेशा से अपने विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ बेहतर इंसान बनने का ज्ञान और जीवन मूल्य भी सिखाता आया है। इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए पूर्व विद्यार्थी आए दिन सामाजिक कार्य करते रहते हैं।

2013 से जारी है यह सिलसिला-एसोसिएशन के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष रंजीत, मनीष कुमार और सचिव शशिकांत ने बताया कि सामाजिक कार्य का यह सिलसिला साल 2013 में शुरू हुआ था और वे लगातार 12 साल से गरीबों की मदद कर रहे हैं। हर साल, खासतौर से ठंड के मौसम में एसोसिएशन के लोग कंबल वितरण करते हैं। उनका मानना है कि हर किसी को जो और जितना उनके पास है, उसमें से ही उन्हें समाज में देना चाहिए, क्योंकि लोगों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म होता है।

कंबल वितरण में एसोसिएशन के सदस्यों में अभिषेक मिश्रा, गौतम, शैबाल गुप्ता, सोनाली गुप्ता, चंदन बांठिया, अमृता प्रीतम, तथागत पांचाल, सुमन सौरभ और सचिन कुमार शामिल थे। एलुमनी एसोसिएशन द्वारा किए गए इस नेक कार्य के लिए विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी और प्राचार्य सूरज शर्मा ने उन्हें बधाई दी और विश्वास जताया कि एसोसिएशन भविष्य में भी सकारात्मक रूप से समाज के लिए कार्य करता रहेगा।

नगर निगम की लापरवाही के खिलाफ राज सिन्हा ने शुरू किया बेमियादी धरना

» कार्य शुरू होने तक जारी रहेगा धरनाः राज सिन्हा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः शहर की जर्जर सड़क व नालियों के निर्माण सहित आम जनता के कार्य नहीं होने के विरोध में धनबाद विधायक राज सिन्हा ने नगर निगम मुख्यालय के सामने सोमवार को बेमियादी धरना शुरू किया। उनके समर्थन में आमजन, समर्थक और भाजपा कार्यकर्ता भी धरना दे रहे हैं।

धरना के दौरान कार्यकर्ताओं ने नगर प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारे लगाए। विधायक ने कहा कि 48 घंटे के भीतर अगर सड़क मरम्मत पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो नगर निगम कार्यालय की चौखट पर धरना दूंगा। आगे स्थिति यथावत रही तो नगर आयुक्त के चैंबर के बाहर भी आमरण आंदोलन करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते छह वर्षों से सड़क निर्माण की लगातार मांग की जा रही है, परंतु हर बार नगर निगम और राज्य सरकार एसीबी जांच का हवाला देकर फाइल दबा देती है। विधायक ने कहा कि टूटी-फूटी सड़कें जनता के जीवन को नरक बना चुकी हैं। बरसात में हालात जानलेवा हो जाते हैं, मगर सरकार चुप है।

उन्होंने धनबाद की प्रमुख सड़कों बरटांड़ पंडित क्लीनिक रोड, राजकीय पॉलीटेक्निक–पांडरपाला मार्ग, गांधी नगर रोड, सब्जी बगान रोड, डीएस कॉलोनी रोड, माडा कॉलोनी रोड, विनोद नगर, मनईटांड़, गोल बिल्डिंग–छठ तालाब–भोक्ता मेला मार्ग, पथराकुल्ही रोड पर तत्काल कार्य शुरू कराने की मांग की।

धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि पूरा धनबाद विकास कार्यों के ठप होने से परेशान है। नगर निगम की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला महामंत्री मानस प्रसून ने कहा कि, नगर निगम धनबाद की जनता का टैक्स लेता है, लेकिन सुविधा देने में नाकाम साबित हुआ है। अब भाजपा सड़क पर है। जब तक समाधान नहीं, संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि धनबाद को स्मार्ट सिटी का सपना दिखाया गया, मगर सच्चाई यह है कि सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं। जनता का सब्र टूट रहा है, इसलिए भाजपा उनकी आवाज़ बनकर खड़ी है। जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा ने कहा कि विधायक राज सिन्हा लगातार इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष, नगर विकास मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू के समक्ष, धनबाद उपायुक्त सहित एसीबी के तत्कालीन राज्य प्रमुख अनुराग गुप्ता सहित सभी संबंधित विभागों में लिखित एवं मिलकर भी आमलोगों को होने वाली कठिनाइयों से अवगत करा चुके है। झारखंड विधानसभा में भी कई बार इस जनहित के कार्य पे प्रश्न किया मामले को जोरदार तरीके से उठा चुके है। लड़ाई लड़ रहे हैं, पर सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। संध्या बेला में नगर निगम के उप नगर आयुक्त प्रकाश कुमार विधायक राज सिन्हा को मनाने धरना स्थल पर पहुंचे।

विधायक ने कार्य शुरू नहीं होने तक धरना जारी रखने की बात कही। मौके पर निवर्तमान वार्ड पार्षद अशोक पाल, मनोरंजन सिंह, मुखिया रमेश सिंह, जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी, जिला मंत्री रीता यादव, विकास साव, सुमन सिंह अभिमन्यु कुमार, अमरजीत कुमार, रणविजय सिंह, सोनी सिंह, पुष्पा राय, विभा रानी सिंह, नित्यानंद मंडल, राजकुमार मंडल, संजय कुशवाहा, राजाराम दत्ता, योगेन्द्र यादव, पूर्व मुखिया दीपक सिंह चौधरी, कैलाश गुप्ता, विकास मिश्रा, सुमन सिंह, मौसम सिंह, कपिलदेव पासवान, गीता सिंह, श्यामल राहा, हुलास दास, राणा सिंह, मनोज रिंकू, राजकुमार मंडल, कमल सिंह, बालमुकुंद राम, जितेंद्र कुमार, अनिल खेमका, चुना सिंह, बबलू फरीदी, आनंद खंडेलवाल, तमाल राय, अनिल सिन्हा, सतीश रजक, सत्येंद्र ओझा, सुप्रभात कुमार, सरोज शुक्ला, मदन तिवारी, श्याम गुप्ता, मेघनाथ वर्मा, पूर्व मुखिया छोटू दास, ओमप्रकाश झा, इंद्रकांत झा, प्रयाग रविदास, राहुल सिंह, बबलू सिंह, पप्पू शर्मा, सपन कश्यप, विकास सिंह, अनुपम शरण, मिथुन ठाकुर, अजय मालाकार, उमेश यादव सहित हजारों आम लोग उपस्थित थे।

रबी फसल हेतु किसानों के बीच गेंहू व सरसों के बीज का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

बलियापुर (धनबाद): रघुनाथपुर पैक्स में सोमवार से किसानों के बीच रबी फसल हेतु गेहूं एवं सरसों के बीज का वितरण किया गया। शुभारंभ विधायक चंद्रदेव महतो एवं जिला परिषद सदस्य श्वेता कुमारी ने किया। इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी अजय पासवान, बीटीएम देवेंद्र कुमार, पैक्स अध्यक्ष विजय कुमार महतो, पैक्स प्रबंधक सुबल चंद्र महतो के अलावे अनेक किसान मौजूद थे।

पैक्स प्रबंधक ने बताया कि विभाग की ओर से रवि खेती के लिए दो क्विंटल सरसों एवं 20 क्विंटल गेहूं के बीज 50% अनुदान पर आपूर्ति किया गया है। पहले दिन दो दर्जन से भी अधिक किसानों को बीज उपलब्ध करवाया गया। मौके पर किसान अशोक कुमार महतो, ईश्वर महतो, यशोदा देवी, नमिता देवी, सुमन देवी, ईश्वर मरांडी आदि थे।

ढाई माह बाद बोकारो थर्मल में पाइप बदलने का काम रुका, मुआवजा न मिलने से भड़के किसान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल पावर प्लांट से निशन हाट पुलिया होते हुए ऐश पौंड तक जाने वाली क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का काम ढाई माह बाद एक बार फिर गोविंदपुर के रैयतों द्वारा रोक दिया गया है। कटिंग करने के बाद पाइप बदलने का कार्य विगत इस दिनों से रुका पड़ा है। रैयतों की स्पष्ट मांग है कि प्रबंधन ने उन्हें मुआवजा देने की घोषणा की थी, परंतु ढाई माह बाद भी उन्हें भुगतान नहीं किया गया है।

दस माह बाद हुआ था मरम्मत का काम-ज्ञात हो कि गोविंदपुर के रैयतों के विरोध के कारण विगत वर्ष 10 दिसंबर 2024 से फटे पांच नंबर पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य नहीं हो पा रहा था, जिसके कारण डीवीसी प्रबंधन को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया एवं वरीय जीएम (ओएंडएम) मधुकर श्रीवास्तव की पहल पर रैयत ग्रामीणों से सकारात्मक बातचीत के बाद ही मरम्मत का कार्य 12 सितंबर को पूरा हो सका था। इस दौरान डीवीसी प्रबंधन ने स्थानीय पुलिस, बेरमो सीओ, बेरमो एसडीएम एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी तक से मदद ली थी, बावजूद कार्य को रैयत करने नहीं दे रहे थे।

फसल का नुकसान विरोध का कारण- रैयतों की पुरानी मांग थी कि फटी पाइप लाइन से उनके खेतों में छाई का बहाव हो जाने से फसल का नुकसान वर्ष 2024 में हुआ था, जिसके एवज में उन्हें मुआवजा दिया जाए, साथ ही उन्हें पावर प्लांट की कंपनियों में एएमसी-एआरसी के तहत नियोजन दिया जाए।

पूर्व में संपन्न वार्ता के बाद गोविंदपुर के आठ रैयतों को पावर प्लांट में एएमसी-एआरसी एवं कार्यरत कंपनी में काम पर रखा गया था और मुआवजे पर भी सहमति बनी थी। मुआवजा नहीं मिलने के कारण एक बार फिर रैयत क्षतिग्रस्त एक नंबर पाइप को बदलने का कार्य करने नहीं दे रहे हैं। कार्य पूरा हो जाने के बाद डीवीसी प्रबंधन ने भी राहत की सांस ली थी, लेकिन ढाई माह बाद गतिरोध फिर शुरू हो गया है। इससे पहले मुर्गी फार्म के समीप चार नंबर फटे पाइप और एक नंबर फटे पाइप की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया था।

आईआईटी (आईएसएम) और मिनीमैक सिस्टम्स प्रा.लि. के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, जो लगभग एक सदी से भारत में तकनीकी शिक्षा, खनन इंजीनियरिंग और बहुविषयी अनुसंधान का अग्रणी संस्थान रहा है, ने पुणे स्थित मिनीमैक सिस्टम्स प्रा. लि. के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मिनीमैक सिस्टम्स, जो ल्यूब्रिकेशन विश्वसनीयता समाधान और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस तकनीकों में देश की प्रमुख कंपनी है, आईआईटी (आईएसएम) परिसर में मिनीमैक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन फ्लूड टेस्टिंग एंड एनालिटिक्स स्थापित करने के लिए पूर्ण वित्तीय सहयोग प्रदान करेगी। पूर्वी भारत में इस प्रकार की यह पहली अत्याधुनिक सुविधा होगी, जो उद्योग–अकादमिक साझेदारी के एक नए युग की शुरुआत करेगी।

यह सेंटर फ्लूड इंजीनियरिंग, ऑयल एनालिटिक्स, हाइड्रॉलिक एवं ल्यूब्रिकेशन प्रणालियों तथा स्मार्ट मेंटेनेंस तकनीकों में अत्याधुनिक अनुसंधान, उद्योग आधारित नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया जा रहा है। आईआईटी (आईएसएम) की 98 वर्षों की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत और उद्योग-संलग्न अनुसंधान क्षमता इस साझेदारी को और अधिक सशक्त बनाती है। सेंटर में उन्नत उत्पाद परीक्षण, प्रोटोटाइप विकास, डेटा-आधारित शोध एवं तकनीक हस्तांतरण जैसे कार्यों पर विशेष बल दिया जाएगा, जिससे उद्योग और अनुसंधान क्षेत्रों के बीच सीधा तालमेल स्थापित हो सके।

एमओयू के माध्यम से छात्रों और शोधार्थियों के लिए मिनीमैक के लाइव आरएंडडी प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप, फील्ड डेटा एनालिसिस और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के नए अवसर खुलेंगे। दोनों संस्थान मिलकर डीएसटी, मेइटी, एमएसएमई डिजाइन क्लीनिक, स्टार्ट-अप इंडिया जैसे विभिन्न केंद्रीय और राज्य स्तरीय अनुसंधान अनुदानों और योजनाओं का उपयोग करके इस सेंटर की आधारभूत संरचना और दीर्घकालिक संचालन को सुदृढ़ करने की दिशा में भी कार्य करेंगे।

समारोह में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो.सुकुमार मिश्रा, डीन (आरएंडडी) प्रो.पार्थसारथी दास, सेंटर कोऑर्डिनेटर प्रो.अजीत कुमार और को-कोऑर्डिनेटर प्रो.निरंजन कुमार उपस्थित थे। मिनीमैक सिस्टम्स प्रा.लि. की ओर से प्रबंध निदेशक अंशुमन अग्रवाल तथा डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं इंजीनियरिंग के प्रमुख हर्षित अग्रवाल ने भाग लिया। सभी ने इस सहयोग को फ्लूड टेस्टिंग और एनालिटिक्स के क्षेत्र में देश की अनुसंधान क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला प्रयास बताया।

इस अवसर पर निदेशक प्रो.सुकुमार मिश्रा ने कहा कि यह एमओयू आईआईटी (आईएसएम) की उस दृष्टि को मजबूत करता है जिसमें अनुसंधान और उद्योग की आवश्यकताओं को एक साझा मंच पर लाकर देश के तकनीकी विकास में ठोस योगदान देना शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेंटर न केवल फ्लूड इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन ज्ञान का सृजन करेगा, बल्कि छात्रों और उद्योग के बीच नवाचार आधारित सहयोग को भी नई गति देगा। मिनीमैक सिस्टम्स के प्रबंध निदेशक अंशुमन अग्रवाल ने इसे प्राकृतिक साझेदारी करार देते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम) की वैज्ञानिक सुदृढ़ता और उद्योग उन्मुख शैक्षणिक माहौल इस सहयोग को अत्यंत प्रभावी बनाएगा।

मिनीमैक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन फ्लूड टेस्टिंग एंड एनालिटिक्स की स्थापना न केवल पूर्वी भारत बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस और फ्लूड इंजीनियरिंग के क्षेत्र में राष्ट्रीय क्षमताओं को मजबूत करेगा। यह समझौता आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की गौरवशाली विरासत और आधुनिक तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता को और अधिक दृढ़ता से रेखांकित करता है।

विश्व एड्स दिवस पर बीजीएच में निकली भव्य रैली, गुब्बारे उड़ाकर हुआ अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

बोकारो : 01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के प्रांगण में एड्स के प्रति एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। अभियान की शुरुआत अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विभूति भूषण करुणामय द्वारा गुब्बारे उड़ाकर की गई। इस रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रनील चौधरी, बीजीएच के वरीय चिकित्सक, नर्सिंग स्कूल की छात्राएं, कर्मचारी तथा स्टाफ नर्स शामिल हुए।

रैली का मुख्य उद्देश्य एचआईवी/एड्स की रोकथाम से संबंधित जानकारी का प्रसार करना तथा समाज में भेदभाव-रहित वातावरण को बढ़ावा देना था। डॉ. करुणामय ने बताया कि वर्ल्ड एड्स दिवस हर साल 01 दिसंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। उन्होंने इस वर्ष की थीम पर ज़ोर देते हुए कहा- बाधाओं पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया को बदलना, जिसका मकसद एड्स से ग्रस्त समुदायों का उचित मार्गदर्शन करना है।

डॉ. करुणामय ने आगे कहा कि एड्स एक गंभीर बीमारी है, इसलिए एचआईवी संक्रमण से बचाव, जागरूकता तथा समय पर जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि यह बीमारी का खतरा ग्लोबल लेवल पर बढ़ता हुआ देखा जा रहा है, इसलिए विश्व एड्स दिवस के खास मौके पर एचआईवी संक्रमण के प्रति सभी लोगों को जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान यह महत्वपूर्ण जानकारी दी गई कि हाथ मिलाने, संक्रमित व्यक्ति के छींकने और खांसने से निकलने वाली ड्रॉपलेट, या संक्रमित के साथ खाना खाने से यह संक्रमण नहीं फैलता है। अतः ऐसे लोगों से किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। लोगों को सार्वभौमिक सावधानी लेकर खुद इस बीमारी से बचाव करना चाहिए और दूसरों को भी बचाव के लिए प्रेरित करना चाहिए।

पुलिस ने जमीन समतलीकरण का काम बंद करने का दिया निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

गोविंदपुर (धनबाद): गोविंदपुर बाजार स्थित बुनियादी विद्यालय की चारदीवारी तोड़कर पूजा करने के लिए की जा रही डोजरिंग का काम सोमवार को पुलिस ने बंद करा दिया। स्कूल प्रबंधन की शिकायत के आलोक में पुलिस ने यह कदम उठाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों को जमीन का कागजात लाने का निर्देश दिया है।

गोविंदपुर-टुंडी रोड के मुहाने पर बेसिक स्कूल 1950 से संचालित है। विद्यालय की 7 एकड़ से अधिक जमीन है। विद्यालय के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने जमीन दी थी। इस परिसर में बुनियादी विद्यालय गोविंदपुर है, जहां वर्ग आठवीं तक की पढ़ाई होती है और इसी परिसर में प्रखंड संसाधन केंद्र भी है। स्थानीय ग्रामीण विनोद कुमार बर्मन एवं हसीमुद्दीन अंसारी ने बताया कि आसपास के विद्यार्थी इसी विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हैं। गोविंदपुर मुख्य बाजार में एकमात्र सरकारी विद्यालय यही है। उन्होंने कहा कि जब से जमीन कारोबार शुरू हुआ है तब से ही कुछ लोगों की नजर बेसिक स्कूल की जमीन पर है। उन्होंने कहा कि रविवार को विद्यालय और प्रखंड संसाधन केंद्र बंद होने का फायदा उठाकर लोगों ने बलपूर्वक विद्यालय के उत्तर-पश्चिम तथा उत्तर दिशा की चाहरदीवारी बुलडोजर लगाकर तोड़ दी और प्रवेश कर गए। रविवार को दिन भर डोजरिंग की गई और सोमवार को भी डोजरिंग का काम शुरू कर दिया गया था। इस बीच विद्यालय खुला तो विद्यालय प्रधान और शिक्षकों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने गोविंदपुर थाना पहुंचकर इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने जाकर काम बंद करा दिया।

इस संबंध में विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका किरण कुमारी ने सोमवार को धनबाद के उपायुक्त, धनबाद के जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोविंदपुर अंचल अधिकारी, गोविंदपुर थाना प्रभारी तथा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को आवेदन दिया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

हत्या का खुलासा, तीन आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में पारा शिक्षक मुकरु देवगम की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपितों में सोमा सुन्डी (25), सीनू गौड़ (20) और मंगल कारोवा (20)शामिल है।

सोमवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि टोंटो थाना क्षेत्र के पुरनापानी बाजार टॉड के पास 29 नवंबर को मुकरु देवगम (50), जो पुरना चाईबासा के निवासी थे, साप्ताहिक बाजार करने पहुंचे थे। वहीं हंड़िया पीने को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपितों ने पत्थर और लाठी-डंडों से उन पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए थे।

उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जगन्नाथपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रायफल मुर्मू के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी शाखा की मदद से पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 नवंबर को ही ग्राम केंजरा से तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

तीनों ने पूछताछ में हत्या की संलिप्तता स्वीकार की है। इसके बाद उनको गिरफ्तार कर लिया गया है।उनकी स्वीकारोक्ति के आधार पर पुलिस ने खून से सना पत्थर, लकड़ी का डंडा और वारदात के दौरान पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए हैं।

सारंडा जंगल में तैनात सीआरपीएफ जवान की तबीयत बिगड़ने से मौत

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराइकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत सारंडा जंगल में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 134 बटालियन के एक जवान की रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई।

सीआरपीएफ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, जवान भुलन राम को अचानक तेज उल्टियां होने लगीं। स्थिति बिगड़ने पर साथी जवानों ने उन्हें तुरंत बिसरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां के डॉक्टरों ने तुरंत उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी हालत लगातार गंभीर होती गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

मृतक भुलन राम (फोर्स नंबर- 920720043, एसआई-जीडी) मूल रूप से बिहार के छपरा जिले के राघवपुर, डुमरी गांव के निवासी थे। आवश्यक चिकित्सीय औपचारिकताओं के बाद जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया है। पश्चिमी सिंहभूमि के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित रेनू ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

दरअसल, यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब सारंडा जंगल में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा अभियान चल रहा है। पुलिस और सीआरपीएफ आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। जवान की आकस्मिक मौत से सुरक्षा बलों में शोक की लहर है।

बहरागोड़ा में कार पलटने से तीन घायल, दो गंभीर को किया गया रेफर

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा इलाके में एनएच 49 पर सोमवार सुबह एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, जमशेदपुर से ओडिशा के बारीपदा जा रही एक कार बेला चौक के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा तब हुआ जब चालक ने सड़क पर अचानक आए कुत्ते को बचाने का प्रयास किया।

हादसे में घायल हुए तीनों में जमशेदपुर के बर्मामाइंस निवासी विकास मिश्रा, घाटशिला निवासी जगन्नाथ भगत और एक महिला शामिल हैं। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने विकास मिश्रा और जगन्नाथ भगत की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर कर दिया। महिला को मामूली चोटें लगीं और उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

स्थानीय लोग और स्वास्थ्यकर्मी हादसे के समय मौके पर मौजूद थे और उन्होंने घायल व्यक्तियों को सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाने में मदद की। पुलिस और सड़क सुरक्षा अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आगे की कार्रवाई के लिए वाहन को हटाने तथा हादसे की जांच शुरू कर दी है।

विश्व एड्स दिवस पर एनएसयू छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

पूर्वी सिंहभूम। विश्व एड्स दिवस पर सोमवार को नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी (एनएसयू) के छात्रों ने शहर में एचआईवी- एड्स को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए रैली निकाली गई। साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सुरक्षित व्यवहार अपनाने तथा संक्रमित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होने का संदेश दिया।

रैली की शुरुआत साकची गोलचक्कर से की गई, जो मार्केट क्षेत्र, बस स्टैंड और मुख्य सड़कों से होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ एनसीसी, एनएसएस यूनिट के सदस्य तथा फैकल्टी भी शामिल रहे। प्रतिभागियों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर लिखा था।एचआईवी से लड़ें, मरीज से नहीं", "जागरूक रहें, सुरक्षित रहें" और "एड्स को रोकना है, समाज को जागरूक बनाना है। छात्रों की ओर से लगाए जा रहे नारों ने राहगीरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

रैली के बाद साकची बाजार में छात्रों ने एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें एचआईवी संक्रमण कैसे फैलता है और कैसे नहीं—इस विषय को सरल भाषा में समझाया गया। छात्रों ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति के साथ हाथ मिलाने, साथ बैठने या एक ही बर्तन से खाना खाने से एचआईवी नहीं फैलता। नाटक में सुरक्षित संबंध, स्वच्छता, नियमित जांच और संक्रमित लोगों के प्रति भेदभाव न करने पर विशेष बल दिया गया। दर्शकों ने छात्रों की इस प्रेरक प्रस्तुति की सराहना की।

कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ की ओर से किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि युवा पीढ़ी जागरूक समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसी उद्देश्य से हर वर्ष विश्व एड्स दिवस पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिले और एड्स से जुड़े मिथकों को समाप्त किया जा सके।

अधिकारियों ने सभी से अपील की कि एचआईवी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहयोग दें और संक्रमित लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार कर समाज में सकारात्मक संदेश फैलाएँ।

उपायुक्त ने मुसाबनी के घीभांगा सबर टोला का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सोमवार को क्षेत्र निरीक्षण के दौरान मुसाबनी प्रखंड के घीभांगा सबर टोला का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके सामने मौजूद दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन किया।

ग्रामीणों ने उपायुक्त को पेयजल संकट, मोबाइल नेटवर्क की कमजोर उपलब्धता तथा अनियमित बिजली आपूर्ति जैसी मुख्य समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही जीविकोपार्जन से संबंधित कठिनाइयों को भी साझा किया। उपायुक्त ने यह भी जाना कि आजीविका मिशन, मनरेगा, राशन, पेंशन और आवास जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ गांव के लोगों को नियमित रूप से मिल रहा है या नहीं।

उपायुक्त सत्यार्थी ने मौके पर ही अधिकारियों को पेयजल संकट दूर करने के लिए त्वरित समाधान खोजने, खराब जल स्रोतों की मरम्मत करने और मोबाइल नेटवर्क की समस्या के समाधान हेतु दूरसंचार कंपनियों से समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने सबर समुदाय के लिए स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर विकसित करने पर भी बल दिया और ग्रामसभा तथा आजीविका समूहों के माध्यम से कार्ययोजना बनाने की बात कही।

ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सबर समुदाय जैसे वंचित और संवेदनशील वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। लक्ष्य यह है कि कोई भी परिवार पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित न रहे। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी-सह-प्रभारी बीडीओ पवन कुमार सहित प्रखंड के अन्य पदाधिकारी और कर्मी भी उपस्थित रहे।

रामगढ़ में सड़कों से हटाया गया अतिक्रमण, जब्त हुआ सामान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। छावनी परिषद के कर्मचारी और पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सुभाष चौक, टेकर स्टैंड, एमईएस गेट के पास सड़क किनारे अवैध रूप से लगे ठेले, गुमटी, खोमचे और झोपड़ीनुमा दुकानों को हटाया गया।

इससे पहले अभियान के दौरान अनाउंसमेंट गाड़ी के माध्यम से दुकानदारों को अपना सामान हटाने की चेतावनी दी गई। परिषद अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान निरंतर जारी रहेगा और दोबारा अतिक्रमण मिलने पर सामान जब्त कर लिया जाएगा।

सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने की तैयारी-थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि छावनी क्षेत्र में पटेल चौक से नई सराय तक बड़े पैमाने पर अतिक्रमण की समस्या है। लोहार टोला, शिवाजी रोड, चट्टी बाजार, बाजार टांड़, थाना चौक और नई सराय चौक में भी अवैध दुकानें लगी हैं। उन्होंने कहा कि पहले आम नागरिकों को सूचित किया जा रहा है और कर्मचारियों की ओर से मौके पर हिदायत दी जा रही है। चेतावनी के बाद भी यदि अवैध दुकानें नहीं हटाईं गईं, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पलामू के मेदिनीनगर में शादी के दो दिन बाद सड़क हादसे में युवक की मौत, खुशी के माहौल में मातम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा स्थित नेशनल हाईवे पर सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। दो दिन पहले जिस घर में शादी की शहनाई गूंज रही थी, आज वहां चीख-पुकार और सन्नाटा पसरा है। हादसे में 31 वर्षीय राहुल पाठक की मौत हो गई।

कैसे हुआ हादसा? जानकारी के मुताबिक, सोमवार को राहुल किसी कार्य से बैंक से पैसे निकालकर सिंगरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों में मचा कोहराम-दुर्घटना की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और चीख-पुकार मच गई। 28 नवंबर को ही राहुल की शादी सिमडेगा निवासी बसंत मिश्रा की पुत्री नेहा कुमारी से होटल माया पैलेस में हुई थी। शादी के दो दिन बाद ही हुए इस हादसे ने सभी को स्तब्ध कर दिया।

पुलिस ने जब्त किया हाइवा-सूचना पाकर सदर थाना प्रभारी लालजी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने टक्कर मारने वाले हाइवा को जब्त कर लिया और घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। शव का पोस्टमॉर्टम एमएमसीएच में कराया गया।

कौन थे राहुल? राहुल मूल रूप से पंजरी गांव के निवासी थे और मनोज पाठक के पुत्र थे। वर्तमान में वे अपने परिवार के साथ सुदना मोहल्ला में रहते थे। राहुल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और परशुराम सेना से भी जुड़े हुए थे।

प्रतिबंधित मांस की तस्करी मामले में दो गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने प्रतिबंधित मांस की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है। सोमवार को चाकुलिया थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि विगत रविवार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि धालभूमगढ़ से बंगाल की ओर काला और लाल रंग की तीन मोटरसाइकिलों के माध्यम से प्रतिबंधित मांस की तस्करी की जा रही है, जिसे सीमा पार और आस-पास के इलाकों में खपाने की योजना थी।

सूचना के बाद पुलिस टीम ने नरसिंहपुर मोड़ के पास नाकेबंदी कर जांच अभियान चलाया। धालभूमगढ़ की ओर से आ रही तीनों मोटरसाइकिलों को रोका गया। पुलिस को देखते ही एक युवक अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गया। वहीं दो अन्य मोटरसाइकिलों की तलाशी में थैलों में भरा प्रतिबंधित मांस बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से मांस और दोनों बाइक जब्त कर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जहीमुद्दीन मल्लिक उर्फ लोधा मल्लिक (47) और मज़ीबुर रहमान (60) के रूप में की गई है। उन्हें थाने लाकर पूछताछ की गई और चाकुलिया थाना में बीएनएस की संबंधित धाराओं के साथ झारखंड गोवंशीय पशु वध प्रतिषेध अधिनियम 2005 की धारा 12 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 में मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि जब्त मांस की प्रकृति की पुष्टि करते हुए एफएसएल जांच की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही फरार आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी जारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सड़क चौड़ीकरण के दौरान घरों के ध्वस्त होने पर जदयू ने जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुइयाँडीह इलाके में सड़क चौड़ीकरण अभियान के दौरान दर्जनों घरों के तोड़े जाने को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की जिला इकाई ने सोमवार को जिला मुख्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया के तरीके पर है।

जदयू नेताओं ने कहा कि भुइयाँडीह में लंबे समय से बसे लोगों के घरों को तोड़ने से पहले प्रभावित परिवारों के लिए उचित पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। उनका मानना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के लोगों को बेघर करना मानवता के दृष्टिकोण से उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल पुनर्वास योजना लागू की जाए और भविष्य में किसी भी विकास कार्य में नियमों और जनहित का पूरा ध्यान रखा जाए।

जदयू जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने कहा, "हम सड़क चौड़ीकरण का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन प्रक्रिया मानवता और नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। बिना पुनर्वास के लोगों के घर तोड़ना सही नहीं है। प्रशासन से हमारी मांग है कि प्रभावित परिवारों के लिए तुरंत पुनर्वास योजना बनाई जाए।"

इससे पहले, विभिन्न राजनीतिक दलों ने उपायुक्त और मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था कि अतिक्रमण मुक्त अभियान के नाम पर लोगों के घर और दुकानों को न तोड़ा जाए। इस संदर्भ में जनता ने अपनी मांगों को उजागर करने के लिए मशाल जुलूस भी निकाला था।

इस पूरे मामले में प्रशासन की ओर से यह कहा गया है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए कार्रवाई आवश्यक है, लेकिन प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, स्थानीय जनता और राजनीतिक दलों का मानना है कि समय पर और उचित पुनर्वास योजना लागू किए बिना कोई भी कार्रवाई पूरी तरह न्यायसंगत नहीं मानी जा सकती।

ठंड बढ़ी तो गरीबों की आई शामत, छोटे बच्चे पड़ रहे बीमार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। जिले में कड़ाके की ठंड ने गरीब परिवारों के लिस मनो शामत बनकर आई है। ठिठुरन भरे मौसम में जरूरतमंदों के पास गर्म कपड़ों की भी भारी कमी देखी जा रही है। खुले आसमान के नीचे रहने वाले और दिहाड़ी मजदूरी कर अपना जीवन चलाने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

ठंड का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर दिखाई दे रहा है। सुबह आठ बजे से ही अधिकांश विद्यालयों में कक्षाएं शुरू हो जाती हैं, जिसके कारण नन्हे बच्चे ठिठुरते हुए स्कूल आने को विवश है। कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चे ठंड के कारण सर्दी, खांसी, बुखार जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

सरकार की ओर से गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने में अभी और तेजी से काम करने की जरूरत है। भाजपा नेता संतोष जायसवाल कहते हैं कि इतनी कडाके की ठंड के बाद भी सरकार की ओर से न तो कंबलों का वितरण किया जा रहा है और न ही कहीं अलाव की व्यवस्था की जा रही है।

प्लास्टिक जांच पर बवाल, विरोध के बीच निगम टीम लौटी खाली हाथ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम।प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू करने के प्रयास में मानगो नगर निगम की टीम को सोमवार को आजादनगर थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड पुरुलिया रोड की गरीब कॉलोनी में भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

दुकानों में प्लास्टिक उपयोग की जांच के दौरान स्थानीय दुकानदार और लोग अचानक आक्रोशित हो गए, जिसके चलते टीम को कार्रवाई बीच में ही रोककर वापस लौटना पड़ा।

घटना के दौरान जैसे ही निगम कर्मियों ने दुकानों में प्लास्टिक बरामदगी की तैयारी शुरू की, दुकानदारों में हड़कंप मच गया। लोग नारेबाजी करते हुए कार्रवाई का विरोध करने लगे और मौके पर तनाव का माहौल बन गया। स्थिति को संभालने के लिए बाद में पुलिस बल भी तैनात करना पड़ा। दुकानदारों का आरोप था कि प्लास्टिक प्रतिबंध पर न तो उन्हें कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही निगम की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया। उनका कहना है कि गरीब और छोटे कारोबारियों के लिए प्लास्टिक ही पैकिंग का सबसे किफायती साधन है। ऐसे में बिना वैकल्पिक व्यवस्था और स्पष्ट दिशा-निर्देश के अचानक कार्रवाई करना उनकी आजीविका पर सीधा संकट डालने जैसा है। स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि यह स्पष्ट नहीं बताया गया कि किस प्रकार के प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू है और उसके विकल्प के रूप में क्या इस्तेमाल किया जाए। संवाद की इस कमी के कारण ग़लतफ़हमी और असंतोष का माहौल पैदा हो गया।

बवाल के बाद नगर निगम टीम को जांच अधूरी छोड़नी पड़ी। वहीं, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इसे लेकर दो गुटों में बंटे नज़र आ रहे हैं। एक पक्ष स्वच्छता और पर्यावरण की दृष्टि से प्लास्टिक प्रतिबंध को सही मान रहा है, जबकि दूसरा पक्ष प्रशासन पर बिना तैयारी के कार्रवाई करने का आरोप लगा रहा है। यह घटना इस बात का संकेत भी देती है कि किसी भी सरकारी नियम या प्रतिबंध को लागू करने से पहले आम जनता में पर्याप्त जागरूकता और संवाद स्थापित करना बेहद जरूरी है।

कोडरमा में दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, पांच लोग घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोडरमा। कोडरमा जिले में रविवार की रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए।

पहली घटना कोडरमा थाना क्षेत्र के इंदरवा के पास रात करीब आठ बजे हुई। यहां खड़े ट्रक में बाइक के टकरा जाने से 30 वर्षीय सिंटु यादव की मौत हो गई। दुर्घटना में घायल सिंटु यादव को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतक जयनगर थाना क्षेत्र के सिंगारडीह का निवासी था और अपनी नानी के यहां बारा टोला, करमा पंचायत में रहता था। वह फाइनेंस का काम करता था। बाइक पर सवार दो अन्य युवक भी घायल हुए हैं, जिनकी चोटें हल्की बताई गई हैं।

दूसरी घटना तिलैया थाना क्षेत्र के रांची–पटना मुख्य मार्ग बाईपास पर देर रात हुई। धान से लदे एक ट्रैक्टर के गलत दिशा से जाने के दौरान सामने से आ रहे टैंकर से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में छोटेलाल नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाले मियां (55), कारु मियां (60) और गोपी मोदी (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल जयनगर के रहने वाले हैं।

घायलों में दो का इलाज सदर अस्पताल कोडरमा में चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राष्ट्रचिंतन से राष्ट्रनिर्माण तक

+91 9288 319 159

मुखर राष्ट्रवाद

राष्ट्र, सजग और समर्पित

Mukhar Raashtrawaad : Think Bold. Speak Bold. Rise and Save the Nation

यह समय राष्ट्रवाद-जाप का नहीं -मुखर राष्ट्रवाद का है

राष्ट्र चिंतन से राष्ट्र निर्माण तक -यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन है। आज जब वैश्विक परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं और विचारों की लड़ाइयाँ सीमाओं पर नहीं बल्कि दिमाग, मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लड़ी जा रही है -तब राष्ट्र के प्रति सजगता और जिम्मेदारी पहले से अधिक अनिवार्य हो गई है। राष्ट्रवाद केवल भावनाओं की लहर नहीं -यह कर्तव्य, चेतना और कर्म का संतुलित संगम है। और जब यही राष्ट्रभाव मुखर होता है, तो वह केवल दिलों में नहीं, बल्कि निर्णयों में, नीतियों में और व्यक्तित्व के संस्कार में दिखता है।

'मुखर राष्ट्रवाद' उसी विचारधारा का नाम है -जो स्पष्ट है, सजग है और समर्पित है। हम केवल दर्शक नहीं, बल्कि राष्ट्र के सक्रिय सहभागी हैं। प्रश्न यह नहीं कि देश हमारे लिए क्या कर रहा है—बल्कि यह कि हम इस मातृभूमि के लिए क्या कर रहे हैं। विचार तभी सार्थक हैं जब वे कर्म में बदलते हैं, और कर्म तभी प्रभावी हैं जब उनमें राष्ट्र निर्माण का संकल्प हो।

बोल्ड होकर सोचना जरूरी है, क्योंकि परिवर्तन की पहली चिंगारी विचार में जन्म लेती है। बोल्ड होकर बोलना आवश्यक है, क्योंकि सत्य अक्सर समाज के शोर में दब जाता है। और एक सशक्त राष्ट्र के लिए उठ खड़ा होना इसलिए अनिवार्य है, क्योंकि राष्ट्र केवल नक्शा नहीं—यह सभ्यता, संस्कृति, भाषा, विरासत और बलिदानों से बना जीवंत अस्तित्व है। यह हमारी पहचान है। हमारी आत्मा है।

राष्ट्रवाद का अर्थ केवल उत्साह, नारों और तात्कालिक भावनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह विवेकपूर्ण प्रयास, तार्किक सोच और भारतीय दृष्टि से जुड़ा व्यवहार है। संयमित, विचारशील और सजग राष्ट्रवाद ही समाज को जोड़ता है और राष्ट्र को आगे बढ़ाता है। बिना समझ की आक्रामकता और बिना साहस की विनम्रता—दोनों ही राष्ट्रहित के विरुद्ध हैं।

आज समय केवल राष्ट्रभक्ति का नहीं बल्कि राष्ट्र-जिम्मेदारी का है। इस जिम्मेदारी में प्रत्येक नागरिक की भूमिका है; चाहे वह किसान हो या शिक्षक, पत्रकार हो या सैनिक, उद्योगपति हो या विद्यार्थी। हर आवाज भविष्य के भारत की कहानी लिख रही है। हर विचार राष्ट्र की दिशा तय कर रहा है। हर कर्म इतिहास रच रहा है।

और हाँ! राष्ट्रबोध के साथ शत्रुबोध भी नितांत आवश्यक है। जो राष्ट्र अपने अस्तित्व के खिलाफ काम करने वाली विचारधाराओं, शक्तियों और षड्यंत्रों को पहचान नहीं पाते, वे इतिहास में मिट जाते हैं। और भारत मिटने की परंपरा वाला राष्ट्र नहीं -जागने, लड़ने और विजय की परंपरा वाला राष्ट्र है।

भारत केवल भू-भाग नहीं;यह संकल्प है। यह संस्कृति है। यह धरोहर है। यह कर्तव्य और स्वाभिमान का पवित्र संगम है। जब हम इसके लिए सोचते हैं, बोलते हैं और कार्य करते हैं; तब राष्ट्र केवल सुरक्षित नहीं होता, वह पुनः जागृत होता है।

यही चेतना, यही दृष्टि और यही संकल्प मुखर राष्ट्रवाद है।

राष्ट्र चिंतन से राष्ट्र निर्माण तक -यह यात्रा अब केवल विचार की नहीं, कर्तव्य की है। यह हम सबकी है।

इसी अभियान के निहितार्थ , राष्ट्रीय मुख्यधारा दैनिक 'मुखर राष्ट्रवाद' एक स्थाई स्तम्भ आरम्भ कर रहा है। प्रबुद्ध राष्ट्रवादियों से अनुरोध है कि आपके सम्बंधित आलेख , विचार और टिप्पणियां 'मुखर राष्ट्रवाद' में प्रकाशनार्थ भेजें।

सहज कर्म-पथ का आह्वान है भगवद्गीता

गिरीश्वर मिश्र

कालजयी श्रीमद्भगवद्गीता उस महाभारत का अंश है जिसे भारतीय चिंतन की परम्परा में इतिहास में परिगणित किया गया है। यह महान रचना इस अर्थ में विशिष्ट है कि इसके रचयिता महर्षि वेदव्यास स्वयं उन घटनाओं के साक्षी और भागीदार भी थे जिनका वर्णन उन्होंने अपनी रचना में किया था। आगे चल कर भारत की सभी मुख्य भाषाओं में यह अमर गाथा निरंतर गाई जाती रही और भारतीय सर्जनात्मक प्रतिभा द्वारा महाभारत से सामग्री को लेकर प्रचुर संख्या में उपन्यास, नाटक और काव्य रचे जाते रहे हैं। इसने संगीत और नृत्य को भी निरंतर प्रभावित किया है। वस्तुतः यह केवल एक सर्वसमावेशी औपचारिक शास्त्र ही नहीं रहा बल्कि लोक-जीवन में भी गहरे रच बस गया। महाभारत की महागाथा में धर्म की अवधारणा ही प्रमुख है। गीता का आरम्भ भी धर्म शब्द के साथ होता है। धर्म का तत्व देश, काल और पात्र के सापेक्ष होता है और गतिशील जीवन-पद्धति को इंगित करता है। स्वधर्म की बात आगे समझायी गई है। ईश्वर का अवतार धर्म को पहचानने और स्थापित करने के लिए होता है। धर्म को रीति और नीति से भिन्न समझना होगा। अपने से दुर्बल की सहायता करना ही परम धर्म है। इस दृष्टि से सामाजिक संदर्भ के सापेक्ष ही धर्म की समझ भी आकार लेती है। ऋग्वेद, उपनिषद और धर्मशास्त्र आदि सब का संज्ञान लेते हुए महाभारत रचा गया। भगवद्गीता महाभारत का हृदय सरीखा है। भगवद्गीता महाभारत के भीष्म पर्व में है पर उसके पहले वन पर्व में व्याध-गीता का भी एक आख्यान आता है। आश्चर्य यह कि दोनों हिंसा की पृथभूमि में हैं, एक कसाई के घर में तो दूसरी युद्ध-भूमि में। भौतिक (प्रकृति) और मानसिक चैतन्य (पुरुष) का भेद दोनों में ही दिखता है। प्रकृति का सत्य विविधताओं से भरा हुआ है। मनुष्य की कल्पनाशीलता उसे चर-अचर अन्य सभी जीवों या पदार्थों से अलग करती है। वह अमरता की कल्पना कर सकता है। इसी क्रम में अर्थ की तलाश करते हुए चैतन्य या देही की अवधारणा प्रस्तुत हुई। मनुष्य से यह अपेक्षा है कि वह पाशविक वृत्ति से ऊपर उठ कर ऊर्ध्वमुखी हो। यही जीवन में व्याप्त हीनता और क्षुधा को दूर करने वाला है। गीता की विचारधारा सदियों से देश-विदेश में मानवीय चिंतन को प्रभावित करती आ रही है। अब तक विश्व की विभिन्न भाषाओं में गीता के तीन हज़ार से अधिक अनुवाद हो चुके हैं। गीता की व्याख्या के लिए अनेक महत्वपूर्ण भाष्य शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, माध्वाचार्य, अभिनव गुप्तपादाचार्य, संत ध्यानेश्वर, तथा स्वामी रामसुख दास आदि अनेकानेक आचार्यों और संतों ने ही नहीं लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, संत बिनोबा भावे आदि अनेक राष्ट्रप्रेमी नेताओं ने भी रचे हैं। गीता की संगीतात्मकता, उसकी लयबद्धता और विचार की विशालता ने उसके अनुवाद और पुनराख्यान के लिए प्रेरित किया। कहा गया कि गीता को अच्छी तरह गाना और गुनगुनाना चाहिए– गीता सुगीता कर्तव्या। सारे शास्त्रों को विस्तार में पढ़ने की जगह गीता को हृदयंगम करना ही पर्याप्त है। पर गीता को पढ़ें तो लगता है कि वहाँ सीधी रेखा में बात आगे नहीं बढ़ती है। कुछ विचार गीता में कई अध्यायों में इतस्ततः बिखरे मिलते हैं, कुछ बार-बार अनेक स्थलों पर दुहराये गए हैं, कुछ ऐसे भी हैं जो अन्यत्र वेद तथा उपनिषद आदि में विद्यमान हैं। यदि इसमें एक ही शब्द के अनेक अर्थ मिलते हैं तो एक ही अर्थ के लिए कई भिन्न शब्द भी प्रयुक्त मिलते हैं। आत्मा, देही, तथा शरीर आदि शब्दों का प्रयोग इसी तरह का है। कृष्ण जीवन के अनेकानेक संदर्भों में आज भी प्रासंगिक बनी हुई है। संरचना की दृष्टि से यह भी विलक्षण है कि कृष्ण के विचार सीधे हम तक नहीं पहुचते। धृतराष्ट्र ने पूछा और संजय ने सुना कर बताया। अधिकारहीन पर अद्भुत दृष्टिसंपन्न संजय वक्ता हैं जो युद्ध को देख कर दृष्टिहीन परन्तु अधिकारसंपन्न धृतराष्ट्र को वर्णन सुनाते हैं और उन्होंने जो देख कर सुनाया वह हम सुनते पढ़ते हैं। कृष्ण स्रोत हैं पर संजय सूचना या संदेश के प्रस्तोता हैं। शायद धृतराष्ट्र और अर्जुन दोनों श्रीकृष्ण के वचनों को सुनते हैं पर अपने अपने ढंग से और कदाचित भिन्न भिन्न रूपों में। अर्जुन श्रीकृष्ण से प्रश्न पूछते हैं। धृतराष्ट्र चुप रहते हैं। वे डरे सहमे हुए हैं, शायद मन ही मन कृष्ण के वचनों को सुन कर गुनते-आंकते हैं। गीता में उपस्थित विमर्श में श्रीकृष्ण विश्लेषण (सांख्य) और संश्लेषण (योग) दोनों पद्धतियों का उपयोग करते हैं। उन्होंने व्यावहारिक कर्म-योग, भावनात्मक भक्ति-योग और बौद्धिक ज्ञान-योग का प्रतिपादन किया है। गीता के पाँचवे अध्याय में श्रीकृष्ण शरीर को नौ द्वारों वाली एक पुरी बताते हैं। गीता द्वारा मानस का विस्तार और यथार्थ का बोध संभव होता है। कर्म का सिद्धांत यह बताता है कि आप वर्तमान परिस्थिति को तो नहीं नियंत्रित कर सकते किंतु उस परिस्थिति के प्रति प्रतिक्रिया कैसे करें यह जरूर चुन सकते हैं। गीता का कर्मवाद यह भी स्पष्ट करता है कि मनुष्य अपनी परिस्थितियों का स्वयं निर्माता भी है। इसका संदेश यही है कि आप स्वयं अपने जीवन के लिए उत्तरदायी हैं। हमारे बस में मात्र यही है कि हम परिस्थिति के प्रति किस तरह प्रतिक्रिया करते हैं। पर हम समाज के अंग हैं और सबसे अलग-थलग भी नहीं हैं। हम दूसरों के कर्म से भी प्रभावित होते हैं। इसलिए कई बार बीज कुछ होता है और फल उससे भिन्न कुछ अन्य प्रकार का। इसीलिए गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म पर ध्यान देने को कहते हैं न कि फल पर। कर्म का परिणाम जो भी हो पाँच चीज़ों पर निर्भर करता है– शरीर, मन, उपकरण, विधि तथा दैव (भाग्य)। मूर्ख ही ख़ुद को अकेले कारण मानता है। यदि हम ख़ुद को कर्मों के परिणामों से नहीं बाँधते तो कर्म भी हमको नहीं बाँधते। सुख, शक्ति और स्वर्ग की कामना से किया गया कर्म जब किया जाता है तो आँख फल पर टिकी होती है न कि कर्म पर। कर्म, विकर्म और अकर्म के बीच के अंतर को समझना कठिन है। बुद्धिमान लोग कर्म फल से बिना जुड़े निर्लिप्त हो कर काम करते हैं। कर्तृत्व के अभिमान से मुक्त होने और फ़लेच्छा का त्याग करने पर कर्म अकर्म हो जाता है। कर्म करते हुए निर्लिप्त रहना और निर्लिप्त हो कर कर्म करना कर्मयोगी श्रेष्ठ बनाता है। सक्रिय होना कर्म है पर जब कर्म-परिणाम को बिना नियंत्रित करने की चेष्टा के कर्म करना कर्म-योग है। बिना किसी प्रत्याशा के कर्म के विचार को देख कर यह प्रश्न उठता है कि उस स्थिति में कर्म के लिए क्या प्रेरणा का तत्व होगा। वृक्ष और पशु अपने लिए खाद्य और सुरक्षा पाने के लिए सक्रिय होते हैं। एक मनुष्य ही है जो दूसरों के खाद्य और सुरक्षा के लिए कर्म कर सकता है। इसी दृष्टि को अपनाना धर्म है। हमारा शरीर मरणधर्मा है और सुरक्षा चाहता है। वह सीमाएं भी बनाता है। किंतु इस शरीर में अमर आत्मा का वास है जिसे किसी किस्म की सुरक्षा या बन्धन की दरकार नहीं है। मरणधर्मा हाड़ मांस से लिपट कर यह आत्मा जीवन और मृत्यु का स्वाद बार-बार लेता है। अमरता और पुनर्जन्म के विचार के साथ श्री कृष्ण मानवीय जीवन के विमर्श का पूरा नक़्शा ही बदल देते हैं: शरीर का अंत अंत नहीं होता और न शरीर का आरम्भ आरम्भ होता है। क्षण-क्षण बदलती दुनिया जिस पर अधिकार जमाना संभव नहीं उसे बदले और अस्थायी चीजों में हम अवलोकन करते हैं, खोज करते हैं और गद्गद होते हैं। वस्तुतः हम एक महा आख्यान के हिस्से होते हैं, अतीत की कथा वर्तमान को और वर्तमान भविष्य को रचती चलती रहती है। उन कथाओं को तो हम नहीं जानते पर उनमें भूमिका जरूर अदा करते हैं। जो कथा हम अनुभव करते हैं या याद करते हैं वह कोई अकेली कथा नहीं होती। हमारी जिंदगी दूसरी कथाओं में हमारी भूमिकाओं पर निर्भर करतो है। रोचक बात यह है कि कथा या भूमिका याद न भी हो तो भी हम उसके परिणामों से नहीं बच सकते। पुनर्जन्म यह भी बताता चलता है कि यह विश्व हमारे पहले भी था और हमारे बाद भी रहेगा। गीता व्यक्ति के मानसिक-आध्यात्मिक उन्नयन पर बल देती है। अस्तित्व का अर्थ और मूल्य ही गीता का प्रतिपाद्य है। कर्म मार्ग का प्रवर्तन ही उसका प्रमुख उद्देश्य है। कर्म की गति गहन होती है। कर्म से मुक्ति संभव नहीं है। कर्म की गुणवत्ता उसे करने में नहीं बल्कि उसके पीछे निहित इच्छा के त्याग में है। त्याग इच्छाओं का अभाव है। गीता इच्छाओं से आसक्ति दूर करना चाहती है न कि कर्म से। लोक-संग्रह के लिए जीवन का ढर्रा बदलना होगा। बंधुत्व का भाव आवश्यक है। अपने स्वभाव के अनुसार कर्म में निरत हो कर मनुष्य को सिद्धि प्राप्त होती है।

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रहलाद सबनानी

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। "सहकार से समृद्धि" का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं।

ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। जो लोग जॉब की तलाश में हैं उनको अच्छा रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं। मित्रों की सहायता से आपको नए नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है नहीं, तो रिश्तों में दूरियां भी देखने को मिल सकती है। आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सुबह की सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपका पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा। आप अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा हो जायेगा। अपनी क्षमताओं को पहचाने क्योंकि आपके अंदर ताकत की नहीं, बल्कि इच्छा शक्ति की कमी है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान प्लॉट दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आज किसी अनुभवी शख्स की सलाह के बिना ऐसा काम ना करें, जिसमें आपको कॉन्फिडेंस न हो।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है नहीं, तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार का तनाव लेने की जरूरत नहीं है। जिंदगी का एक बड़ा सबक इस बात को मान लेना है कि बहुत सी चीजों को बदलना नामुमकिन है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। परिवार में अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी। अगर मन में बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें आपको अच्छा सॉल्यूशन मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर हर जगह से आपको काम के लिये ऑफर मिलते दिखायी देंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। अगर आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं, तो आपके लिए लाभ के योग हैं। आप अपने काम में कुछ परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य संबंध के तनाव से छुटकारा पाने के लिए आप अपने रिश्तों में थोड़ी ढ़ील देंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। समाज में आपके सराहनीय काम का सम्मान किया जायेगा। काम में आपका कॉन्फिडेंस आपको सक्सेस दिला सकता है। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं, तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में कुछ मनमुटाव की स्थिति रहेगी, लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा। आज कारोबार से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे होंगे आप नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज आप बच्चों से नई बात सीख सकते हैं साथ ही जीवनसाथी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

भारत का मेजर ताकत बनना बड़ी उपलब्धि, सुपर ताकत बनना बड़ी चुनौती

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी संस्था द्वारा जारी एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि भारत शक्तिशाली देशों की कतार में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। लोवी द्वारा जारी इंडेक्स में मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करने वाला भारत एकमात्र देश है जबकि सुपर पॉवर के रुप में अमेरिका और चीन अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। भारत ने मेजर पॉवर का दर्जा हासिल कर लिया है पर सुपर पॉवर का दर्जा हासिल करने में अभी भारत को लंबा समय और कड़ी मेहनत व प्रयास करने होंगे। दरअसल, 8 पेरामीटर्स में 100 में से 70 से अधिक अंक अर्जित करने वाले देश ही सुपर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और अमेरिका इसमें 80.5 अंक प्राप्त कर सुपर पॉवर बना हुआ है। वहीं, चीन भी अमेरिका के पीछे-पीछे 73.7 अंकों के साथ दूसरा सुपर पॉवर बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद अमेरिका ने बहुत कुछ खोया है फिर भी पहले स्थान का ताज आने वाले सालों में भी छिनता हुआ नहीं लगता है। भारत ने अवश्य जापान को पछाड़ कर तीसरा स्थान बनाया है और 40 अंक प्राप्त कर मेजर पॉवर तो बन ही गया है। 40 या 40 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले देश मेजर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और यह दर्जा प्राप्त करने वाला भारत अकेला देश बन गया है। एशिया प्रशांत के 27 देशों से शेष 23 देश मिडिल पॉवर व उससे नीचे की श्रेणी में हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान इस इंडेक्स में पहले दस में भी स्थान नहीं बना पाया है। पाकिस्तान सूची में 16 वें स्थान पर रहा है। निश्चित रुप से यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि और इंटरनेशनल जगत में भारत के बढ़ते दबदबे का स्पष्ट संकेत है। ऑपरेशन सिन्दूर और इससे पहले भी जिस तरह से भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया है और इंटरनेशनल डिप्लोमेसी में भारत की अग्रगामी भूमिका तय की गई है उसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। आर्थिक क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने इसे तीसरे पायदान पर लाने में खासी भूमिका तय की है। भारत आज दुनिया के देशों में बड़ी आर्थिक शक्ति के रुप में उभरा है और दुनिया के देशों में सबसे अधिक यानी कि विदेशी निवेश में भारत ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी द्वारा 2018 से एशिया पॉवर इंडेक्स जारी करना आरंभ किया है। 2025 में एशिया पॉवर इंडेक्स का सातवां संस्करण जारी किया है। लोवी द्वारा 8 पेरामीटर्स के आधार पर अंक जारी किये जाते हैं। इसमें सैन्य क्षमता, रक्षा नेटवर्क, आर्थिक शक्ति, अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंध, कूटनीतिक व सांस्कृतिक संबंध, लचीलापन, भविष्य के संसाधन आदि पेरामीटर्स के आधार पर 27 देशों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिन्दूर ने भारत की सैन्य शक्ति और ताकत से दुनिया के देशों को झकझोर कर रख दिया है। सैन्य संसाधनों में आज भारत आत्मनिर्भर होता जा रहा है। इसके साथ ही जिस तरह से भारत की इकोनोमी तेजी से आगे बढ़ती जा रही है उससे दुनिया के देशों में भारत ने अलग ही स्थान अर्जित कर लिया है। भारत में देसी-विदेशी निवेश का जिस तरह का माहौल बना है और जिस तेजी से विपरीत वैश्विक हालातों के बावजूद और यहां तक कि ट्रंप की टैरिफ नीति के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था व विकास का स्तर लगातार बने रहना बड़ी उपलब्धि है। ऑपरेशन सिन्दूर, आर्थिक क्षेत्र में बढ़ती साख, सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी भारत की ताकत बन गई है। भारत के साथ सबसे बड़ी ताकत स्थिर और कड़े निर्णय लेने में भी सक्षम सरकार होना एक सकारात्मक पक्ष है तो दूसरी और जेन जेड और उसके बाद की जैनरेशन की बड़ी भूमिका हो गई है। आज तकनीकी रुप से भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत युवाओं का देश हो गया है। सैन्य क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, इकोनोमिक क्षमता और प्रौद्योगिकी, डिजिटलाइजेशन, कूटनीतिक और सांस्कृतिक रिलेशन आदि क्षेत्र में भारत ने पिछले साल की तुलना में अधिक अंक अर्जित किये हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत का वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास बढ़ा है और इसी का परिणाम है कि भारत आज आंख से आंख मिलाकर बात करने और आंतरिक व बाहरी निर्णय लेने में सक्षम और स्वतंत्र देश के रुप में उभरा है। हालांकि भारत के सामने अभी चुनौतियां बहुत है। सबसे बड़ी चुनौती जो विषय से अलग हटकर है वह है हमारे ही लोगों द्वारा विदेशी मीडिया व विदेशी धरती पर देश की छवि खराब करना। होना यह चाहिए कि लाख राजनीतिक मतभेदों के बावजूद विदेश की धरती पर एक रहना और एक रहने का संदेश देना जरुरी हो जाता है। रक्षा नेटवर्क को और अधिक विस्तारित करने की चुनौती के साथ ही कूटनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। अमेरिका की ट्रंप की देशी-विदेशी नीति के कारण अमेरिका के अंकों में गिरावट दर्ज की गई है। देखा जाए तो भारत की सैन्य क्षमता के साथ साथ इकोनोमी के क्षेत्र में क्षमता का तेजी से विकास हुआ है। हालांकि रक्षा नेटवर्क के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है। एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर बनना और तीसरा स्थान बनाना भारत की दुनिया के देषों में बढ़ती साख का परिचायक है। निश्चित रुप से यह बड़ी उपलब्धि है पर अब भारत को इसे बनाये रखने और अन्य पेरामीटर्स के क्षेत्र में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। चुनौतियां बहुत हैं पर चुनौतियों से पार पाते हुए ही कुछ अधिक अर्जित करना बड़ी बात हो जाती है। मेजर पॉवर से सुपर पॉवर बनना बड़ी चुनौती है पर सकारात्मक प्रयासों से सुपर पॉवर बनने के लक्ष्य के साथ ही भारत को आगे बढ़ना होगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

सम्राट के गृहमंत्री बनते ही एक्शन-10 दिन में दूसरा एनकाउंटर

छपरा में अपराधी नंदकिशोर राय को पुलिस ने मारी गोली; एक दिन पहले मर्डर किया था

छपरा/ सारण, एजेंसी।बिहार में नई सरकार के गठन होने के साथ ही पुलिस बदमाशों के खिलाफ एक्शन मोड में है। छपरा में रविवार सुबह पुलिस और कुख्यात अपराधी शिकारी राय के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें हत्या के आरोपी शिकारी राय के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे मौके से ही पकड़ लिया और एम्बुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

दरअसल कल रविवार की दोपहर एक शख्स की अपराधियों ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बिशनपुर इलाके में स्क्वॉड टीम छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस ने शिकारी राय को पकड़ लिया, लेकिन हथियार रिकवर करवाने के दौरान उसने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की।

इस गोलीबारी में एक एएसआई घायल हो गए हैं। उन्हें तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। एसएसपी कुमार आशीष ने बताया, 'गोली

शिकारी राय के बाएं पैर में लगी है। मौके से 2 पिस्टल, 8 जिंदा गोली बरामद हुई है। उसने पुलिस पर 2 गोलियां चलाई हैं। उसने कबूल किया है कल हुई हत्या में वो शामिल था।'

अपराधियों ने दौड़ाकर सिर में मारी गोली–रविवार दोपहर छपरा के नगर थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन के बिल्कुल पास 41 साल के शख्स को दौड़ा कर गोली मारी गई थी। मृतक की पहचान कटिहार जिला के दहरिया चौक निवासी कृष्णा सिंह के बेटे आजाद सिंह उर्फ भीष्म राय के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश में रह रहा था।अपराधियों ने आजाद सिंह को करीब 20 मीटर तक दौड़ाया और बाद में सिर में नजदीक से गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात इतनी नजदीकी पर हुई कि पुलिस लाइन की सीमा से महज 50 मीटर की दूरी पर ही अपराधियों ने पूरी घटना को अंजाम दिया। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अधेड़ भागते हुए अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा था। पिस्टल लहराते हुए दो अपराधी लगातार पीठ की ओर से गोलियां चलाते हुए उसका पीछा कर रहे थे।जान बचाने की कोशिश में वह सड़क किनारे स्थित एक निजी मकान में घुस गया, लेकिन अपराधी भी हत्या की मंशा से आए थे और वे घर तक पीछे-पीछे पहुंच गए। भीतर पहुंचकर उन्होंने नजदीक से सिर में गोली मार दी। बताया जा रहा है, गैंगवार में आजाद सिंह की हत्या हुई। आजाद पर 10 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज थे।

शिकारी राय पर हत्या, लूट, रंगदारी के 7 केस–एनकाउंटर में घायल अपराधी पर जिला के अलग अलग थानों में 7 मामले दर्ज है। जिसमें हत्या, लूट, रंगदारी जैसे संगीन केस हैं। शिकारी राय मूल रूप से गड़खा थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर गांव का रहने वाला है। शिकारी राय जमीन के कारोबार से भी जुड़ा हुआ हैलंबे समय से पुलिस की रडार पर था शिकारी रायजानकारी के अनुसार, शिकारी राय लंबे समय से पुलिस की रडार पर था। उस पर हत्या, लूट और रंगदारी जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकारी राय सालों से इलाके में सक्रिय अपराधी गिरोह का हिस्सा रहा है। कई बड़े आपराधिक मामलों में उसकी भूमिका की जांच पहले से ही चल रही थी।एनकाउंटर में घायल होने के बाद अब पुलिस उसके नेटवर्क, सहयोगियों और हालिया आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी जानकारी खंगाल रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकारी राय से पूछताछ इस पूरे गिरोह की जड़ों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

लल्लू मुखिया ने बाढ़ कोर्ट में किया सरेंडर, न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

पटना उच्च न्यायालय से जमानत याचिका खारिज होने के बाद बाढ़ विधानसभा प्रत्याशी कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया ने बाढ़ व्यवहार न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया. सरेंडर करने के छह घंटे बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में बाढ़ जेल में भेज दिया गया. लल्लू मुखिया 2003 के हत्या के एक मामले में फरार चल रहे थे. लल्लू मुखिया ने कोर्ट में किया सरेंडर : पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर लगातार उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी. चुनाव के बाद वे गिरफ्तारी के डर से भूमिगत हो गए थे. पुलिस ने चुनाव से पूर्व लल्लू मुखिया के घर की कुर्की भी की थी, इसके बावजूद उन्होंने सरेंडर नहीं किया था।सिविल कोर्ट, बाढ़ के वकील संजीत कुमार ने कहा कि ''कर्णवीर सिंह यादव उर्फ लल्लू मुखिया ने बेल के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली. सुप्रीम कोर्ट से भी राहत की गुहार लगाई थी. लेकिन अर्जी रद्द हो गई. मामला 302 का हैं, इसलिए लल्लू मुखिया को बाढ़ व्यवहार न्यायालय में सरेंडर करना पड़ा।''हत्या मामले में फरार चल रहे थे : कभी अनंत सिंह के करीबी रहे लल्लू मुखिया लगातार मुंगेर सांसद ललन सिंह पर केस में फंसाने का गंभीर आरोप लगाते रहे है. चुनाव के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कुछ महीनों के लिए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी. लेकिन राहत अवधि समाप्त होने पर लल्लू मुखिया शनिवार को बाढ़ कोर्ट पहुंचे और सरेंडर कर दिया।लल्लू मुखिया और अनंत सिंह की अदावत : कभी अनंत सिंह के करीबी रहे लल्लू मुखिया की छवि बाहुबली नेता की है. 2019 लोकसभा चुनाव के बाद अनंत सिंह और लल्लू मुखिया के बीच दुश्मनी परवान चढ़ी. साल 2020 में लल्लू मुखिया ने बाढ़ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा और हार गए. इसके बाद पटना विधानपरिषद चुनाव में निराशा हाथ लगी।'कमलेश हत्याकांज में मुझे फंसाया गया' : 2023 कमलेश हत्याकांड में लल्लू मुखिया को अप्राथमिक अभियुक्त बनाया गया था. हालांकि मामले में लल्लू मुखिया का दावा है कि उन्हें इस हत्याकांड में फंसाया गया है. दूसरी तरफ पीड़ित परिवार का भी कहना है कि पुलिस दबाव में कर्णवीर सिंह यादव का नाम केस में जोड़ा गया था।

धान कटे खेत में 60 वर्षीय अधेड़ का शव मिलने से सनसनी, हत्या की जताई गई आशंका

मुंगेर, एजेंसी।संग्रामपुर थाना क्षेत्र के सहोंडा जवाहरनगर गांव के पास रविवार को धान कटे खेत में 60 वर्षीय अधेड़ का शव मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। सुबह शौच के लिए खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखा तो दंग रह गए। तत्काल इसकी सूचना संग्रामपुर थाना पुलिस को दी गई।सूचना पर थाना अध्यक्ष विनोद कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के ग्रामीणों से पहचान को लेकर पूछताछ की। मौके पर मौजूद दीदारगंज पंचायत समिति सदस्य सचिन कुमार ने मृतक की फोटो आसपास के गांवों में भेजकर पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू की। कुछ देर बाद शव की पहचान बेलहर थाना क्षेत्र के खुटहरी गांव निवासी अनारशी शर्मा (60 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस द्वारा सूचना दिए जाने के बाद मृतक के पुत्र सुभीत शर्मा, पत्नी जुली देवी एवं बड़े पुत्र की पत्नी नूतन देवी घटनास्थल पर पहुंचे और रो-रोकर बदहाल हो गए।परिजनों ने बताया कि मृतक शनिवार शाम करीब चार बजे गांव के ही हग्गन पासवान के पुत्र निक्की पासवान के साथ घर से निकले थे और कुछ देर में लौटने की बात कही थी। देर रात तक घर वापस नहीं आने पर परिजनों ने खोजबीन की और बेलहर थाना में इसकी सूचना भी दी। परिजनों और ग्रामीणों को शक है कि हत्या के बाद शव को संग्रामपुर क्षेत्र में लाकर फेंका गया है। मृतक के चेहरे और सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका गहरी हो गई है।घटनास्थल से कुछ दूरी पर मृतक के कपड़े तथा हाथ में पहनने वाला मठिया (कड़ा) भी बरामद हुआ है। पुलिस ने सभी सबूतों को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा ने बताया कि परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया गया है। संदिग्ध आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

भोजपुर में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बेटी के लिए लड़का देखने जा रहे थे, ट्रक ने कुचला; मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम

आरा(भोजपुर), एजेंसी।भोजपुर में बगवां रलवे क्रॉसिंग के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। मौके पर मौत हो गई। ड्राइवर गाड़ी मौके से फरार हो गया। मृतक रामबाबू चौधरी(54) टाउन इलाके के रौजा मोहल्ला वार्ड नंबर-28 के रहने वाले थे। ताड़ी फड़ बेचने का काम करता था। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र की है।हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए। मुआवजे की मांग को लेकर रेलवे क्रॉसिंग के पास शव को बीच सड़क पर रख कर जाम कर दिया। इस दौरान दोनों लेन में के बीच रख जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई।सड़क जाम की सूचना पाकर गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत घटनास्थल पर पहुंचे। समझाने बुझाने के बाद बाद लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। आरपीएफ इंस्पेक्टर को बुलाने की मांग करने लगे। इसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार पहुंचे और जाम को हटवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।ट्रक का चक्का चढ़ गयामृतक के बेटे सरोज कुमार ने बताया कि वह बाइक से मेरी बहन खुशबू कुमारी के लिए लड़का देखने पीरो की ओर जा रहे थे। उसी दौरान बगवां रेलवे क्रॉसिंग के पास अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह नीचे गिर पड़े। तभी ट्रक का पिछला चक्का उन पर चढ़ गया। जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो गई।घर में मचा कोहराममृतक पांच-भाई बहन में तीसरे स्थान पर था। परिवार में पत्नी सीता देवी, तीन पुत्र सरोज कुमार, मनोज कुमार, अमित कुमार और एक पुत्री खुशबू कुमारी है। मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मधुबनी विधायक को शिक्षकों ने सम्मानित किया :कई समस्याओं को लेकर हुई चर्चा

माधव आनंद ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया

मधुबनी, एजेंसी।मधुबनी में शनिवार शाम सर्किट हाउस में कार्यरत नियमित शिक्षक समन्वय समिति ने नव निर्वाचित विधायक माधव आनंद का स्वागत और सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विधायक को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। शिक्षकों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्हें शिक्षाविद और युवा विधायक माधव आनंद से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विधायक सभी कोटि के शिक्षकों की समस्याओं और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए पहल करेंगे।विधायक माधव आनंद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षकों की सभी समस्याओं का समाधान करना और समाज में उनका उचित सम्मान सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम में समन्वयक काशी नारायण मिश्र, अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी, सचिव सतीश कुमार सिंह, वरीय उप सचिव नवनीत कुमार, कोषाध्यक्ष मो मुस्लिम, उपाध्यक्ष संजय पासवान, मनोज मंडल, पंकज चौधरी और मुज्जफर हसन मौजूद थे। टीआरई अध्यापक समूह से शुभम कुमार और आदित्य प्रकाश यादव, तथा प्रधान शिक्षक समूह से लाल बाबू नायक और मो मोइनिद्दीन ने भी भाग लिया।इसके अतिरिक्त, समिति के शिक्षक विनोद कुमार साहू, कन्हैया मिश्रा, राजेश रंजन, राजीव चौधरी, धीरज ठाकुर, सुधाकर सिंह, संजय श्रीवास्तव, छोटे प्रसाद यादव, संजय मिश्रा, रमेश कुमार, बिमल बिहारी दत्त और नलिन ठाकुर सहित 50 से अधिक शिक्षक उपस्थित

शकूराबाद में धड़ल्ले से हो रही सूखे नशे की तस्करीयुवा पीढ़ी प्रभावित

जहानाबाद,एजेंसी।जहानाबाद के शकूराबाद थाना क्षेत्र में सूखे नशे की तस्करी तेजी से बढ़ रही है। शकूराबाद बाजार और आसपास के इलाकों में इसकी बढ़ती सक्रियता से युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासी अशोक कुमार ने बताया कि कई किशोर और युवा खुलेआम सूखे नशे का सेवन कर रहे हैं। इससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और वे मानसिक रूप से अस्थिर होते जा रहे हैं। नशा विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक इसके सेवन से दिमागी संतुलन पर गहरा असर पड़ता है, जिससे युवाओं का व्यवहार हिंसक और अनियंत्रित हो सकता है।इस तस्करी को बढ़ावा देने में युवा तस्करों का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। ये तस्कर छोटी-छोटी टीमें बनाकर कई इलाकों में नशे की आपूर्ति कर रहे हैं। स्थानीय लोग इस सिंडिकेट के प्रभाव से भयभीत हैं, जिसके कारण वे खुलकर बोलने से हिचकिचा रहे हैं।ग्रामीणों कृष्ण कुमार और मनोज कुमार ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इलाके में विशेष अभियान चलाकर नशा तस्करी में शामिल सभी लोगों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। शकूरबाद थाना प्रभारी अनंत कुमार ने इस संबंध में जानकारी मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों की पहचान के लिए एक टीम गठित की गई है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

जमीन के लालच ने छीनी जानः कुदाल के वार से पूर्णिया में 60 वर्षीय वृद्ध की नृशंस हत्या, चार पर एफआईआर दर्ज

पूर्णिया, एजेंसी।पूर्णिया में जमीन के स्वामित्व को लेकर चल रहे विवाद ने एक परिवार के लिए ऐसी खूनी दास्तान लिख दी, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। पूर्णिया जिले के कुंवारी सातमी बीन टोला स्थित घर में घुसकर 60 वर्षीय सकलदेव महतो की कुदाल से पीट-पीटकर नृशंस हत्या कर दी। इस जघन्य वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और भय का माहौल व्याप्त हो गया। सभी आरोपी कटिहार जिले के फलका थाना क्षेत्र के कलीसिया गांव की रहने वाला है।मृतक सकलदेव महतो की पुत्री रूबी देवी ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विवादित जमीन को उनके पिता ने काबाला के आधार पर वैध रूप से खरीदा था। इसके बावजूद, दूसरे पक्ष के लोग लंबे

समय से इस जमीन पर अतिक्रमण करने की नीयत से उन पर दबाव बना रहे थे। रूबी देवी के अनुसार, रविवार को यह तनाव हिंसक रूप ले लिया।कटिहार निवासी सुदामा मंडल और उनके चार पुत्र मंचन मंडल, हरि मंडल, पलटू मंडल और लालू मंडलने उनके घर में धावा बोला। रूबी देवी ने चीखते हुए बताया कि पिता ने विरोध किया तो पांचों आरोपितों ने मिलकर कुदाल जैसे धारदार हथियार से उन पर ताबड़तोड़ वार किए और उन्हें मौके पर ही मार डाला।' आनन-फानन में घायल सकलदेव महतो को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पीड़ित परिवार का दुःख उस वक्त और गहरा हो गया, जब पता चला कि मृतक सकलदेव महतो के दोनों पुत्र अर्जुन महतो और गोलू महतो करीब 15 दिनों पहले ही रोजगार की तलाश में केरल कमाने गए थे। पिता की हत्या की खबर मिलते ही परिवार पर गम का अथाह सागर टूट पड़ा है और मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। रूबी देवी द्वारा मुफस्सिल थाने में चार नामजद आरोपितों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने आरोपियों को जल्द पकड़ने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर खेती कर रहे नालंदा के किसान

एक एकड़ से 3 लाख की कमाई; लागत 30% तक कम, झारखंड से बंगाल तक सप्लाई

नालंदा, एजेंसी।मेडिकल व इंजीनियरिंग के अलावा कृषि में भी बेहतरीन कॅरियर हो सकता है। आज करीब 40 एकड़ में आलू, प्याज, खरबूजा, नींबू, मिर्च, बैगन, पपीता, हल्दी जैसी 15 से ज्यादा नगदी फसलें किसान उपजाते हैं और बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा झारखंड और बंगाल तक उसके उत्पादों की सप्लाई करते हैं। इसके अलावा इनके खेतों के उत्पाद निजी कंपनियां भी खरीदती हैं। हाल ही इन्होंने प्याज की खेप सिलिगुड़ी भेजी है। इनके खेतों से निकला खरबूजा कोलकाता की मंडियों में बिकता है।बिहार के प्रगतिशील किसान में आज बात नालंदा के अमेश विशाल की। अमेश ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की है। लेकिन, उन्होंने इसे बतौर कॅरियर अपनाने की जगह खेती को चुना। पिता त्रिवेणी प्रसाद पारंपरिक खेती करते थे। खुद की अच्छी-खासी जमीन थी। साल 2020 में अमेश ने व्यवसायिक तौर पर खेती की शुरुआत की।नालंदा के सरमेरा

प्रखंड के हुसैना गांव के रहने वाले अमेश विशाल बताते हैं कि ऐसी कोई फसल नहीं जो बिहार की मिट्टी में नहीं हो सके। उनके मुताबिक मिट?टी से ज्यादा जरूरी है- पानी का प्रबंधन। फसलों की सिंचाई पानी को कंट्रोल करते हुए करें, तो फसलें अच्छी होंगी। यह संभव हो पाया ड्रिप एरिगेशन से। उन्होंने तकरीबन 27 एकड़ खेत में ड्रिप एरिगेशन सिस्टम लगा रखा है। जरूरत के मुताबिक ही फसलों का पटवन करते हैं और उन्नत उत्पादन लेते हैं। अमेश ने बताया कि पहले शिमला मिर्च और चुकंदर की खेती यहां की मिट?टी के अनुकूल नहीं मानी जाती थी। पर अब तकनीकों के अपनाने से इनकी अच्छी-खासी पैदावार ली जाती है।

खर-पतवार का प्रबंधन आसानी से हो जाता–अमेश आलू-प्याज को छोड़ अन्य फसलें मल्चिंग तकनीक से उपजाते हैं। इससे खर-पतवार का प्रबंधन आसानी से हो जाता है। खर-पतवार प्रबंधन पर होने वाले अतिरिक्त खर्च को कम करने के लिए वे पूरे खेत में पॉलीथिन बिछाकर मल्चिंग तकनीक का उपयोग करते हैं।पॉलीथिन में सिर्फ पौधा लगाने वाली जगह पर छेद किया जाता है, जिससे खेत में खर-पतवार नहीं उगता और लगभग 30 प्रतिशत तक लागत कम हो जाती है। कृषि क्षेत्र में प्रबंधन आज भी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासकर खेतों में निकाई-गुड़ाई पर किसानों की भारी पूंजी खर्च हो जाती है, जिससे न सिर्फ लागत बढ़ती है बल्कि आमदनी सीमित रह जाती है। कई बार किसान अपनी लगाई पूंजी भी नहीं निकाल पाते। ऐसी स्थिति में अमेश विशाल ने पारंपरिक तरीके से अलग हटकर उदाहरण पेश किया है।

एक एकड़ से 2 से 3 लाख तक की सालाना आमदनी–अमेश विशाल बताते हैं कि खेती भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह ही पूंजी और प्रबंधन की मांग करती है। इसलिए किसानों को नुकसान से बचने के लिए विविध फसलों को विकल्प के रूप में अपनाना चाहिए। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान अमेश ने लगभग 14 राज्यों का भ्रमण किया। इस सफर ने उन्हें खेती के आधुनिक तौर-तरीकों से परिचित कराया। यहीं से उन्होंने मल्चिंग और ड्रिप एरिगेशन तकनीक के महत्व को समझा। इसी ज्ञान के आधार पर वे पिछले पांच सालों से समेकित कृषि प्रणाली के तहत नगदी फसलों की खेती कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि किसान मल्चिंग और ड्रिप एरिगेशन को अपनाएं, तो वे एक एकड़ कृषि भूमि से सालाना 2 से 3 लाख रुपए तक की आमदनी हासिल कर सकते हैं।

बिहार खेल विश्वविद्यालय में बनेगा ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र

नालंदा, एजेंसी।बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर में जल्द ही ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना होगी। यह घोषणा भारत सरकार के संयुक्त सचिव कुणाल कुमार ने की है। इस पहल के साथ बिहार उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां भविष्य के ओलंपिक चैंपियनों को तैयार किया जाएगा। संयुक्त सचिव कुणाल कुमार ने कहा कि बिहार के युवा खिलाड़ियों में अपार संभावनाएं हैं। सही मार्गदर्शन एवं सुविधाओं के साथ वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

गेम चेंजर साबित होगा–संयुक्त सचिव ने स्पष्ट किया कि ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र बिहार के एथलिटों के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा। यहां विश्वस्तरीय कोचिंग, आधुनिक खेल सुविधाएं और वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे प्रशिक्षित खिलाड़ी न केवल ओलंपिक बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भी पदक जीतने में सक्षम होंगे।यह पहल केवल विश्वविद्यालय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। इससे राज्य को देश के खेल मानचित्र पर एक मजबूत और प्रतिष्ठित स्थान मिलेगा। अब तक बिहार के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

नालंदा में 3 दिसंबर से 29वां जिला स्तरीय युवा उत्सव इच्छुक प्रतिभागियों को 2 दिसंबर को कराना होगा रजिस्ट्रेशन

माय भारत पोर्टल पर भी होना होगा पंजीकृत

नालंदा, एजेंसी।नालंदा जिले में 29वां जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 का आयोजन 3 और 4 दिसंबर को टाउन हॉल (कर्पूरी भवन) बिहार शरीफ में किया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन में युवा प्रतिभाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।

जिला कला संस्कृति कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार, प्रतिभागियों की रिपोर्टिंग सुबह 8 बजे से होगी। शुभारंभ सुबह 10 बजे होगा। इस वर्ष के युवा उत्सव में समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, वक्तृता, कहानी लेखन, कविता लेखन, चित्रकारी और विज्ञान मेला सहित कुल सात विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

पहले दिन यानी 3 दिसंबर को समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत और वक्तृता (भाषण) प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि 4 दिसंबर को कहानी लेखन, कविता लेखन, चित्रकारी और विज्ञान मेला की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस बार चित्रकला का विषय 'नशा मुक्त युवा' या 'स्वस्थ जीवन शैली हेतु युवा' रखा गया है, जो समसामयिक सामाजिक चुनौतियों

को रेखांकित करता है।प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक युवाओं की आयु सीमा 15 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आयु की गणना 30 सितंबर 2025 से की जाएगी। दलीय कला विधा में संगत कलाकारों सहित अधिकतम 10 कलाकार शामिल हो सकते हैं। नृत्य और गायन पारंपरिक शैली के होने चाहिए।12 दिसंबर तक होगा रजिस्ट्रेशनसभी इच्छुक प्रतिभागियों को 2 दिसंबर को दोपहर 4 बजे तक जिला कला संस्कृति कार्यालय, नालंदा हेल्थ क्लब, ऐतबारी बाजार, बिहार शरीफ में अपना पंजीकरण कराना होगा। आवेदन प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है या जिला कला संस्कृति कार्यालय के टेलीग्राम ग्रुप से जुड़कर डाउनलोड किया जा सकता है।आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि प्रतिभागियों को अपनी वेशभूषा, परिधान, वाद्ययंत्र, मंच सामग्री और संगत कलाकारों की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। हालांकि, प्रेक्षागृह, मंच, प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था का प्रबंधन आयोजक करेंगे।विशेष बात यह है कि सभी प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत होना होगा। फॉर्म के साथ अन्य दस्तावेजों की दो-दो प्रतियां जमा करनी होंगी।प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के अध्यक्ष जिला कला संस्कृति पदाधिकारी, नालंदा होंगे और उनका निर्णय अंतिम माना जाएगा। यह आयोजन जिले की युवा प्रतिभाओं को राज्य स्तरीय मंच पर पहुंचने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

भोजपुर में हत्या के आरोपी के घर कुर्की

जगदेव नगर में पांच घंटे तक चली कार्रवाई, खिड़की-दरवाजे से लेकर बक्सा-कुर्सी तक किया जब्त

आरा(भोजपुर), एजेंसी।भोजपुर के नवादा पुलिस ने रविवार को जगदेव नगर मोहल्ले में हत्याकांड के फरार आरोपी के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई सहार थाना क्षेत्र के एकवारी गांव निवासी विजय सिंह के पुत्र सोनू सिंह उर्फ सोमू सिंह के घर की गई, जो पिछले कई महीनों से फरार चल रहा है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने घर से खिड़की, दरवाजे, बक्सा, कुर्सी सहित अन्य घरेलू सामान जब्त किया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया करीब पांच घंटे तक चली।

2020 में अपराधियों ने मारी थी गोली–जानकारी के अनुसार, 27 सितंबर 2020 को नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर स्थित दुर्गा मंदिर के पास उपेंद्र सिंह उर्फ मिथुन सिंह की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना में मृतक के दोस्त प्रिंस सिंह बजरंगी भी गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हुए थेमामले में मृतक के पिता सीताराम सिंह की ओर से दीपक, सुमन, बिट्टू और रिशु को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी के बाद पुलिस ने अधिकांश आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन सोनू सिंह उर्फ सोमू सिंह तब से ही फरार था।पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट के आदेश पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घर का तलाशी अभियान चलाया और जब्ती सूची के अनुसार सामानों को कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। बता दें कि इससे पहले बीते गुरुवार को दो लाख के इनामी और तरारी के भकुरा निवासी दीपक पांडेय के घर भी पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की थी। लगातार फरार चल रहे आरोपितों के खिलाफ पुलिस की यह सख्त कार्रवाई जिले में अपराधियों के प्रति सख्त रुख का संकेत मानी जा रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

बरात में रंगशाला देखने के दौरान दो पक्षों में मारपीट

अलीगढ़ , एजेंसी। क्षेत्र के गांव नगला खारी में शनिवार रात बरात चढ़त के दौरान रंगशाला (डांस पार्टी) देखने के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दी गई है। प्रथम पक्ष के उमेश ने तहरीर में कहा है कि गांव के बाबूराम की बेटी कुसमा की शादी में रंगशाला (डांस पार्टी) आई थी, जिसे देखने दूसरे पक्ष से भगवान दास उर्फ भीमा अपने साथियों के साथ रंगशाला के पास पहुंचा। आरोप है कि इसी दौरान उमेश और भीमा में गाली-गलौज होने के साथ मारपीट हो गई। ग्रामीणों ने दोनों को अलग-अलग कर दिया। वहीं भीमा पक्ष की ओर से दी गई तहरीर में आरोप है कि बारात चढ़त के बाद उमश पक्ष ने भीमा के घर में घुसकर मारपीट कर घर में खड़ी बाइक व अन्य सामान की तोड़फोड़ कर दी। प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में मारपीट व तोड़फोड़ की जानकारी मिली है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत, कमरे में फंदे से लटका मिला शव, पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच में लगी

अमेठी , एजेंसी। अमेठी जिले के पीपरपुर के दुर्गापुर गांव में सोमवार की सुबह एक विवाहिता मृत अवस्था में मिली। रवींद्र वर्मा की पत्नी सपना वर्मा (25) का शव कमरे में गमछे से लटका मिला। सपना के मायके पक्ष ने इस मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग उठाई है। सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम पहुंची। टीम ने कमरे का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में मामला कई बिंदुओं पर आधारित दिखा है। मायके पक्ष ने कहा कि घटनास्थल की स्थिति सामान्य नहीं लग रही, इसलिए सभी पहलुओं की जांच आवश्यक है। सपना की शादी तीन वर्ष पहले हुई थी। मौत के कारण पर अभी कोई पुष्टि नहीं है। इंस्पेक्टर श्रीराम पांडेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्थिति स्पष्ट होगी। परिजनों के बयान सहित सभी संबंधित बिंदुओं की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

हाईवे पर बोलेरो की टक्कर से पलटा लोडर, दबकर चालक की मौत

उन्नाव , एजेंसी। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर तकिया मेला द्वार के पास बोलेरो की टक्कर से लोडर पलट गया। इसमें दबकर चालक की मौत हो गई। चार अन्य लोग चोटिल हो गए। आईं। पुलिस ने जांच की और घायलों का प्राथमिक उपचार कराया। घटना के बाद चालक बोलेरो लेकर भाग निकला। रायबरेली जिले के थाना खीरो क्षेत्र के जगन्नाथगंज निवासी राकेश गुप्ता (42) लोडर चलाते थे। शनिवार को पड़ोसी गांव से बरात लेकर बिहार थाना क्षेत्र के ककरारी गांव आए थे। रात करीब 12 :30 बजे घर जा रहे थे। चार और साथी लोडर में बैठ गए। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर बिहार थाना क्षेत्र के तकिया मेला द्वार के सामने तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से लोडर डिवाइडर पर पलट गया।चालक राकेश लोडर में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों साथियों को मामूली चोट आई। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छोटे भाई गणेश ने बताया कि राकेश की पत्नी रेखा और दो बच्चों में अंशिका और विष्णु हैं। बेटे की मौत से मां बिटाना और अन्य परिजन बेहाल हैं। बिहार थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। भाई की तहरीर पर अज्ञात बोलेरो चालक पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

घर में घुसकर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म

डिडौली , एजेंसी। घर में घुसकर गांव के ही पांच लोगों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। थाना पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो अब न्यायालय के आदेश पर दो सगे भाई समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। यह मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां पर किसान का परिवार रहता है। 4 अप्रैल 2025 को किसान घर से बाहर गया हुआ था। इस दौरान उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ घर में सोई हुई थी। तभी गांव के रहने वाला साहिल, रजा, मुजफ्फर, शाकिर और नौशाद घर में घुस आए और तमंचे के बल पर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के शोर मचाने पर पहुंची पड़ोसी महिला के साथ भी अभियुक्तों ने छेड़खानी की। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी अभियुक्त पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़िता ने मामले की शिकायत डिडौली कोतवाली पुलिस से की तो अभियुक्त ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जांच करने के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं की। लिहाजा पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर साहिल, रजा, मुजफ्फर, शाकिर और नौशाद के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

लखनऊ में बिजली के 1,13,758 डिफाल्टर... घर, दुकान और कार्यालय पहुंचेगा नोटिस, बिल चुकाने पर फायदा

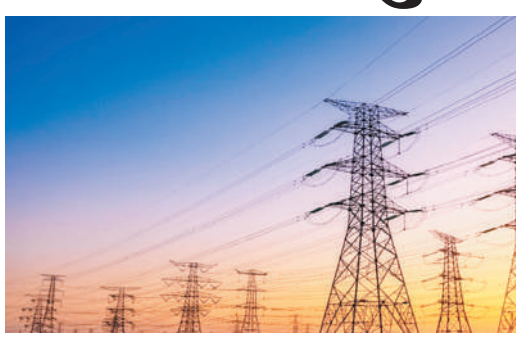

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में गांव से लेकर शहर तक 1,13,758 बिजली डिफाल्टर चिह्नित हुए हैं। इन पर लगभग 842 करोड़ रुपये की देनदारी है। इनमें 72,748 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने बिजली तो जलाई, मगर बिल नहीं चुकाया, जबकि 41,010 उपभोक्ता बिजली चोरी के मामलों में पकड़े गए हैं। ऐसे सभी बकायेदारों के लिए पावर कॉर्पोरेशन बिजली बिल राहत योजना (एकमुश्त समाधान योजना) लेकर आया है।

एक दिसंबर से शुरू हो रहे पहले चरण में डिफाल्टरों के 100 प्रतिशत ब्याज माफ किए जाएंगे और मूल रकम पर भी 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सभी बकायेदारों के नोटिस तैयार होकर कार्यालयों तक पहुंच चुके हैं। सोमवार से इन नोटिसों को डिफाल्टरों के घर, दुकान, कार्यालय भेजने का काम शुरू हो जाएगा।

जनसुविधा एवं बिलिंग केंद्रों पर पंजीकरण : मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए शहर से लेकर गांव तक सभी जनसुविधा एवं बिलिंग केंद्रों पर पंजीकरण होगा। उपभोक्ता सिर्फ अपना खाता नंबर देकर यह जानकारी हासिल कर सकते हैं कि उन्हें एकमुश्त भुगतान या किश्तों में कितना लाभ मिलेगा।

बिजली चोरी में फंसे उपभोक्ताओं के लिए 50 प्रतिशत छूट : अमौसी जोन के मुख्य अभियंता महफूज आलम के अनुसार, निगोहां से रहीमाबाद और बंथरा-हरौनी से आलमबाग तक कुल बिजली चोरी में फंसे 29,111 उपभोक्ताओं पर करीब 414 करोड़ रुपये बकाया है। पहले चरण में जुर्माना भरने पर 50 प्रतिशत, दूसरे में 45 प्रतिशत और तीसरे चरण में 40 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। यानी दो लाख रुपये का जुर्माना सिर्फ एक लाख में समाप्त हो सकता है।

प्रदेश के बिजली बकायदारों के लिए खुशखबरी, प्रदेश में लागू होगी बिल माफी योजना

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में सोमवार से शुरू हो रही बिजली राहत योजना में एक से 31 दिसंबर तक पंजीयन कराने वाले उपभोक्ताओं को सरचार्ज में पूरी और मूल बिल के बकाये में 25 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके बाद जनवरी में 20 फीसदी और फरवरी में 15 फीसदी छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उपभोक्ताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

प्रदेश में एमएलवी 1 (घरेलू) अधिकतम दो किलोवाट और एलएमवी 2 (वाणिज्यिक) एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को बिजली बिल बकाये में राहत दी जा रही है। एक से 31 दिसंबर तक मूलधन में 25 फीसदी और सरचार्ज में शत प्रतिशत छूट देने की व्यवस्था पहली बार की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जनकल्याणकारी कदम है। इसका सीधा लाभ आम नागरिकों

और छोटे बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। योजना का लाभ एक दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक उठा सकते हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बिजली बिल राहत योजना में कभी बिल जमा न करने वाले, लंबे समय से बिल नहीं जमा करने वाले और चोरी के प्रकरणों के समाधान वाले उपभोक्ताओं को शामिल किया गया है।

गांव-गांव उपभोक्ताओं से संपर्क कर पंजीयन कराएं अधिकारी : डॉ. गोयल

पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि उपभोक्ता से संपर्क कर उसे योजना की जानकारी दें। गांव-गांव मुनादी कराएं। बकाये का नोटिस दें। गांवों में जाकर बकायेदारों का पंजीयन कराएं। पंजीकरण के दौरान 2000 रुपये जमा करने होंगे। पंजीकरण कराते समय शेष बकाया विद्युत बिल का भुगतान करने के लिए विकल्प उपलब्ध होंगे, जिसमें से उपभोक्ता द्वारा एक विकल्प का चयन किया जाएगा। चेकिंग संख्या एवं उपभोक्ता अकाउंट आईडी अंकित करने पर छूट संबंधी सभी सूचना ऑनलाइन दिखेगी। योजना की जानकारी 1912 से भी ली जा सकती है।

दो नए एसटीपी बनेंगे, एक हफ्ते में शुरू होगा काम

लखनऊ , एजेंसी। गोमती नदी में प्रदूषण कम करने के लिए दो नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं। फैजुल्लागंज से सटे लोनीपुरवा एसटीपी को मंजूरी मिल चुकी है और एक सप्ताह के अंदर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वहीं कुकरैल नाले के किनारे बनने वाले एसटीपी का प्रस्ताव तैयार है, जो राज्यस्तरीय तकनीकी समिति की मंजूरी मिलने के बाद करीब छह महीने में जमीन पर उतर जाएगा।

इन दोनों एसटीपी के चालू होने पर गोमती में गिरने वाला प्रदूषण काफी हद तक घटेगा। वर्तमान में शहर के 26 नालों में से 19 नालों को भरवारा और दौलतगंज एसटीपी से जोड़ा जा चुका है। सात बड़े नाले अभी भी सीधे नदी में गिरते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी को देखते हुए हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोमती को प्रदूषणमुक्त बनाने के निर्देश दिए थे। कोई बड़ा प्रोजेक्ट पास होकर नहीं आया है। यह दोनों प्रोजेक्ट पहले के हैं।

सीवर ज्यादा, एसटीपी कम : फिलहाल शहर में निकलने वाले कुल 790 एमएलडी गंदे पानी में से तीन एसटीपी मिलकर सिर्फ 520 एमएलडी का ही ट्रीटमेंट कर पाते हैं। यानी 270 एमएलडी सीवर पानी बिना शोधन सीधे गोमती में पहुंच रहा है। लोनीपुरवा और कुकरैल एसटीपी शुरू होने पर करीब 90 एमएलडी गंदा पानी कम जाएगा।

दिसंबर लगते ही प्रदेश में बढ़ी ठिठुरन और गलन, पछुआ हवाएं गिरा सकती हैं रात का तापमान; पूर्वानुमान जारी

लखनऊ , एजेंसी। दिसंबर लगते ही प्रदेश में ठंड की आवक हुई है। उत्तर प्रदेश में फिर से पछुआ हवाओं की वापसी से सोमवार से ठंड में बढ़ोतरी देखने को मिली। इधर रविवार को प्रदेश में दिन भर 25 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों में पश्चिमी यूपी में दिन व रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। सोमवार से पूरे प्रदेश में ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी।

8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बरेली सबसे ठंडा रहा। वहीं इटावा में रात का पारा 9.4 डिग्री और नजीबाबाद में 9.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर पूरे प्रदेश में दिखाई देगा। ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी। मंगलवार को सुबह तराई समेत ज्यादातर इलाकों में सुबह शाम हल्के से मध्यम कोहरे का असर दिखाई देगा।

पछुआ हवाओं के जोर से बढ़ी

गलन : राजधानी में रविवार को दिन भर तेज पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से धूप की तपिश कम हुई और दिन के तापमान में 1.1 डिग्री की गिरावट आई। शाम होने तक हवा में अच्छी खासी गलन महसूस की गई और शनिवार के मुकाबले रात भी सर्द रही। मौसम विभाग का कहना है कि लखनऊ समेत प्रदेश भर में ठंडी पछुआ के असर से अगले दो-तीन दिनों में दिन व रात के पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले दो दिनों में उत्तरी पछुआ हवाओं का असर राजधानी में भी दिखाई देगा। ठंड में क्रमशः बढ़ोतरी आएगी।

रविवार को दिन का तापमान 1.1 डिग्री की गिरावट के साथ 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का पारा 0.7 डिग्री की बढ़त के साथ 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

दवाओं ने बदली एड्स संक्रमित दंपतियों की जिंदगी, दोनों के प्रभावित होने पर भी बच्चा हो रहा निरोग

लखनऊ , एजेंसी। एचआईवी-एड्स संक्रमित दंपती दवाओं के प्रभाव की वजह से स्वस्थ बच्चे को जन्म दे पा रहे हैं। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के एंटी रेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर पर एक-दो नहीं बल्कि 80 ऐसे मामले हैं जिनमें एचआईवी-एड्स पीड़ित दंपती ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है।

केजीएमयू के संक्रामक रोग प्रभारी डॉ.डी हिमांशु ने बताया कि आम धारणा है कि एचआईवी-एड्स पीड़ित संक्रमित व्यक्ति के बच्चे भी संक्रमित होते हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। अगर शुरुआती समय से ही संक्रमित एआरटी सेंटर आकर दवाएं लेना शुरू कर दें तो वे संक्रमित व्यक्ति से न सिर्फ शादी कर सकते हैं बल्कि बच्चे भी पैदा कर सकते हैं। दवाओं के प्रभाव से इनके होने वाले बच्चे 99 फीसदी तक गैर-संक्रमित हो सकते हैं।

समझें क्या है एचआई-एड्स

ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स) का कारण बनता है। एचआईवी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है। इसकी वजह से शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। इलाज न होने पर यह एड्स बन जाता है। एड्स एचआईवी संक्रमण का अंतिम और सबसे गंभीर चरण है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली रोगों से लड़ने में असमर्थ हो जाती है। इसकी वजह से संक्रमित व्यक्ति को टीबी समेत कई अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

कैसे होता है संक्रमण

एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का खून दूसरे को चढ़ाने, असुरक्षित यौन संबंध बनाने, संक्रमित सुई का इस्तेमाल दूसरे के लिए करने, गर्भवती से उसके होने वाले बच्चे को यह बीमारी हो सकती है, जिसे दवाओं से ठीक किया जा सकता है।

एचवाई का नहीं है इलाज

डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि एचआईवी का इलाज फिलहाल उपलब्ध नहीं है, लेकिन आधुनिक दवाओं के प्रभाव से संक्रमित व्यक्ति लंबे समय तक जीवित रहता है। इस समय संक्रमित व्यक्तियों के जीवित रहने की दर 37 फीसदी तक पहुंच चुकी है।

कानपुर में पेड़ पर लटका मिला दोस्तों के साथ निकले युवक का शव, हत्या की आशंका : बवाल

सुनील बाजपेई

कानपुर। तीन दोस्तों के साथ घर से निकले युवक का शव आज सोमवार को सचेंडी थाना क्षेत्र में पेड़ पर लड़का मिला। परिजनों ने उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल भी किया, जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उनको समझ बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने बताया कि उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ,जिसकी रिपोर्ट के आधार पर ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। घटना में पुलिस और फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्रित किए।

परिजनों ने गांव के कुछ युवकों पर हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच पड़ताल कर साक्ष्य एकत्रित किए हैं। दोस्तों और उनके परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक बिठूर के तिवारीपुर गांव के मजरे बनी निवासी गौरव उर्फ मनीष तिवारी (28) प्राइवेट नौकरी करता था।

पुलिस ने बताया कि परिवार में पिता रामदत्त तिवारी और छोटा भाई सौरभ है। मां की मौत करीब दस साल पहले हो चुकी है। गौरव का शव सोमवार सुबह सचेंडी के रैकेपुर इलाके में रिंग रोड के पास स्थित खेतों में नीम के पेड़ से इनर के सहारे लटका मिला। जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने गांव के ही युवकों पर हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। छोटे भाई सौरभ के मुताबिक गौरव रविवार सुबह घर से गांव के तीन युवकों के साथ निकला था। शाम तक वापस नहीं आया तो खोजबीन की। सुबह मौत की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि परिजन जो आरोप लगा रहे हैं। उस आधार पर जांच कराई जा रही है। इसके लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

75 में से सिर्फ 16 जिलों में कार्रवाई... बेसहारा लोगों के पुनर्वास मामले में हाईकोर्ट सख्त, मांगा जवाब

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश के बेघर व बेसहारा लोगों के पुनर्वास मामले में 75 में से सिर्फ 16 जिलों में कार्रवाई किए जाने पर सख्त रुख अपनाया है। इससे असंतुष्ट कोर्ट ने पहले के आदेशों के तहत उठाए गए कदमों की जानकारी अफसरों से मांगी है।

कोर्ट ने मामले में पूरे प्रदेश में समुचित कारवाई का आदेश अफसरों को दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश ज्योति राजपूत की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में राजधानी समेत प्रदेश के जिलों में मंदिरों, अस्पतालों, फुटपाथों आदि के पास रहने वाले बेघर, बेसहारा, मानसिक मंदित लोगों की पीड़ा के मुद्दे को उठाया गया है। याची ने ऐसे लोगों के समुचित इलाज समेत शरण देने के निर्देश जारी करने की गुजारिश की है। राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में कहा गया कि 16 जिलों में 649 बेसहारा लोगों की पहचान की गई है और उनके पुनर्वास के लिए कदम उठाए गए हैं।

थापर नगर विवाद सुलझा, बातचीत से बनी सहमति, हिंदू परिवार खरीदेगा मकान

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के थापर नगर में मुस्लिम परिवार के मकान खरीदने का मामला रविवार को भी पूरे दिन गरमाया रहा। हालांकि व्यापारी नेता जीतू नागपाल की पहल पर शाम तक दोनों पक्ष विवाद निपटाने पर सहमत हो गए। तय किया गया कि सईद को बेचा गया मकान अब हिंदू परिवार खरीदेगा। सोमवार को इसकी रजिस्ट्री प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। समझौता होने के बाद व्यापारी नेता जीतू नागपाल ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

दरअसल, थापर नगर के रहने वाले अनुभव कालरा ने जली कोठी निवासी सईद को अपना मकान बेच दिया था। इसकी रकम लेकर अनुभव कालरा ने रजिस्ट्री भी करा दी थी। इसके बाद स्थानीय हिंदू परिवारों और अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने पलायन के पोस्टरों के साथ कड़ा विरोध जताया। उनका कहना था कि यहां मुस्लिम परिवार को मकान में नहीं रहने दिया जाएगा।

इस मामले में शनिवार को अखिल भारतीय

हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही की अगुवाई में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने सदर बाजार थाने में छह घंटे तक धरना दिया था। हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। विवाद दूर करने के लिए तीन दिन का समय देकर धरना स्थगित किया गया था। वहीं, वार्ता के लिए थाने बुलाए गए मकान के खरीदार सईद की हालत बिगड़ गई थी। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस प्रकरण में रविवार को पहले थापर नगर गली नंबर सात स्थित गुरुद्वारा सिंह गुरुनानक दरबार में बैठक हुई। इसमें सचिन सिरोही, भाजपा नेता नवीन अरोडा, जीतू सिंह नागपाल और थापर नगर के रहने वाले अन्य लोग शामिल हुए। इसमें जीतू नागपाल ने कहा कि वह जिम्मेदारी ले रहे हैं कि यह मकान हिंदू परिवार को ही दिलाएंगे।

इसके बाद शाम छह बजे जीतू सिंह नागपाल के नेतृत्व में सोतीगंज में स्पेयर पार्ट्स की दुकान पर बैठक हुई। इसमें राहुल ठाकुर, वेदांत अरोड़ा, जीतू नागपाल और दूसरे पक्ष से सईद के चाचा कल्लू पहलवान, पार्षद शाहिद पहलवान और शाहबाज शामिल हुए।

जिला अस्पताल में जाना सईद का हाल

जिला अस्पताल में उपचार करा रहे सईद का हाल जानने के लिए युवा सेवा समिति के अध्यक्ष बदर अली पहुंचे। बदर अली ने कहा कि अनुभव कालरा ने अपनी मर्जी से मकान बेचा है। कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए बेवजह इस मुद्दे को तूल दे रहे हैं। पुलिस अधिकारियों से वार्ता हो गई है। उन्होंने कहा कि सईद के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

भारत में इमरान की बहन के इंटरव्यू से पाकिस्तान नाराज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इमरान खान की बहन नोरीन खान नियाजी के भारतीय मीडिया को दिए इंटरव्यूज पर नाराजगी जताई है। तरार ने कहा कि नोरीन ने पाकिस्तान की छवि खराब की है, देश की बुराई करने वालों को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नोरीन ने भारत से जुड़े किसी मुद्दे जैसे कश्मीर या भारत में मुसलमानों की हालत पर कुछ नहीं कहा। तरार ने यह भी पूछा कि नोरीन ने भारतीय चैनल पर जाकर मोदी सरकार की बुराई क्यों नहीं की। नोरीन ने हाल ही में न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए पाकिस्तानी सेना चीफ आसिम मुनीर को तानाशाह बताया था। उन्होंने कहा था कि ट्रम्प ने हमारे देश के तानाशाह असीम मुनीर को अपना बहुत अच्छा दोस्त बताया था। असीम मुनीर अब बड़ी ताकत हैं। हालांकि पाकिस्तान में पहले भी तानाशाह आ चुके हैं और उनका अंजाम अच्छा नहीं हुआ। तरार के मुताबिक नोरीन ने इंटरव्यू में सिर्फ इतना कहा कि इमरान एक भ्रष्टाचार के मामले में कैदी हैं और उनके साथ जेल में गलत व्यवहार हो रहा है, जबकि उनसे उम्मीद थी कि वे पाकिस्तान के मुद्दों की बात करतीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इमरान खान का परिवार और उनकी पार्टी पाकिस्तान के खिलाफ बयान देते हैं। तरार का कहना है कि भारतीय मीडिया जानबूझकर इमरान के परिवार को मंच दे रहा है ताकि पाकिस्तान की छवि खराब हो। तरार ने यह भी दावा किया कि 9 मई 2023 को इमरान की पहली गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा में इमरान की तीनों बहनें शामिल थीं। उनका का कहना है कि वे कोर कमांडर के घर तक गई थीं और वीडियो में भी दिखाई देती हैं। उनके मुताबिक यह भी एक सबूत है।

साउथ एशिया में बाढ़ से 1000 की मौत, इंडोनेशिया और श्रीलंका में सैकड़ों लापता

नई दिल्ली। साउथ एशियाई देशों इंडोनेशिया, श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड में आए भीषण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो गई है। कई देशों में राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इंडोनेशिया में मौत का आंकड़ा बढ़कर 502 हो गया है, जबकि 508 लोग अब भी लापता हैं। वहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने यह अपडेट जारी किया है। श्रीलंका में कम से कम 340 लोगों की मौत हो चुकी है। राजधानी कोलंबो में रातभर पानी बढ़ने के बाद अब बारिश रुक गई है, जिससे उम्मीद है कि पानी कम होना शुरू होगा। श्रीलंका और इंडोनेशिया दोनों ने राहत कार्यों के लिए सेना को तैनात किया है। थाईलैंड के दक्षिणी हिस्सों में आई बाढ़ में 176 लोगों की मौत हुई है। यह पिछले दस वर्षों में वहां की सबसे घातक बाढ़ मानी जा रही है। मलेशिया के उत्तरी पेरलिस राज्य से दो मौतों की जानकारी मिली है।

पाकिस्तान की फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार देर रात नोककुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (FC) के हेडक्वार्टर पर सुसाइड अटैक हुआ। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मेन गेट के पास एक सुसाइड बॉम्बर ने खुद को उड़ा लिया। धमाका इतना जोरदार था कि गेट टूट गया। इसके बाद 6 हथियारबंद लड़ाके अंदर घुस आए। सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई शुरू की। भारी गोलीबारी के बाद 3 हमलावरों की मौत हो गई। वहीं, डॉन के ही कुछ सूत्रों ने 6 हमलावरों के मारे जाने का दावा किया है। इस बीच, पंजगुर जिले के गुरमाकन इलाके में भी एक FC चेकपोस्ट पर हमला हुआ। FC के प्रवक्ता ने दावा किया कि दोनों अटैक बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने किया है। कुछ घंटे पहले इसी इलाके में एक दिन में लगातार 7 धमाके हुए थे। संदिग्ध उग्रवादियों ने क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में कई जगहों को निशाना बनाया। धमाकों में किसी की मौत नहीं हुई। शनिवार को क्वेटा में पुलिस चेकपोस्ट पर हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया। इसके बाद एंटी-टेररिज्म डिपार्टमेंट (ATD) की गाड़ी के पास IED ब्लास्ट हुआ। शाम तक तीन और धमाके हुए। क्वेटा के SSP आसिफ खान के मुताबिक, सरियाब रोड पर निर्माण कंपनी के कैंप पर हथियारबंद लोगों ने ग्रेनेड फेंके, जिसमें दो गार्ड जख्मी हुए। मनजूर शहीद पुलिस स्टेशन पर भी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने दो ग्रेनेड फेंके। इनमें से एक मौके पर फट गया, दूसरा बम स्क्वाड ने निष्क्रिय कर दिया। शहर के बाहरी हिस्से लोहर करेज के पास रेलवे ट्रैक को भी IED ब्लास्ट कर उड़ा दिया।

संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचीं कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक कुत्ता लेकर संसद परिसर में पहुंच गईं। इस घटना पर बीजेपी सांसदों ने कड़ा विरोध जताया है। रेणुका चौधरी से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा- सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। इसमें क्या हर्ज है? उन्होंने कहा, ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और डसने वाले संसद में, कुत्ते नहीं। उनके इस कदम पर बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने नाराजगी जताई और कहा- रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता। संसद की सिक्योरिटी कंसर्न को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा, 'कौन सा प्रोटोकॉल। कहीं कोई कानून बना है क्या। मैं रास्ते में आ रही थी। वहां स्कूटर और कार वाले का टक्कर हुआ। उसके आगे ये छोटा पिल्ला निकलकर सामने आ गया। ये चारों तरफ सड़क पर घूम रहा था। मैंने सोचा ये पहिए के नीचे आ जाएगा, तो मैंने उठाकर गाड़ी में रख लिया और संसद आ गई और वापस भिजवा दिया।' उन्होंने कहा कि गाड़ी भी गई और कुत्ता भी, तो किस बात की चर्चा चल रही है। असली डसने वाले और काटने वाले संसद में बैठे हैं। वे सरकार चलाते हैं। उसका कोई एतराज नहीं। हम किसी गूंगे जानवर की देखभाल करते हैं। वह चर्चा बन गई और कुछ नहीं है कि सरकार के पास।

थरूर कांग्रेस की स्ट्रेटेजिक मीटिंग में फिर नहीं पहुंचे

नई दिल्ली। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर और MP शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस के स्ट्रेटेजिक ग्रुप की एक जरूरी मीटिंग अटेंड नहीं की। 30 नवंबर को पार्लियामेंट के विंटर सेशन को लेकर सोनिया गांधी की लीडरशिप में बैठक हुई। हालांकि थरूर के ऑफिस ने बताया कि वह केरल में अपनी 90 साल की मां के साथ हैं। यह दूसरा मौका है जब थरूर पार्टी की किसी मीटिंग में नहीं पहुंचे। इससे पहले खराब सेहत का हवाला देकर SIR मुद्दे पर बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी वे नहीं पहुंचे थे। उस दौरान वे पीएम मोदी के इवेंट में शामिल हुए थे, जिसे लेकर बवाल मचा था। कांग्रेस की जरूरी मीटिंग्स से थरूर का लगातार गायब रहना पार्टी के अंदर चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस और थरूर के बीच का रिश्ता लंबे समय से किसी से छिपा नहीं है, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई मौकों पर थरूर का PM मोदी की तरफ झुकाव अक्सर सुर्खियों में रहता है। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी और प्रचार का हवाला देकर कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी 30 नवंबर की मीटिंग में शामिल नहीं हुए। केरल में स्थानीय निकाय चुनाव 9 और 11 दिसंबर को होने हैं। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि शशि थरूर की प्रॉब्लम यह है कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें देश के बारे में ज्यादा पता है। अगर आपके हिसाब से कोई कांग्रेस की पॉलिसी के खिलाफ जाकर देश का भला कर रहा है, तो आपको उन पॉलिसी को फॉलो करना चाहिए। आप कांग्रेस में क्यों हैं? क्या सिर्फ इसलिए कि सांसद हैं। दीक्षित ने कहा- अगर थरूर को सच में लगता है कि BJP या PM मोदी की स्ट्रेटेजी आपकी पार्टी से बेहतर काम कर रही हैं, तो आपको एक्सप्लेनेशन देना चाहिए। अगर आप एक्सप्लेनेशन नहीं दे रहे हैं, तो आप दोगले हैं।

दिल्ली-एनसीआर प्रदूषण, सुप्रीम कोर्ट बोला- सिर्फ किसान जिम्मेदार नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

- कोविड में भी पराली जलाई फिर भी आसमान साफ था, सरकार एक्शन प्लान पर दोबारा विचार करे

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-NCR में बढ़ रहे वायु प्रदूषण पर केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों को फटकार लगाई। अदालत ने वायु प्रदूषण के लिए सिर्फ किसानों को जिम्मेदार ठहराने पर आपत्ति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने एमसी मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पराली जलाना नया नहीं है। 4-5 साल पहले कोविड और लॉकडाउन के दौरान भी पराली जलाई जा रही थी फिर भी आसमान साफ और नीला दिखाई देता था, अब क्यों नहीं? चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस बागची की बेंच ने कहा कि पराली जलाने से जुड़ी बहस को राजनीतिक या अहंकार का मुद्दा नहीं बनना चाहिए। दिल्ली की जहरीली हवा के कई कारण हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बढ़ते एयर पॉल्यूशन के पीछे पराली जलाने के अलावा दूसरे कारणों का साइंटिफिक एनालिसिस भी किया जाना चाहिए। अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

ASG बोलीं- कार्रवाई रिपोर्ट जल्द दी जाएगी: कोर्ट ने CAQM की ओर से पेश हुईं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से पूछा कि पराली जलाने के अलावा प्रदूषण बढ़ने के और कौन से प्रमुख कारण हैं। ASG ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट को बताया कि पंजाब, हरियाणा और CPCB सहित सभी एजेंसियों की कार्रवाई रिपोर्ट जल्द दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों को शून्य पराली दहन का लक्ष्य दिया गया था जो पूरा नहीं हुआ। हालांकि पराली जलाना सिर्फ एक मौसमी कारण है।

जस्टिस बागची ने कहा कि निर्माण कार्य भी प्रदूषण का बड़ा कारण है और पूछा कि निर्माण पर लगा प्रतिबंध जमीन पर कितना प्रभावी रूप से लागू हो रहा है। कोर्ट ने कहा कि वह प्रदूषण मामले पर हर महीने कम से कम दो बार सुनवाई करेगी। कोर्ट ने माना कि सर्दियों के बाद हालात कुछ बेहतर होते हैं लेकिन अगर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो इतिहास खुद को दोहराएगा।

सीबीआई देशभर के डिजिटल अरेस्ट केस की जांच करेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- राज्य सरकारें जांच एजेंसी की मदद करें, कहा- ये तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम

सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (CBI) को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान SC ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में CBI की मदद करने के भी निर्देश दिए। CJI सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो/ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं।

CJI सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए AI और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में SC ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 हजार करोड़ की ठगी का पता चला है। अदालत ने इसे 'आयरन हैंड' से निपटने लायक गंभीर 'राष्ट्रीय समस्या' बताया था।

दरअसल, हरियाणा के अंबाला जिले में बुजुर्ग दंपति से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपए की ठगी हुई थी। दंपती को सुप्रीम कोर्ट के जजों के फर्जी साइन और जांच एजेंसियों के नकली आदेश दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया गया था।

एमपी में नवंबर में रिकॉर्ड सर्दी, दिसंबर में और बढ़ेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों पर वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है, इसके कारण फिलहाल उत्तरी हवाएं कमजोर हैं। लेकिन 2-3 दिसंबर के बाद, जब यह सिस्टम आगे बढ़ जाएगा तब फिर से बर्फीली हवाएं चलने लगेंगी। इसके असर से राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सर्दी तेज होगी। इस दौरान कई शहरों में शीतलहर चलेगी।

इधर राजस्थान में सर्दी फिर से बढ़ने लगी है। रविवार को प्रदेश के कई शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 1 से 3 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग ने झुंझुनूं-सीकर जिलों में 3-4 दिसंबर को शीतलहर चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

उधर मध्य प्रदेश में अबकी बार नवंबर में रिकॉर्डतोड़ सर्दी पड़ी। भोपाल में पारा 5.2 डिग्री पहुंच गया, जो 84 साल में सबसे कम रहा। 16 दिन शीतलहर चली, जबकि 18 दिन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। वहीं इंदौर में 25 साल में सबसे ज्यादा सर्दी रही। अब दिसंबर भी ऐसा ही रह सकता है। कई शहरों में रात का पारा 5 डिग्री के नीचे पहुंच सकता है और कोल्डवेव का अलर्ट है। हिमाचल का रोहतांग पास बर्फ की चादर ओढ़ चुका है, हालांकि 4-5 दिसंबर को फिर बारिश-बर्फबारी का अलर्ट है। वहीं, मनाली समेत राज्य के 15 शहरों का तापमान 5° से डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है।

हैदराबाद में फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश, 9 गिरफ्तार, ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से 10 करोड़ ठगे

एजेंसी, हैदराबाद

- 12 कंप्यूटर, 7 मोबाइल और चेक बुक जब्त

हैदराबाद की साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से करीब 10 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने छापेमारी कर 9 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया। पुलिस का कहना है कि फ्रॉड रैकेट के मास्टरमाइंड प्रवीण और प्रकाश फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। DCP ने बताया कि यह कॉल सेंटर माधोपुर की अयप्पा सोसाइटी में रिज IT सॉल्यूशन के नाम से चल रहा था। SOT बालानगर और साइबर क्राइम टीम ने 12 कंप्यूटर और 45 ऑस्ट्रेलियाई बैंक खातों का डेटा जब्त किया।

ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को नकली पॉप-अप और ईमेल भेजे जाते, जिनमें लिखा होता कि उनके कंप्यूटर में वायरस है, तुरंत कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करें। कॉल आते ही उसे X-Lite ऐप के जरिए फर्जी कॉल सेंटर में ट्रांसफर कर दिया जाता था और जहां स्कैमर्स पीड़ितों से बात करते थे। स्कैमर्स पीड़ितों को डराकर AnyDesk डाउनलोड कराते। रिमोट एक्सेस लेकर सिस्टम कंट्रोल में लेते और बैंकिंग जानकारी चुराकर रकम ऑस्ट्रेलिया के खातों में भेज देते। ये खाते भारतीयों के नाम पर खोले गए थे। ऑस्ट्रेलिया में जमा राशि हवाला और क्रिप्टो के जरिए भारत भेजी जाती थी। पुलिस को दो साल में करोड़ों आने का शक है।

पुलिस को स्टूडेंट्स पर बैंक जानकारी बेचने का शक: पुलिस ने बताया कि कुछ भारतीय छात्रों और NRIs के नाम पर ये खाते खोले गए, जिनमें से कुछ ने अपनी बैंक जानकारी बेची हो सकती है, लेकिन पुष्टि बाकी है। साइबराबाद पुलिस ने लोगों को चेताया कि विदेशी बैंक अकाउंट या उसकी जानकारी किसी के साथ साझा न करें, क्योंकि ऐसे अकाउंट साइबर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग में उपयोग होते हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील किया कि फर्जी कॉल सेंटर या साइबर ठगी से जुड़ी किसी भी जानकारी को हेल्पलाइन नंबर- 1930, वॉट्सऐप नंबर- 9490617444 पर शेयर करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

इजराइल ने सुरंग में फंसे 40 हमास लड़ाकों को मारा, पिछले 9 महीने फंसे थे

एजेंसी, नई दिल्ली

- इजराइल बाहर निकलने नहीं दे रहा

इजराइल ने दावा किया है कि उसने सुरंग में फंसे 40 हमास लड़कों को मार दिया है। ये लड़ाके गाजा के दक्षिणी शहर राफा की सुरंगों में मौजूद थे। इजराइली सेना ने रविवार रात बयान जारी कर बताया कि हथियारबंद लड़ाकों को खत्म करने के लिए राफा में मौजूद सुरंगों को नष्ट किया जा रहा है। पिछले हफ्ते सुरंगों के अंदर 40 से ज्यादा लड़ाके मारे गए हैं। इजराइल इससे पहले भी राफा में कई लड़ाकों को मारने और गिरफ्तार करने का दावा कर चुका है। हालांकि हमास ने इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राफा की जमीन के नीचे मार्च से करीब 200 हमास लड़ाके फंसे हुए हैं। हमास की मांग के बावजूद इजराइल उन्हें बाहर निकलने के लिए रास्ता देने पर तैयार नहीं है।

फंसे लड़ाके हमास-इजराइल के बीच सीजफायर से अनजान: रॉयटर्स ने पिछले महीने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि राफा में मौजूद हमास के लड़ाके, जिनसे पिछले 7-8 महीने से संपर्क नहीं हो पाया है, शायद यह भी नहीं जानते कि अब सीजफायर लागू हो चुका है। उनमें से एक ने कहा कि उन लड़ाकों को वहां से निकालना सीजफायर को बनाए रखने के लिए जरूरी है। पिछले महीने 6 नवंबर को इजराइल और हमास के बीच एक समझौते का प्रस्ताव दिया था। इसमें कहा गया था कि हमास के लड़ाकों को सुरक्षित निकलने का रास्ता दिया जाए। इजराइल उन्हें मारने के बजाय किसी तीसरे देश या गाजा के दूसरे हिस्से में जाने का मौका दे। हालांकि इजराइल इसके लिए राजी नहीं हुआ है।

लड़ाकों को छोड़ने के बदले हथियार डालने की शर्त: सीजफायर समझौते के तहत लड़ाकों को छोड़ने के बदले में हमास के लड़ाके हथियार डाल दे और गाजा के नीचे बनी सुरंगों की पूरी जानकारी देंगे। ताकि इजराइल उन्हें नष्ट कर पाएगा। इस डील से मिस्र चाहता था कि युद्धविराम कायम रहे, क्योंकि राफा में लड़ाई बढ़ने से फिर से युद्ध छिड़ सकता था। यह प्रस्ताव अमेरिका और कतर की जानकारी में था, ताकि गाजा में चल रहे संघर्षविराम को बचाया जा सके। इस पर अब तक हमास ने कोई जवाब नहीं दिया है। इजराइल ने भी यह प्रस्ताव ठुकरा दिया है। उनका कहना है कि वे आतंकियों से कोई समझौता नहीं करेंगे।

साइक्लोन दितवाह कमजोर होकर गहरे दबाव में बदला

एजेंसी, हैदराबाद

- तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट, पुडुचेरी में स्कूल बंद, श्रीलंका में 334 लोगों की मौत

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात दितवाह कमजोर होकर गहरे दबाव (डीप डिप्रेशन) में बदल गया है। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि समुद्र में दितवाह की लोकेशन चेन्नई से 140 किलोमीटर और पुडुचेरी से 90 किलोमीटर दूर स्थित है। तमिलनाडु में चक्रवात के कारण भारी बारिश-बाढ़ से अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पुडुचेरी में भी एहतियात के तौर पर सभी स्कूलों को आज भर बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। भारत से पहले चक्रवात दितवाह ने श्रीलंका में जमकर तबाही मचाई। यहां अब तक 334 लोगों की मौत हो चुकी है। 370 लोग लापता हैं। देश में 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। लगभग 2 लाख लोग घर छोड़कर शेल्टर होम में रह रहे हैं। दितवाह के कारण श्रीलंका में रिकॉर्ड बारिश, बाढ़ और कई लैंडस्लाइड हुए।

मौसम विभाग ने तूफान दितवाह के चलते तमिलनाडु के कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां पर रविवार को दिनभर बारिश हुई। NDRF और SDRF समेत 28 से ज्यादा डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया है। इनके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात के NDRF बेस से 10 टीमें चेन्नई पहुंची हैं।

'आसाराम को कोई बीमारी नहीं, जेल में हो इलाज'

एजेंसी, शाहजहांपुर

यूपी की रहने वाली रेप पीड़िता के पिता आसाराम की जमानत रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। पिता ने राजस्थान हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें आसाराम को इलाज के लिए 6 महीने की जमानत मिली है। पीड़िता के पिता ने कहा, आसाराम पूरी तरह स्वस्थ है। उसे कोई बीमारी नहीं है। वह ऋषिकेश से लेकर महाराष्ट्र तक घूम रहा है। पिता ने कहा, उसे आम कैदियों की तरह जेल में ही इलाज मिलना चाहिए।

पिता ने आशंका जताई है कि यदि आसाराम जेल से बाहर रहते हैं, तो उनके पूरे परिवार की जान को खतरा बना रहेगा। उन्होंने बताया, आसाराम के समर्थकों ने उनके परिवार को खत्म करने की चुनौती दी है, जिसके कारण वे हर समय डर में रहते हैं। उनकी मांग है कि आसाराम का इलाज अन्य कैदियों की तरह जेल के अंदर ही हो। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 अक्टूबर को 6 महीने की जमानत दी थी। इसके आधार पर 6 नवंबर को आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट से भी 6 महीने की अंतरिम जमानत मिल गई थी। गुजरात हाईकोर्ट में आसाराम की ओर से जमानत की याचिका पर सुनवाई के दौरान दलील दी गई कि जोधपुर कोर्ट ने आसाराम को 6 महीने के लिए जमानत दी है। वे हृदय से संबंधित बीमारी से पीड़ित हैं। पीड़िता की ओर से वकील एल्जो जोसफ ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, अगस्त में हाईकोर्ट ने मेडिकल बोर्ड का गठन किया था और इस बोर्ड के डॉक्टरों ने रिपोर्ट दी थी कि आसाराम स्टेबल हैं और उनको अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। इस रिपोर्ट से साफ है कि आसाराम गंभीर रूप से बीमार नहीं हैं और ऐसे में उनकी जमानत रद्द की जानी चाहिए।

हसीना को प्लॉट कब्जाने के मामले में 26 साल सजा

एजेंसी, ढाका

- ब्रिटिश सांसद रही भांजी और छोटी बहन को भी जेल, तीनों दोषी फरार

बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना को जमीन कब्जाने के मामले में कुल 26 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। ढाका की विशेष अदालत ने सोमवार को पुरबाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में गड़बड़ी मामले में 5 साल की सजा सुनाई। बांग्लादेश के एंटी-करप्शन कमीशन (ACC) ने जनवरी में इस मामले में हसीना के खिलाफ 6 मामले दर्ज किए थे। यह चौथा मामला है, जिसमें हसीना को सजा सुनाई गई है। इससे पहले शेख हसीना को 3 मामलों में 21 साल जेल की सुनाई जा चुकी है। हसीना के अलावा उनकी छोटी बहन शेख रेहाना को 7 साल की सजा हुई। वहीं, शेख हसीना की भांजी (ब्रिटेन की सांसद रह चुकी) ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक को 2 साल की कैद की सजा मिली है। फिलहाल तीनों दोषी बांग्लादेश से फरार हैं। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को तख्तापलट के बाद इस्तीफा देकर भारत आ गईं थी।

हसीना को 2 मामलों में सजा मिलना बाकी: ट्यूलिप और शेख रेहाना पर 1 लाख टका का जुर्माना भी लगाया गया है। इसे न चुकाने पर उन्हें 6 महीने की जेल एक्स्ट्रा जेल हो सकती है। मामले के अन्य 14 आरोपियों को 5-5 साल की सजा दी गई है। यह फैसला ढाका के स्पेशल कोर्ट-4 के जज मोहम्मद रबीउल आलम ने सुबह 11 बजे सुनाया। शेख हसीना को 27 नवंबर को पुरबाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट से जुड़े दो मामलों में सजा मिलना अभी बाकी है। ये मामले ACC ने 12-14 जनवरी 2025 के बीच दर्ज किए गए थे। मार्च 2025 में चार्जशीट दाखिल हुई। जुलाई 2025 में आरोप तय हुए और 29 लोगों की गवाही के बाद फैसला आया।

ट्यूलिप सिद्दीक ने सांसद होने का दबाव डालकर प्लॉट दिलवाए: पुरबाचल न्यू टाउन प्रोजेक्ट मामले में कुल 17 लोगों पर आरोप लगाया गया था। इन पर आरोप है कि ट्यूलिप ने ब्रिटेन की सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की सांसद होने का दबाव डालकर प्लॉट हासिल किए। ट्यूलिप ने अपनी मां शेख रेहाना, बहन अजमीना सिद्दीक और भाई रदवान मुजीब सिद्दीक के नाम पर 7 हजार स्कवायर फीट के प्लॉट गलत तरीके से लिए। वर्तमान मुकदमे में सिर्फ शेख रेहाना को मिले प्लॉट का मामला शामिल था, इसलिए अजमीना और रदवान को इसमें आरोपी नहीं बनाया गया। उनके खिलाफ दो अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

ज्यादातर आरोपी देश से फरार: इस मामले में शेख हसीना, शेख रेहाना और ट्यूलिप सिद्दीक के अलावा आवास एवं लोक निर्माण मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी, RAJUK के पूर्व सदस्य, पूर्व राज्य मंत्री शरीफ अहमद और हसीना के निजी सचिव भी आरोपी थे। इनमें से अधिकांश लोग अभी फरार हैं और केवल एक आरोपी खुर्शीद आलम जेल में हैं। शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के दर्जनों मामले सामने आए हैं, जिनमें यह सजा सबसे चर्चित फैसलों में से एक है। इन मामलों के सामने आने के बाद ट्यूलिप सिद्दीक ने भारी दबाव में 14 जनवरी 2025 को ब्रिटेन सरकार में आर्थिक सचिव (ट्रेजरी) के पद से इस्तीफा दे दिया था।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना है लक्ष्य : रोहित

एजेंसी, रांची

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने एक बार फिर कहा है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलना है। साथ ही कहा कि उम्र का खेल से कोई संबंध नहीं है। साथ ही कहा कि जब तक आप फिट हैं खेल सकते हैं। रोहित ने कहा कि उनकी क्रिकेट खेलने की भूख अभी समाप्त नहीं हुआ है। उनमें अब भी पहले वाला जुनून है। वह जिस प्रकार डेब्यू के समय खेलते थे अभी भी वैसे ही खेलते हैं ।38 साल के रोहित के बारे में अटकलें हैं कि उन्हें विश्व कप के लिए शायद ही जगह मिलेगी। वहीं रोहित के अनुसार वह विश्वकप खेलने के

क्रिकेट खेलने की भूख अभी समाप्त नहीं हुई

लिए तैयार हैं। एक वीडियो में रोहित ने कहा, जज्बा और इच्छा शक्ति हर बार रहती है। फिर चाहे आपकी उम्र 38 हो या 28, हर बार देश के लिए खेलना सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत होता है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट टेस्ट और टी20 के बीच का होने के कारण सबसे संतुलित और कौशल-आधारित प्रारुप है। उन्होंने कहा, एकदिवसीय टेस्ट और टी20, दोनों का मिश्रण है। इसमें सलामी बल्लेबाज को जिसे नई गेंद स्विंग गेंदों से खेलना पड़ता है, ऐसे में टेस्ट वाली मानसिकता से खेलना होता है कि जितना हो सके छोड़ो, शरीर के करीब खेलो। रोहित ने बताया कि उनका खेल के प्रति रवैया नहीं बदला है, वह हर मैच ऐसे खेलते हैं जैसे कि पहला मैच खेल रहे हों। जब मैंने 20 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था, तब जैसा ड्राइव था, वैसा ही आज भी है।वहीं भारतीय सहयोगी स्टाफ में शामिल मोनी मॉर्केल और कई पूर्व क्रिकेटरों का भी मानना है कि रोहित और विराट कोहली 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगे। अब रोहित ने भी इसकी पुष्टि कर दी है

प्रीमियर लीग 2025-26: 10 खिलाड़ियों वाली चेल्सी ने आर्सेनल को 1-1 से रोका, रोमांचक लंदन डर्बी में अंक बांटे

एजेंसी, लंदन

दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही चेल्सी ने रविवार को खेले गए बेहद उतार-चढ़ाव भरे लंदन डर्बी मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। मिकेल मेरिनो ने ट्रेवोह चालोबा के शुरुआती गोल का जवाब देकर आर्सेनल को हार से बचाया। इस परिणाम के साथ आर्सेनल 30 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर कायम है और दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से पांच अंक आगे है। वहीं, चेल्सी 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

पहले ही 10 खिलाड़ी रह गई थी चेल्सी- पहले हाफ में 38वें मिनट में मोइसेस कैइसेडो को वीएआर जांच के बाद मेरिनो पर खतरनाक टैकल के लिए लाल कार्ड मिला, जिससे चेल्सी 10 खिलाड़ियों पर आ गई। इसके बावजूद चेल्सी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। कप्तान रीस जेम्स की कॉर्नर किक पर ट्रेवोह चालोबा ने तीसरे मिनट में शानदार हेडर के जरिए गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया।

मेरिनो ने दिलाई बराबरी- 59वें मिनट में बुकॉयो साका के क्रॉस पर मेरिनो ने बेहतरीन हेडर मारकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल ने लगातार दबाव बनाया। सब्स्टीट्यूट मार्टिन ओडेगार्ड दो बार करीब से चूक गए, जबकि अंतिम क्षणों में मेरिनो के शक्तिशाली प्रयास को गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया।

खिलाड़ियों में तनातनी, 7 पीले कार्ड- मैच की शुरुआत से ही जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। रेफरी एंथनी टेलर ने कुल सात पीले कार्ड दिखाए—छह आर्सेनल को और एक चेल्सी के मार्क कुकुरेला को, जो पूरे मैच में साका को रोकने में व्यस्त नजर आए।

"एक अंक पाकर निराशा, लेकिन टीम पर गर्व" — रीस जेम्स- चेल्सी कप्तान रीस जेम्स ने कहा, "हम जल्दी ही 10 खिलाड़ी रह गए थे, जिससे मैच मुश्किल हो गया। फिर भी टीम ने दबाव झेला और शानदार काउंटर किए।"

दाहिनी ओर पेड्रो नेटो लगातार सक्रिय रहे, और 78वें मिनट में सब्स्टीट्यूट लियम डेलैप का बढ़िया शॉट डेविड राया ने रोक दिया।

"थोड़ा और बेहतर होते तो जीत सकते थे" — मेरिनो- मेरिनो ने कहा, "चेल्सी की डिफेंस बेहद संगठित थी, लेकिन अगर हम और बेहतर होते तो ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते थे। टीम ने गोल खाने के बाद अच्छी प्रतिक्रिया दी।"

इस तरह, बेहद तनावपूर्ण और रोमांचक लंदन डर्बी आखिरकार 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई, जिसमें दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, "मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।" कोटक ने साथ ही कहा, " पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।" कोहली ने मैच के बाद कहा, "मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।" वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

पैर में फ्रैक्चर से स्पेन की स्टार फुटबॉलर बोनमती नेशंस लीग फाइनल से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

स्पेन की मिडफील्डर ऐताना बोनमती नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण से बाहर हो गई हैं। रविवार को ट्रेनिंग के दौरान उनकी बाईं फिबुला (पैर की हड्डी) में फ्रैक्चर हो गया था। बोनमती ने शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ खेले गए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में हिस्सा लिया था, जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ था। इसके बाद टीम दूसरे चरण की तैयारी कर रही थी, जो 2 दिसंबर को एस्टाडियो मेट्रोपोलितानो में खेला जाना है। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार रविवार को मेडिकल जांच के बाद पाया गया कि ऐताना बोनमती की बाईं फिबुला में फ्रैक्चर है। खिलाड़ी अब बार्सिलोना लौटेंगी और वहीं से अपनी रिकवरी शुरू करेंगी। 27 वर्षीय बोनमती के लिए यह चोट ऐसे समय आई है जब उन्होंने बेहद शानदार साल बिताया है। वह तीन बार विमेन्स बैलन ड'ओर जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, बार्सिलोना को घरेलू ट्रेबल दिलाने में अहम भूमिका निभाई और स्पेन के साथ यूरो 2025 फाइनल तक पहुंचीं।

दूसरे एशेज टेस्ट से बाहर हो सकते हैं वुड, टंग या पॉट्स को मिल सकता है मौका

एजेंसी, ब्रिसबेन

पहले ही एशेज सीरीज में 1-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ना तय है। इसका कारण है कि उसके तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण 4 दिसंबर से शुरु हो रहे इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में उनकी जगह पर वुड के स्थान जोश टंग या मैथ्यू पॉट्स आ सकते हैं। वुड का पुराना घुटने का दर्द उभर गया है वुड ने अपने बाएं घुटने में दर्द की शिकायत की है। इस घुटने की उनकी सर्जरी भी हुई थी। जिसके कारण वह नौ महीने तक क्रिकेट से बाहर रहे थे। पर्थ में पहले मैच में वह खेलने उतरे जरुर थे पर उनकी गेंदबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। इस तेज गेंदबाज ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में केवल 11 ओवर फेंके थे, जिसमें इंग्लैंड को दो दिन के अंदर ही करारी हार का सामना करना पड़ा था। वुड के घुटने की सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह जिम्बाब्वे और भारत के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू सीरीज से भी बाहर रहे थे। घुटने के दर्द के कारण ही वुड इंग्लैंड के वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे ये तय तय माना जा रहा है कि वह गुरुवार से गाबा में शुरू होने वाले डे-नाइट (गुलाबी गेंद) टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह पर वुड के स्थान जोश टंग या मैथ्यू पॉट्स आ सकते हैं। टंग इस समय इंग्लैंड लायंस के साथ कैनबरा में प्राइम मिनिस्टर एकादश के खिलाफ डे-नाइट मैच खेल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यों वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया है, क्योंकि कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड टीम ब्रिस्बेन पहुंच गयी है। उसके तीन खिलाड़ी जैकब बेथेल, मैथ्यू पॉट्स और जोश टंग को ही प्रधानमंत्री एकादश से खेलने का अवसर मिला है।

संक्षिप्त

ब्रिसबेन में वापसी की तैयारी कर रहे स्टोक्स

ब्रिसबेन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स पर्थ में एशेज क्रिकेट सीरीज की हार से उबरकर अब यहां 4 दिसंबर से शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट में टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। स्टोक्स 2010-11 में एंड्रयू स्ट्रॉस बाद एशेज जीतने वाले पहले इंग्लैंड के कप्तान बनना चाहते हैं और इसके लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे। इंग्लैंड को पर्थ में हार के बाद वापसी के लिए दिग्गज खिलाड़ियों ने कई प्रकार के टिप्स दिये हैं। जिससे स्टोक्स उत्साहित हैं। उनका लक्ष्य गेंदबाजी लाइनअप में विविधता लाना भी है। स्टोक्स टीम के सकारात्मक पक्ष को उभारना चाहते हैं। उनकी टीम ने पहले टेस्ट की पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल की और एक समय पर तीसरी पारी में बड़ी बढ़त की ओर बढ़ रही थी, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि टीम ने ऐसे अवसरों की भी पहचान की है जिससे वे पीछे रह गये थे। स्टोक्स ने कहा, "हम जानते हैं कि उस पहली हार के बाद इंग्लैंड के प्रशंसक निराश होंगे पर ये पांच मैचों की सीरीज है, और हमें चार मैच अभी खेलने हैं। हम पहला मैच हार चुके हैं पर हम अब भी सीरीज जीतना चाहते हैं।"स्टोक्स ने कहा, "हमने उस टेस्ट में कुछ अच्छी चीजें कीं। जिस तरह से हमने पहली पारी में प्रभावी गेंदबाजी की, और हम तीसरी पारी में 1 विकेट पर 100 रन ही बना पाये थे। इसके साथ ही हमने ऐसा स्कोर बनाया जिसे हमें लगा कि निश्चित रूप से उसका बचाव किया जा सकता है।" उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं, और हमने इस पर ध्यान दिया है कि गलती कहां हुई थी।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं। गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।' गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम के घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

डुप्लांटिस और मैक्लॉघलिन-लेवरोन बने 'वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर'

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वीडन के पोल वॉल्ट स्टार मोंडो डुप्लांटिस और अमेरिकी 400 मीटर विश्व चैंपियन सिडनी मैक्लॉघलिन-लेवरोन को रविवार को वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर चुना गया। डुप्लांटिस ने सितंबर में टोक्यो में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने के साथ-साथ इवेंट में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने एक वर्ष में अपने ही विश्व रिकॉर्ड को चार बार तोड़ा और पूरे सीजन में 16 प्रतियोगिताओं में अपराजित रहे। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना पांचवां लगातार डायमंड लीग खिताब भी जीता। डुप्लांटिस ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, "मैं आगे भी खुद को बेहतर करने की कोशिश करता रहूंगा। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में मुझे वोट देने वालों को मैं इसी तरह परेशान करता रहूं। यह पुरस्कार मेरे लिए खास है और मैं इसे बेहद संजोकर रखूंगा।" मैक्लॉघलिन-लेवरोन पिछले दो वर्षों से 400 मीटर और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में अपराजित हैं। टोक्यो में उनका 47.78 सेकंड का समय 400 मीटर का इतिहास में दूसरा सबसे तेज प्रदर्शन था। 26 वर्षीय एथलीट पहली खिलाड़ी बनीं जिन्होंने 400 मीटर फ्लैट और 400 मीटर हर्डल्स दोनों में विश्व खिताब जीता। इसके अलावा, वे विश्व चैंपियनशिप में अमेरिकी 4x400 मीटर रिले टीम का हिस्सा भी रहीं, जिसने स्वर्ण पदक जीता। पुरस्कार मिलने पर मैक्लॉघलिन-लेवरोन ने कहा, "यह सम्मान पाकर मैं वास्तव में अभिभूत हूं। विश्व एथलेटिक्स का बहुत धन्यवाद। टोक्यो में सीजन का अंत मेरे लिए बेहद खास रहा। 2025 मेरे लिए सीमाओं को तोड़ने और मानसिक व शारीरिक रूप से खुद को नए स्तर पर ले जाने का साल रहा।"

प्रीमियर लीग 2025-26: इसाक ने खत्म किया गोल का सूखा, लिवरपूल को दिलाई अहम जीत

एजेंसी, लंदन

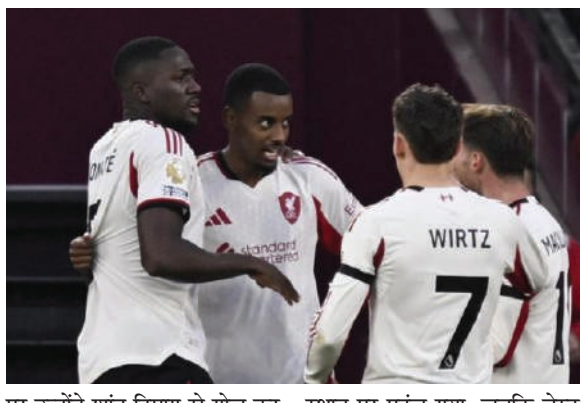

लिवरपूल के रिकॉर्ड साइनिंग अलेक्ज़ेंडर इसाक ने आखिरकार प्रीमियर लीग में अपना गोल खाता खोला और संघर्ष कर रही चैंपियन टीम को वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ रविवार को 2-0 की बेहद जरूरी जीत दिलाई।

लगातार खराब फॉर्म से जूझ रही लिवरपूल टीम पिछले 12 मैचों में 9 हार झेल चुकी थी। दबाव में घिरे मैनेजर अरने स्लॉट ने बड़ा फैसला लेते हुए पहली बार प्रीमियर लीग में मोहम्मद सालाह को शुरुआती एकादश से बाहर रखा। उनकी जगह उतरे फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने अच्छी लय दिखाई, हालांकि पहले हाफ में एक आसान मौका गंवा बैठे, जिसे गोलकीपर अल्फोंस अरेओला ने बचा लिया। पहले हाफ में इसाक भी दो मौके चूक गए, पर दूसरे हाफ के 60वें मिनट में कोडी गाक्पो की शानदार पुल-बैक पास पर उन्होंने शांत दिमाग से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वेस्ट हैम की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब लुकास पाक्वेटा को महज 60 सेकंड के भीतर दो बार डissent के लिए पीला कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया। इंजरी टाइम में गाक्पो ने दूसरा गोल दागकर लिवरपूल की जीत पक्की की।

इस जीत के साथ लिवरपूल 13 मैचों में 21 अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि वेस्ट हैम 11 अंकों के साथ 17वें स्थान पर है।

एस्टन विलाः कैमारा का शानदार गोल, वॉल्व्स पर 1-0 की जीत- एस्टन विला ने रविवार को बोउबकर कैमारा के शानदार गोल की बदौलत वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स को 1-0 से हराकर अंकतालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। पहले हाफ में वॉल्व्स ने अधिक मौके बनाए और जोर्गेन स्ट्रैंड लार्सन का गोल ऑफसाइड करार दिया गया। वहीं, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज की शानदार सेव से विला बचता रहा।

दूसरे हाफ में विला ने रफ्तार पकड़ी और 67वें मिनट में कैमारा ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर गेंद को टॉप कॉर्नर में पहुंचाया। विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत है और अब वे दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से केवल एक अंक पीछे हैं। वॉल्व्स की स्थिति और बिगड़ गई है और टीम सिर्फ 2 अंकों के साथ सबसे नीचे है।

ब्राइटन की 2-0 से जीत, डे क्यूपर और त्ज़िमास ने दिलाए तीन अंक- ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। शुरुआत से ही ब्राइटन ने तेज खेल दिखाया और पहले हाफ में ही 13 शॉट लिए।

पहला गोल हाफ टाइम से ठीक पहले हुआ जब जॉर्जिनियो रुटर ने शानदार क्रॉस देते हुए डे क्यूपर को ढूंढ निकाला। बेल्जियन डिफेंडर ने गेंद को आसानी से नेट में पहुंचाया। मैच के 88वें मिनट में युवा ग्रीक खिलाड़ी स्तेफानोस त्ज़िमास ने फॉरेस्ट डिफेंडर मोराटो की खराब बैक-हेडर का फायदा उठाते हुए दूसरा गोल कर जीत सुनिश्चित कर दी।

फॉरेस्ट, जिसने पिछले दो मैच जीते थे— जिसमें लिवरपूल पर 3-0 की बड़ी जीत भी शामिल थी—इस मैच में प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सका और अब 12 अंकों के साथ 16वें स्थान पर है। ब्राइटन के 22 अंक हैं और टीम चौथे स्थान पर मौजूद चेल्सी से सिर्फ एक अंक पीछे है, जिसके पास एक मैच शेष है।

विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स को सफलता दिला पायेंगे ?

एजेंसी, मुम्बई

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन 2026 आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स में एक नई भूमिका रणनीतिक सलाहकार के तौर पर नजर आयेंगे पर देखना होगा कि वे इसमें टीम को कितनी सफलता दिला पाते हैं। पिछले सत्र में सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। इससे टीम टीम मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया में लिखा, विलियमसन का लखनऊ सुपर जायंट्स परिवार में रणनीतिक सलाहकार के रूप में स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए अमूल्य बनाती है। न्यूजीलैंड टीम के पूर्व कप्तान विलियमसन को आईपीएल का अच्छा खासा अनुभव है। आईपीएल में एक खिलाड़ी के तौर पर भी उन्होंने 10 सीजन खेले हैं। 2015 से 2014 तक वे आईपीएल में खेले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 2018 में 735 रन बनाकर वे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। साल 2022 तक वे सनराइजर्स के लिए खेले और टीम की कप्तानी भी की। साल 2023 और 2024 में वे गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे हालांकि तब वह एक ही मैच खेल पाये। वहीं साल 2024 में उन्हें दो मैच खेलने के लिए मिले थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

अगर आपको मिल रही है कम सैलरी तो करें ये काम

किसी भी नौकरी में सैलरी बहुत अधिक मायने रखती है। लेकिन आज के समय में जब हर फील्ड में कॉम्पीटिशन और बेरोजगारी बढ़ रही है, उसे देखते हुए अधिकतर लोग कम पैसों में भी काम करने को तैयार हो जाते हैं। जिसकी वजह से कई बार अन्य प्रोफेशनल्स को भी कम सैलरी मिलने लगती है।

यह एक ऐसी स्थिति होती है, जो किसी भी व्यक्ति को बहुत अधिक निराश करती है। जब आपको अपनी जॉब प्रोफाइल, एक्सपीरियंस व स्किल्स के अनुसार बहुत कम सैलरी मिलती है तो ऐसे में समझ में नहीं आता है कि क्या किया जाए। उस जॉब को छोड़ना भी सही नहीं होता है, लेकिन कम सैलरी कहीं ना कहीं आपको मानसिक तनाव देती है।

सैलरी को लेकर करें रिसर्च

कई बार ऐसा होता है कि आपको मार्केट के अनुसार ही सैलरी मिलती है, लेकिन जब उनसे आपके खर्चे पूरे नहीं हो पाते हैं तो आपको लगने लगता है कि आपको कम सैलरी मिल रही है। जबकि सैलरी रेंज के बारे में जानने का यह तरीका सही नहीं माना जाता है। बेहतर होगा कि आप अपनी फील्ड व जॉब प्रोफाइल (जॉब प्रोफाइल टिप्स) में सैलरी रेंज को लेकर रिसर्च करें। आप कुछ ऑनलाइन वेबसाइट्स व टूल्स की मदद से सैलरी रेंज के बारे में काफी हद तक जान सकते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आपको सैलरी कम मिल रही है या नहीं।

मैनेजर से मीटिंग करें शेड्यूल

अमूमन जब लोगों को कम सैलरी मिलती है तो वे ऑफिस में नेगेटिव बिहेव करने लग जाते हैं। यहां तक कि वे ऑफिस (जॉब सेटिस्फेक्शन) में काम व सैलरी को लेकर बुराइयां करने लग जाते हैं। जिससे उनकी प्रोफेशनल इमेज पर नेगेटिव असर पड़ता है। इसकी जगह आप अपने मैनेजर से वन टू वन मीटिंग करने के लिए रिक्वेस्ट करें। मीटिंग के लिए आप अपनी जिम्मेदारियों से लेकर उपलब्धियों और आपके द्वारा किए गए किसी भी अतिरिक्त कार्य का रिकॉर्ड तैयार करें। जब आप अपने प्रयासों को कंपनी व मैनेजर के सामने रखते हैं तो इससे अप्रेजल मिलने के चांसेस काफी बढ़ जाते हैं।

सही समय पर करें बात

अगर आप अपनी कम सैलरी की बात कंपनी व एचआर के सामने रख रहे हैं तो आपको समय का चयन बेहद ही सोच-समझकर करना चाहिए। मसलन, जब कंपनी अच्छा प्रदर्शन कर रही हो या फिर आपकी वजह से कंपनी को बहुत अधिक फायदा हुआ हो, उस समय आप सीनियर्स से मीटिंग कर सकते हैं और उस दौरान बेहद ही प्रोफेशनल तरीके से अपनी कम सैलरी का मुद्दा उठाएं।

अन्य ऑप्शन पर भी करें विचार

अगर आपने अपनी बात मैनेजर व एचआर के सामने रखी है और आपको ऐसा लग रहा है कि वह आपकी बात को बिल्कुल भी अहमियत नहीं देने वाले हैं तो ऐसे में आप अन्य ऑप्शन की तलाश भी कर सकते हैं। मसलन, अगर आपको इस कंपनी में ग्रोथ के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं और लंबे समय तक काम करने के बाद भी आपके हाथ निराशा ही लगी है तो ऐसे में आप अन्य कंपनी में भी जॉब के लिए अप्लाई करने पर विचार कर सकते हैं।

ग्लोइंग त्वचा के लिए होममेड फेसपैक

खूबसूरती और हेल्दी त्वचा की ख्वाहिश हर महिला की होती है। इसके लिए महिलाएं तमाम तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल भी करती है, बात करें क्रीम, सीरम, मॉइश्चराइजर और मास्क हर तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट महिलाओं के पास जरूर होते हैं, ताकि उनकी खूबसूरती की देखभाल में किसी तरह की कोई कमी न रह जाएं। इसलिए वे एक अच्छे ब्यूटी स्किन केयर रूटीन को फॉलो करती है इसके साथ ही नेचुरल चीजों से तैयार उबटन या फेसमास्क से भी अपने स्किन की देखभाल में कोई कमी नहीं रखना चाहती। जिसके इस्तेमाल से न ही कोई साइड इफेक्ट होता है, न ही ये महंगे होते हैं, इसे आसानी से अपने घर में ही तैयार किया जा सकता है। जिसके लिए महिलाएं गूगल पर स्किन को क्लियर और नेचुरल निखार के लिए होम मेड फेसमास्क और ब्यूटी टिप्स को सर्च करती रहती है। वहीं टिप्स आज हम आपके लिए लेकर आए है जिन्हें आप भी अपनी स्किन केयर में शामिल कर सकती है।

कोरोना के प्रकोप के कारण हम सभी ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपना पूरा वक्त अपने घर पर ही बिताया। ये वक्त ऐसा था जिसमें हम खुद पर ज्यादा ध्यान दे सकते थे। ऐसे में महिलाओं कैसे पीछे रहने वाली है, न सिर्फ महिलाएं बल्कि पुरूष भी इस समय का इस्तेमाल अपने लुक्स को और बेहतर बनाने के टिप्स को अपनाते रहें। वहीं बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ने भी अपने घरेलू नुस्खों को अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स पर शेयर किया ताकि आम लोग भी उनके ब्यूटी सीक्रेट्सको जान सकें। इसके साथ ही इन तमाम नुस्खों को अपनाने के साथ-साथ एक बेहतर जीवनशैली का होना भी जरूरी है, क्योंकि सही आहार आपको मन चाहा निखार तो देता ही है साथ ही आपके स्वास्थ को भी बेहतर करता है। ये बात कोरोना काल में हम बखूबी समझ चुके है.तो आइए जानते हैं कौन से है वो घरेलू नुस्खें जिन्हें 2021 में सबसे ज्यादा लोगों ने पसंद किया।

शहद

शहद को 2021 में गूगल पर त्वचा में चमक लाने के लिए सबसे ज्यादा घरेलू नुस्खे के रूप में सर्च किया गया। शहद आपके स्वास्थ और आपकी सुंदरता दोनों के लिए ही काफी फायदेमंद माना जाता है। यह त्वचा में चमक यानी की ग्लो लाने का काम करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट डेड स्किन सेल्स को फ्री रेडिकल्स के प्रभाव से बचाते हैं। वहीं इसके नियमित सेवन से भी सेहत के कई लाभ होते है। शहद के फेसमास्क के लिए एक चम्मच शहद में कुछ बूंदे नींबू की रस की मिलाएं अब इस पेस्ट से अपने चेहरे की अच्छी तरह से मसाज करें। 10 से 15 मिनट तक इसे रखें फिर साफ पानी से अपने चेहरे को वॉश कर लें।

दूध

2021 में गूगल पर दूध को भी स्किन केयर के लिए सबसे ज्यादा सर्च किया गया। दूध आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने का काम करता है, साथ ही इसमें मौजूद क्टिक एसिड आपकी त्वचा पर मौजूद डेड सकिन को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। त्वचा में यदि टैनिंग हो गई है, तो टैनिग को कम करने के लिए दूध का इस्तेमाल किया जाता है। यदि आपकी त्वचा ड्राई है, तो दूध को आप अपनी स्किन केयर रूटीन में जरूर शामिल करें। दूध का फेस पैक बनाने के लिए आप दूध में एक चम्मच बेसन, आटे को मिला लें। फिर इसमें आधा चम्मच शहद मिक्स कर लें। अब कुछ बूंदे नींबू की रस की इसमें मिला लें। 10 से 15 मिनट तक इसे सूखने दे फिर पानी से साफ कर लें। इसके अलावा कच्चे दूध की मदद से आप अपनी त्वचा पर जमी गंदगी को भी साफ कर सकते है। इसके लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लें। अब इसमें कॉटन डाले फिर कॉटन की मदद से अपने त्वचा को साफ करें।

एवोकाडो

कई गुणों से भरपूर एवोकाडो आपकी सेहत के साथ आपकी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद है। हेल्दी फैट, विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, एवोकाडो आपकी त्वचा की हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद है। त्वचा को स्वस्थ बनाने में इसका उपयोग किया जाता है। इसके सेवन से भी आप साफ और हेल्दी स्किन पा सकते है। एवोकाडो फेस पैक बनाने के लिए एवोकाडो को मैश करें और इसे साफ त्वचा पर लगाएं कुछ देर तक मसाज करें फिर साफ पानी से चेहरा धो लें।

अंजीर

अंजीर सेहत और खूबसूरती दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होती है इसे चेहरे पर लगाने से चेहरा एकदम खिलाखिला सा नजर आता है। यह त्वचा को हाइड्रेट करने का काम करता है। अगर चेहरे पर झुर्रियों की समस्या है या कील मुंहासे हो रहे है तो अंजीर आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। अंजीर का फेस पैक बनाने के लिए अंजीर को मैश करें। फिर इसमें थोड़ा सा दूध मिलाकर चेहरे पर 1 से 2 मिनट तक मसाज करें। फिर चेहरे को वॉश कर लें।

बादाम

बादाम आपकी त्वचा को पोषण प्रदान करता है। बादाम में विटामिन ई के अलावा अन्य एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो आपकी स्किन को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाते हैं। यह नेचुरल मॉइश्चराइज का काम करता है। इसके फेसमास्क या बादाम के तेल दोनों के ही इस्तेमाल से सॉफ्ट और ग्लोइंग स्किन पा सकते है। यह दोनों ही काफी उपयोगी है। यदि रूखी त्वचा है, तो क चम्मच बादाम के तेल से चेहरे की मालिश करें। इसके अलावा रात में 4 बादाम को भिगोकर रखें। फिर अगले दिन इन्हें अच्छी तरह से पीस कर इसमें दूध मिलाकर चेहरे पर स्क्रब करें।

केला

केला पौष्टिक गुणों से भरपूर होता है, इसे त्वचा पर लगाने से स्किन पर ग्लो आता है। वहीं चेहरे पर अनचाहे बालों से मुक्ति पाने के लिए भी केले का फेसमास्क काफी फायदेमंद होता है। केले में पोटेशियम और विटामिन ई और सी भरपूर मात्रा में होते हैं जो बेदाग त्वचा पाने में मदद करते हैं। केले का फेस पैक के लिए एक से आधे केले को मैश कर लें।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्रायः भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

बच्चे के कमरे में करें वास्तु परिवर्तन

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी-देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अतः सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अतः बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

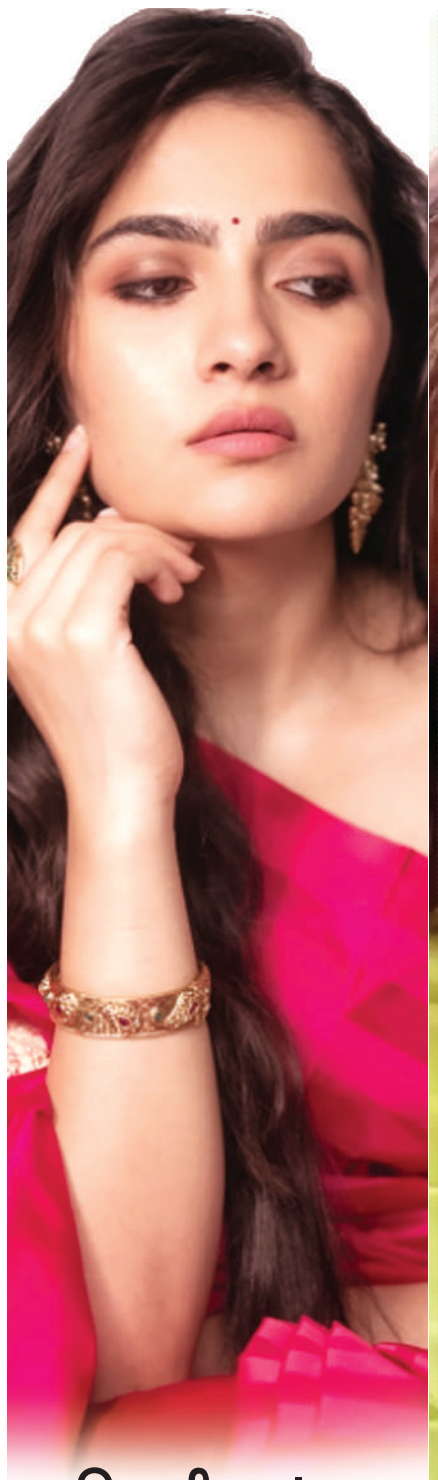

रुक्मिणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें जमीन पर टिकाए रखता है!

तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ — एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है — एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअल - जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना — वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं — यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ। मैं अपनी पुरानी डायरीज़ खूब पढ़ती हूँ — वो नज़रिया देती हैं। बिर्बल से पहले की मेरी चिंता, ड्रामा स्कूल के दिनों की उलझनेंज आज से इतनी अलग, पर उतनी ही सच्ची। इससे समझ आता है कि जो आज बड़ा तूफ़ान लग रहा है, कुछ साल बाद वही हल्की सी हवा जैसा।

दिल्ली क्राइम 3 की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। दिल्ली क्राइम का गंभीर किरदार, डार्लिंग्स में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म सत्या के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा। उन्होंने कहा, जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है।

विजय सेतुपति और निर्देशक पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। आज फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं।

विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए। इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं और दोनों से फिल्म को लेकर बातें कर रही हैं। चार्मी, विजय और पुरी का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। पुरी और विजय ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन को लेकर कहा कि वे पहले से ही एक-दूसरे को मिस कर रहे हैं। फिल्म निर्माताओं का पोस्ट पुरी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, Puri Sethupathi की फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। सेट पर कई महीनों की भावनात्मक और आनंदमय यात्रा के बाद, टीम ने फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म कर ली है। जल्द ही कुछ रोमांचक अपडेट के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

विजय और पुरी की आने वाली फिल्म के बारे में

विजय सेतुपति की इस आगामी फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री संयुक्ता नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 23 सितंबर, 2025 को रिलीज होना था, लेकिन कुछ वजहों से इसमें देरी हो गई। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इस फिल्म में विजय और संयुक्ता के अलावा तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं ब्रह्माजी सहायक भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा 2025 में की गई थी और इसकी शूटिंग जून 2025 में शुरू हुई थी। इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स और जेबी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है।

कीर्ति सुरेश ने सुनाई व्यथा

कहा- लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। दसारा और बेबी जॉन की एक्ट्रेस ने दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है। हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म रिवॉल्वर रीटा के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है। दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7.30 बजे तक वहां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6.30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5.30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6.30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है।

कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, अब, मुझे रात 11.30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है। कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं। यह एक आइडियल 9 बजे से 6 बजे तक की शिफ्ट में है। कीर्ति सुरेश बोलीं- लाइटमैन तो 2-3 घंटे ही सो पाते हैं साल 2018 में महानति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पा चुकीं कीर्ति ने बताया कि हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर 12 घंटे की शिफ्ट होती है। उन्होंने सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, बल्कि फिल्म के क्रू मेंबर्स खासकर लाइटमैन की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, केरल में लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं। हालांकि, नींद भी खाने या एक्सरसाइज जितनी ही जरूरी है। ये वो साथी हैं, जो सेट पर एक्टर्स से भी पहले पहुंचते हैं।

सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। छोटे शहर जमशेदपुर से बड़े पर्दे तक उनका सफर मेहनत, लगन और हिम्मत की कहानी है। 'मिर्जापुर', 'मंटो' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके दमदार किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दी। हालांकि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई प्रोड्यूसर्स ने कहा कि वे सेलेबल नहीं हैं, यहां तक कि एक डायरेक्टर ने उनसे असम्मानजनक व्यवहार भी किया था। लेकिन रसिका ने ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखी और अपने काम पर ध्यान दिया। किराया भरने की चिंता और बार-बार रिजेक्शन झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रसिका का मानना है कि सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि हर दिन खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है।

मैंने ऐसे कभी नहीं सोचा था कि एक्टर ही बनना है, लेकिन जिसमें भी मुझे मौका मिलता, मैं वो बड़े मजे से करती थी। एक्टिंग को मैं आगे चलकर करियर बनाऊंगी, ये कभी नहीं सोचा था। न फैमिली में कोई ऐसा उदाहरण था सब बिजनेस लाइन से थे। कुछ लोग होते हैं ना, जो बचपन से एक्टर बनने का सपना देखते हैं और बाथरूम में शैंपू की बोतल पकड़कर अपनी विनिंग स्पीच दे रहे होते हैं, वैसा नहीं था मेरे साथ।

अनवर के बाद मुझे अनुराग कश्यप की फिल्म 'नो स्मोकिंग' मिली थी। जब मेरा सिलेक्शन हुआ, तो प्रोड्यूसर ने बुलाया और कहा कि आकर पैसों पर बात कर लो। मैं गई, तो उन्होंने पूछा, कितने पैसे लोगी? मैंने थोड़ी हिम्मत करके कहा कि प्रतिदिन 7500 रुपए। वो बोले, अरे, ये तो बहुत ज्यादा है, थोड़ा कम करो। घर आकर मैंने अपने दोस्त दीपक डोबरियाल को बताया, तो वो हंसने लगा और बोला, तूने इतना मांग भी लिया! फिर बात तय हुई और मुझे प्रतिदिन 5000 रुपए मिले। जबकि पहली फिल्म 'अनवर' के लिए तो सिर्फ 3000 रुपए प्रतिदिन मिले थे।

इंटीमेट सीन कहानी की जरूरत थी, सेंसशनलाइज नहीं किया गया

रसिका दुग्गल ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में दमदार भूमिका निभाई है। खास करके वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी की भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस सीरीज में उनके इंटीमेट सीन की भी खूब चर्चा हुई। उस सीन के बारे में रसिका कहती हैं- वो सीन स्क्रिप्ट के पॉइंट ऑफ व्यू से जरूरी था। उसे जबरदस्ती या सेंसशनलाइज करने के लिए नहीं डाला गया था। पुनित कृष्ण जो राइटर हैं, उन्होंने हर किरदार को बहुत सेंसिटिवली बिल्ड किया था। रही बात इंटिमेट सीन की तो पुनित, गुरमीत और करण ने शूट से पहले मुझे हर शॉट के बारे में बताया। सेट पर कौन मौजूद होगा, क्लोज सेट रहेगा, ये सारी बातें पहले ही डिस्कस हो गई थीं, जो मेरे कंफर्ट के लिए जरूरी थीं। अब तो इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर आ गए हैं, लेकिन तब नहीं थे।

खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए

मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम या शोहरत नहीं है। मुझे तब लगता है कि कुछ हासिल किया है जब मैं अपना काम दिल से कर पाऊं और वो मुझे सच्ची खुशी दे। अगर हर दिन कुछ नया सीखने को मिले, कुछ नया खोजने को मिले, तो वही मेरे लिए सक्सेस है। मुझे लगता है कि इंसान को बार-बार खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए, क्योंकि वहीं से आगे बढ़ने की असली प्रेरणा मिलती है। और ऐसा तभी हो सकता है जब आप रिस्क लेने की हिम्मत रखें, डरने के बजाय नए अनुभवों को अपनाने की कोशिश करें।

दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर सी फील दी

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट नंदिता दास की फिल्म मंटो से आया। उससे पहले इरफान खान और तिलोत्तमा के साथ किस्सा जैसी खास फिल्में कीं, पर मंटो ने नया रास्ता दिखाया। उस समय कई डायरेक्टर्स मुझे प्रोजेक्ट में लेना चाहते थे, लेकिन प्रोड्यूसर्स ने कहा- मैं सेलेबल नहीं हूं। फिर नंदिता ने मुझमें भरोसा जताया और मंटो में सफिया मंटो का रोल दिया। यही निर्णायक मोड़ रहा। उसके बाद दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर जैसे शो आए, जिसने बड़े ऑडियंस के सामने मेरी पहचान बनाई और ब्लॉकबस्टर सी फील दी।